



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 13, 1996 (पौष 23, 1917)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 13, 1996 (PAUSA 23, 1917)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, प्रादेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 9	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक प्रादेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप को उपलब्धियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्रधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ *
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	21	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और प्रादेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक प्रादेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	1	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निजामत और पट्टावेडा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग रेल विभाग और भारत सरकार से संबंध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	25
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	39	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	17
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य धातुकों के प्राधिकार के अधीन प्रथा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	--
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	25 79
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	3
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के प्रादेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—संदेशों और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के प्राद्वी को बताने वाला अनुसूचक	*
भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक प्रादेश और अधिसूचनाएं	*		

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1 —Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	9	PART II—SECTION 3—SUB SECTION (iii) —Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2 —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	21	PART II—SECTION 4 —Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3 —Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1 —Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	25
PART I—SECTION 4 —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	39	PART III—SECTION 2 —Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	17
PART II—SECTION 1 —Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3 —Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 1-A —Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4 —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2379
PART II—SECTION 2 —Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	3
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i) —General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii) —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 जनवरी, 1996

सं० 11011/79/70—सा० अ० (प्रशा० II)—राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों में भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालयों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन आवासों का प्रावधान।

1. संक्षिप्त नाम, लागू और प्रभावी होने की तारीख।

- (1) इन नियमों को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशालयों में सरकारी आवास प्रावधान नियम कहा जाएगा।
- (2) ये नियम राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशालयों में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों पर लागू होंगे।
- (3) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा :

ये नियम अथवा जब तक संदर्भ में अपेक्षित न हों :

- (क) “प्रावधान” से आशय इन नियमों के प्रावधानों के अनुसार आवास प्राप्त करने के लिए लाइसेंस प्रदान किए जाने हैं।
- (ख) “प्रावधान वर्ष” से आशय 1 जनवरी को प्रारम्भ वर्ष अथवा सम्बन्धित निदेशक द्वारा अधिसूचित ऐसी अन्य अवधि से है।
- (ग) “सम्बन्धित निदेशक” से आशय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में जनगणना कार्य निदेशक से है।
- (घ) “पत्र कार्यालय” से आशय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशालयों से है।
- (ङ) “परिलब्धियाँ” से आशय सरकारी कर्मचारी द्वारा मासिक तौर पर लिए जाने वाले वेतन से है। (“वेतन” की व्याख्या अनुलग्नक-I में की गई है)।

स्पष्टीकरण :

ऐसे निलम्बाधीन अधिकारी के मामले में जिसने उस प्रावधान वर्ष के पहले दिन, जिस वर्ष में वह अधिकारी निलम्बित हुआ है, आहरित परिलब्धियाँ अथवा यदि अधिकारी प्रावधान वर्ष के पहले दिन निलम्बित हुआ है, अधिकारी द्वारा उस तारीख से तत्काल पूर्व ली गई परिलब्धियों को परिलब्धियाँ माना जाएगा।

(ब) “परिवार” से आशय अधिकारी के साथ सामान्य तौर पर रह रहे तथा उस पर निर्भर पत्नी अथवा पति, जैसी भी स्थिति हो।

2—411GI/95

बच्चों, सुतीले बच्चों, कामूनी तौर पर गोद लिए गए बच्चों, माता-पिता, भाइयों, बहनों से है।

(छ) जब तक अन्यथा संदर्भ में अपेक्षित न हो “सरकार” का आशय केन्द्र सरकार से है।

(ज) अनुलग्नक-II में दिए गए प्रावधानों के अन्तर्गत उस आवास के टाइटल के सम्बन्ध में जिस टाइटल के लिए अधिकारी हकदार है, अधिकारी की “प्राथमिकता की तारीख” से आशय उस निकटतम तारीख से है जिससे वह अधिकारी केन्द्र सरकार अथवा किसी राज्य सरकार अथवा किसी विदेश सेवा में किसी पद के अधीन, अवकाश की अवधियों को छोड़कर, किसी विशिष्ट टाइटल अथवा किसी अन्य टाइटल से सम्बन्धित परिलब्धियाँ निरन्तर ले रहा हो।

बशर्ते कि टाइटल I से IV के आवासों के सम्बन्ध में अधिकारी जिस तारीख से केन्द्र सरकार अथवा किसी राज्य सरकार, जिसमें विदेश में की गई सेवाओं की अवधियाँ भी शामिल हैं, में लगातार कार्यरत है, उक्त टाइटल के लिए वह तारीख उनकी प्राथमिकता की तारीख मानी जाएगी।

बशर्ते यह भी कि जहाँ दो अथवा दो से अधिक अधिकारियों की प्राथमिकता की तारीख एक है उनके बीच बरिष्ठता का निर्धारण परिलब्धियों के आधार पर किया जाएगा, अधिक परिलब्धियाँ ले रहे अधिकारी को कम परिलब्धियाँ ले रहे अधिकारी से ऊपर रखा जाएगा, जहाँ परिलब्धियाँ बराबर हैं वहाँ सेवाकाल के आधार पर तथा जहाँ परिलब्धियाँ और सेवाकाल भी बराबर हैं वहाँ प्राथमिकता की तारीख का आधार अधिकारी का वेतनमान होगा, उच्च वेतनमान में कार्य कर रहे अधिकारी को निम्न वेतनमान में कार्य कर रहे अधिकारी से ऊपर रखा जाएगा।

(झ) “लाइसेंस शुल्क” से आशय शहरी विकास मंत्रालय, सम्प्रदा निदेशालय द्वारा इन नियमों के अन्तर्गत प्रावधानित आवासों के सम्बन्ध में निर्धारित दरों पर मासिक तौर पर देय धनराशि से है।

(ञ) “ग्रहण नियुक्ति” से आशय ऐसी नियुक्ति से है जिसके पदधारी से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जनगणना कार्य निदेशालयों में द्यूटी पर रहना अपेक्षित है।

(ट) “आवास” से आशय किसी ऐसे आवास से है जो उस समय भारत के महारजिस्ट्रार के प्रशासनिक नियंत्रण में हो।

(ठ) “किराए पर देना” जिसमें किसी आवांटीसी द्वारा लाइसेंस शुल्क के भुगतान अथवा बिना भुगतान किए किसी ऐसे व्यक्ति के साथ आवास में हिस्सेदारी करना शामिल है।

स्पष्टीकरण : आवास की किसी हिस्सेदारी को किराए पर देना नहीं माना जाएगा।

(ब) "अस्थाई स्थानांतरण" से आशय ऐसे स्थानांतरण से है जिसमें अनुपस्थिति की अवधि चार माह से अधिक हो।

(ड) 'स्थानांतरण' से आशय अधिकारी के जनगणना कार्य निदेशालय से किसी अन्य स्थान अथवा उसी स्थान के किसी अपात्र कार्यालय में स्थानांतरण से है जिसमें राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन में स्थानांतरण अथवा प्रत्यावर्तन तथा साथ ही साथ किसी अपात्र कार्यालय अथवा संगठन में किसी पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण भी शामिल है।

(ण) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में "टाइप" से आशय उस आवास के टाइप से है जिनके अन्तर्गत अधिकारी अनुसूचक-II में दिए गए प्रावधानों के अन्तर्गत उसका हकदार है।

अपने मकानों वाले अधिकारियों को आबंटन

(1) इन नियमों में :

(क) "निकटवर्ती नगरपालिकाओं" से आशय किसी स्थानीय नगर-पालिका के निकटस्थ किसी नगरपालिका से है।

(ख) किसी अधिकारी अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य के सम्बन्ध में "मकान" से आशय रिहायशी उद्देश्य के लिए उपयोग किए जा रहे किसी ऐसे भवन अथवा भवन के किसी भाग से है जो किसी स्थानीय नगरपालिका अथवा किसी निकटवर्ती नगरपालिका से अवस्थित हो।

स्पष्टीकरण : इस खण्ड के अन्तर्गत किसी ऐसे भवन को आवास माना जाएगा जिसके किसी भाग का रिहायशी तौर पर उपयोग हो रहा हो किन्तु इसमें गैर-रिहायशी तौर पर उपयोग किए जाने वाले भाग का ध्यान नहीं रखा जाएगा।

(ग) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में "स्थानीय नगरपालिका" से आशय उस नगरपालिका से है जिसके क्षेत्र में उस अधिकारी का कार्यालय स्थित है।

(घ) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में "परिवार" से आशय उस अधिकारी की पत्नी अथवा पति, जैसा भी मामला है, अथवा उस अधिकारी पर आश्रित बच्चे से है।

(ङ) "नगरपालिका" में नगर निगम, नगरपालिका अथवा बोर्ड, कस्बा क्षेत्र समिति, अधिसूचित क्षेत्र समिति और छावनी बोर्ड शामिल है।

(2) अपनी झूटी वाले स्थान अथवा किसी निकटवर्ती नगरपालिका क्षेत्र में अपने स्वयं अथवा परिवार के किसी सदस्य के नाम में मकान होने पर भी वह अधिकारी सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित ऐसी दरों पर आबंटित सरकारी आवास के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने पर सरकारी आवास के आबंटन के लिए हकदार होगा।

(3) किसी अधिकारी को सरकारी आवास आबंटित कर दिए जाने पर यदि वह अधिकारी अथवा उसके परिवार का कोई भी सदस्य अधिकारी की झूटी के स्थान अथवा उससे संलग्न किसी नगरपालिका क्षेत्र में स्वयं का मकान ले लेता है तो वह अधिकारी मकान को किराए पर देने, मकान में स्वयं आने अथवा मकान पुरा होने की तारीख, इनमें से जो भी पहले हो उक्त तारीख से एक माह की अवधि के भीतर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के जनगणना कार्य निदेशक को इसकी सूचना देना।

4. पति और पत्नी को आबंटन—एक दूसरे से विवाहित अधिकारियों के मामले में पात्रता

(1) यदि किसी अधिकारी की पत्नी अथवा पति, जैसा भी मामला हो, को पहले से ही कोई आवास आबंटित है तो जब तक पहले वाला मकान वापस सौंप नहीं दिया जाता तब तक अधिकारी को आवास आबंटित नहीं किया जाएगा।

बशर्ते कि यह उप-नियम उन मामलों में लागू नहीं माना जाएगा जिनमें किसी न्यायालय द्वारा जारी न्यायिक पृथक्ता के आदेशों के अनुसरण में पति और पत्नी अलग-अलग रह रहे हों।

(2) ऐसे मामलों में जहाँ दो अधिकारी जिन्हें इन नियमों के अन्तर्गत अलग-अलग आवास आबंटित हैं अथवा आपस में विवाह कर लेते हैं तो वे विवाह की तारीख से एक माह के भीतर दोनों में से किसी एक आवास को वापस सौंप देंगे।

(3) यदि उप-नियम (2) के अन्तर्गत यथा अपेक्षित तौर पर आवास नहीं सौंपा जाता है तो उक्त अवधि की समाप्ति पर निम्न टाइप के आवास का आबंटन रद्द माना जाएगा और यदि आवास एक ही टाइप के हों तो उक्त अवधि की समाप्ति पर पति और पत्नी के निर्णयानुसार उनमें से एक आवास का आबंटन रद्द माना जाएगा।

(4) ऐसे मामलों में जहाँ पति और पत्नी दोनों केन्द्र सरकार में नियुक्त हों इन नियमों के अन्तर्गत आवास के आबंटन के लिए प्रत्येक के नाम पर अलग-अलग तौर पर विचार किया जाएगा।

उप-नियम (1) से—में वर्णित किसी बात को ध्यान में रखे बशर्ते

(क) यदि किसी पति अथवा पत्नी जैसा भी मामला हो, जो इन नियमों के अन्तर्गत किसी आवास का ग्राही है, को बाद में उसी स्थान पर किसी ऐसे पूल से जिन पर कि ये नियम लागू नहीं होते हैं, आवास आबंटित हो जाता है तो वह उक्त आबंटन की तारीख से एक माह के भीतर किसी एक आवास को वापस सौंप देगा।

बशर्ते कि यह खंड उन मामलों में लागू नहीं होगा जिनमें पति और पत्नी किसी न्यायालय द्वारा दिए गए न्यायिक पृथक्ता आदेशों के अनुसरण में अलग-अलग रह रहे हों।

(ख) ऐसे मामलों में जहाँ दो अधिकारियों को उसी स्थान पर अलग-अलग आवास मिले हुए हैं, एक आवास इन नियमों के अन्तर्गत और दूसरा आवास ऐसे पूल से जिन पर ये नियम लागू नहीं होते हैं, एक-दूसरे से विवाह कर लेते हैं तो उनमें से कोई भी एक विवाह की तारीख से एक माह के भीतर कोई भी एक आवास वापस सौंप देगा।

(ग) यदि खण्ड (क) अथवा खण्ड (ख) के अन्तर्गत यथा-अपेक्षित तौर पर आवास वापस नहीं सौंपा जाता है तो उक्त अवधि की समाप्ति पर सामान्य पूल से आबंटित आवास के आबंटन को रद्द माना जाएगा।

(5) आवासों का वर्गीकरण :

अथवा इन नियमों द्वारा किए गए प्रावधानों के अनुसार कोई अधिकारी निम्नानुसार दिए गए टाइप के आवास के आबंटन का हकदार होगा :—

2. जनगणना कार्य निदेशालय में अपनी पहली नियुक्ति पर अथवा स्थानांतरण पर कार्यभार ग्रहण करने वाला अधिकारी कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से एक माह के भीतर सम्बंधित जनगणना कार्य निदेशक को निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन कर सकता है।

7. आवासों का आबंटन

1. छूट देते हुए अथवा इन नियमों द्वारा किए गए प्रावधानों के अनुसार किसी आवास के खाली होने पर सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा वह मकान प्रथमतः नियम 13 के प्रावधानों के अन्तर्गत उसी टाइप में आवास के परिवर्तन के दृष्टिकोण से आवेदक को आवंटित किया जाएगा और यदि ऐसा अपेक्षित न हो तो ऐसे आवेदक को आवंटित किया जाएगा जिसके पास उक्त टाइप का आवास नहीं है तथा जिसकी उक्त टाइप के आवास के लिए प्राथमिकता की तारीख सबसे पहले है। यह आवंटन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

(क) सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक किसी आवेदक पर उसकी पात्रता से उच्च टाइप का आवास आवंटित नहीं करेगा।

(ख) सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक किसी आवेदक पर उसकी पात्रता से निम्न टाइप का आवास लेने के लिए कोई दबाव नहीं डालेगा।

(ग) सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक किसी आवेदक से निम्न श्रेणी का आवास आवंटित किए जाने का अनुरोध प्राप्त होने पर आवेदक को उसकी प्राथमिकता की तारीख के आधार पर नियम 5 के अन्तर्गत आवेदक की पात्रता के टाइप से एक टाइप कम का आवास आवंटित कर सकता है।

(2) यदि किसी अधिकारी के आवास को खाली कराना अपेक्षित हो तो सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक किसी अधिकारी के मौजूदा आबंटन को रद्द कर सकता है तथा उसी टाइप में वैकल्पिक आवास आवंटित कर सकता है अथवा उसी टाइप का आवास उपलब्ध न होने पर अधिकारी द्वारा धारित आवास के टाइप से एक टाइप नीचे का वैकल्पिक आवास आवंटित कर सकता है।

(3) आवास के आवंटित होने पर आवास में स्वयं रहना अपेक्षित है। वह अवकाश पर अथवा किन्हीं अन्य कारणों से 2 माह से अधिक तभी बाहर रह सकता है जब उसने सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक से इनकी पूर्वानुमति ले रखी हो। यदि पूर्वानुमति न ली गई हो तो सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक आबंटन रद्द कर सकते हैं और मकान खाने करा सकते हैं बशर्त कि आवंटित होने पर प्रस्तावित कार्रवाई के विरुद्ध कारण बताने का उचित अवसर दिए बिना आबंटन रद्द नहीं किया जाएगा।

(4) पर्याप्त संस्था में उचित आवास उपलब्ध न होने पर सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में लाभप्रद समझ जाने पर उच्च अथवा निम्न टाइप का आवास आवंटित किया जा सकता है। या आबंटन इस समझौते पर आधारित होगा कि आवंटित होने पर उपयुक्त आवास उपलब्ध होने पर उसे उसमें जाना होगा। इस सम्बन्ध में लागू नियमों के अनुसार लाइसेंस शुल्क की बसूली की जाएगी।

(5) यदि जनगणना कार्य निदेशालय में आवास का कब्जा लेने के लिए कोई आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण कोई आवास खाली रहता है तो सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय से भिन्न किसी अन्य विभाग में कार्य कर रहे केन्द्र सरकार के किसी अधिकारी को जिसे वे आबंटन के लिए उपयुक्त समझें वह आवास आवंटित करेंगे बशर्त कि वह आवंटित लिखित रूप में यह अचलबद्धता वेग कि वह निर्धारित लाइसेंस शुल्क का भुगतान करेगा तथा जनगणना कार्य निदेशालय के अधिकारी के लिए आवास की आवश्यकता सम्बन्धी नोटिस प्राप्त होने के दो माह के भीतर आवास खाली कर वेग।

(6) उचित वेतनमान में किसी अधिकारी के प्रतीक्षा सूची में न रहने पर निम्न की खाली आवास का प्रस्ताव भेजा जाएगा :

(क) सर्वप्रथम ऐसे अधिकारी को जो अगली उच्च श्रेणी की प्रतीक्षा सूची को परिलक्षित से अधिक परिलक्षित से रहा हो बशर्त कि वह

अपनी पात्रता की प्रतीक्षा सूची में अपना स्थान आने पर उपयुक्त टाइप का आवास खाली होने पर उक्त मकान खाली करने पर सहमत हो।

तत्पश्चात

(ख) ऐसे अधिकारियों को जो एक टाइप नीचे की प्रतीक्षा सूची में सबसे अधिक परिलक्षित से रहे हों बशर्त कि वे स्वेच्छा से इसके लिए अपना नाम देते हों और सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा जब भी अपेक्षित हो तथा उपयुक्त टाइप का पुनः आवंटन होने पर इसे खाली करने पर सहमत हों। उच्च टाइप के आवास का लाइसेंस शुल्क आवंटित होने की परिलक्षित के 10 प्रतिशत तक सीमित किए बिना एक बार 45क के अन्तर्गत मानक लाइसेंस शुल्क के बराबर होगा।

8. आबंटन अथवा आबंटन के प्रस्ताव को स्वीकार करना अथवा आबंटन स्वीकार करने के पश्चात आवंटित मकान का कब्जा न लेना।

(1) यदि कोई अधिकारी आवास के आवंटन को पांच दिन के भीतर स्वीकार नहीं करता है अथवा उक्त आवास का आबंटन स्वीकार कर लेने के पश्चात आबंटन पत्र प्राप्त होने के आठ दिन के भीतर आवास का कब्जा नहीं लेता है तो वह अधिकारी आबंटन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए किसी दूसरे आबंटन का हकदार नहीं रहेगा।

(2) यदि किसी अधिकारी को, जिसके पास निम्न टाइप का आवास है और ऐसे टाइप के आवास का आबंटन किया जाता है अथवा प्रस्ताव भेजा जाता है जिसके लिए वह नियम 5 के अन्तर्गत पात्र है अथवा जिसके लिए उसने नियम 7 (i) (iii) के अन्तर्गत आवेदन दिया है, उसे उक्त आबंटन अथवा आबंटन के प्रस्ताव के लिए मना करने पर निम्नलिखित शर्तों पर पहले आवंटित आवास रखने की अनुमति दी जाएगी :—

(क) यह कि उक्त अधिकारी उस आबंटन वर्ष की जितनी कि उसने आबंटन प्रस्ताव के प्रस्ताव को मना किया है, शेष अवधि के लिए किसी अन्य आबंटन का हकदार नहीं रहेगा।

(ख) मौजूदा आवास का कब्जा रखते हुए उस अधिकारी से बही लाइसेंस शुल्क बसूल किया जाएगा जो उसे एक बार 45क के अधीन आवंटित अथवा आबंटन प्रस्ताव भेजे गए आवास का लाइसेंस शुल्क देना पड़ता अथवा उसके द्वारा पहले से धारित आवास के लाइसेंस शुल्क के बराबर राशि, इनमें से जो भी राशि अधिक हो, बसूल की जाएगी।

9. आबंटन बने रहने की अवधि तथा आवास का कब्जा और अधिक समय तक रखने की रियायती अवधि :

(1) आबंटन अधिकारी द्वारा इसे स्वीकार किए जाने की तारीख से प्रभावी होगा तथा यह तब तक बना रहेगा।

(क) अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशालय में इपूटी पर न रहने के पश्चात उपखंड (2) के अन्तर्गत अनुशेष रियायती अवधि की समाप्ति तक,

(ख) जनगणना कार्य निदेशक द्वारा रद्द किए जाने तक अथवा इन नियमों के किन्हीं प्रावधानों के अन्तर्गत रद्द समझ जाने तक,

(ग) अधिकारी द्वारा वापस सौंपे जाने तक, अथवा

(घ) अधिकारी द्वारा आवास खाली किए जाने तक।

(2) किसी अधिकारी को आवंटित आवास को उप-नियम (3) के अधीन नीचे दी गई सारणी के कालम 1 में निर्दिष्ट कोई घटना घटने पर उक्त सारणी के कालम 2 में दी गई तदनुषंगी प्रसिद्ध अवधि तक

रखा जा सकता है बशर्ते कि अधिकारी अथवा उसके परिवार के सदस्यों के वास्तविक उपयोग के लिए आवास रखना अपेक्षित हो :—

घटनाएं	आवास रखने की अनुमति अवधि
1	2
(i) त्यागपत्र, सेवा से बर्खास्तिगी अथवा हटाया जाना, सेवाएं समाप्त करना अथवा बिना अनुमति के अप्राधिकृत अनुपस्थिति	1 माह
(ii) सेवानिवृत्ति अथवा सेवान्त अवकाश	4 माह
(iii) आर्बिट्ररी की मृत्यु होने पर	6 माह
(iv) राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में जनगणना कार्य निदेशालयों से बाहर किसी स्थान पर स्थानांतरण होने पर	2 माह
(v) राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में जनगणना कार्य निदेशालयों में किसी अपात्र कार्यालय में स्थानांतरण होने पर	2 माह
(vi) भारत में बिदेश सेवा में जाने पर	2 माह
(vii) भारत में अस्थाई स्थानांतरण अथवा भारत से बाहर किसी स्थान पर स्थानांतरण	4 माह
(viii) सेवानिवृत्ति पूर्व अवकाश, अस्थायी अवकाश सेवान्त अवकाश, चिकित्सा अवकाश/प्रसूति अवकाश अथवा अध्ययन अवकाश से इतर अवकाश	अवकाश की अवधि किन्तु 4 माह से अनधिक ।
(क) प्रसूति अवकाश	प्रसूति अवकाश की अवधि तथा इसके साथ प्रदान किए गए अवकाश की अवधि जोकि अधिकतम 5 माह होगी ।
(ix) सेवानिवृत्ति पूर्व अवकाश अथवा एफ० एच० 86 के अन्तर्गत प्रदत्त अस्थायी अवकाश अथवा अनुलग्नक-III में दिए गए प्रावधानों के अन्तर्गत सेवा निवृत्त होने वाले सरकारी कर्मचारी को प्रदत्त अर्जित अवकाश	पूर्व औसत वेतन पर अवकाश की सम्पूर्ण अवधि जोकि सेवानिवृत्त पूर्ण अवकाश के मामले में अधिकतम 180 दिन तथा अन्य मामलों में चार माह से अधिक नहीं होगी इसमें सेवानिवृत्ति के मामले में अनुज्ञेय अवधि शामिल है ।
(x) भारत अथवा भारत से बाहर अध्ययन अवकाश	(क) अधिकारी द्वारा अपनी हकदारी से निम्न टाइट का आवास रखने के मामले में सम्पूर्ण अध्ययन अवकाश की अवधि । (ख) अधिकारी द्वारा अपनी हकदारी के टाइट का आवास रखने के मामले

1	2
	में अध्ययन अवकाश की अवधि 6 माह से अधिक नहीं होगी । बशर्ते कि जहां अध्ययन अवकाश की अवधि 6 माह से अधिक हो, यदि अधिकारी चाहे तो 6 माह की अवधि समाप्त होने पर अथवा अध्ययन अवकाश प्रारम्भ होने की तारीख से उसे उसकी हकदारी से एक टाइट कम का वैकल्पिक आवास आवंटित किया जा सकता है ।
(xi) भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति	प्रतिनियुक्ति की अवधि किन्तु 6 माह से अनधिक ।
(xii) चिकित्सा के आधार पर अवकाश	अवकाश की सम्पूर्ण अवधि ।
(xiii) प्रशिक्षण पर जाने पर	प्रशिक्षण की सम्पूर्ण अवधि ।

स्पष्टीकरण-1 : जहां किसी अधिकारी को स्थानांतरण अथवा भारत से बिदेश सेवा पर अवकाश मंजूर किया जाता है तथा वह नए कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उक्त अवकाश का लाभ उठाता है तो उसे मद संख्या (iv), (v), (vi) और (vii) के अनुसार उल्लिखित अवधि तक अथवा अवकाश की अवधि तक, इनमें से जो भी अधिक हो, आवास रखने की अनुमति दी जाएगी ।

स्पष्टीकरण-2 : ऐसे मामलों में जहां किसी अधिकारी को, उसके पहले से ही अवकाश पर रहने के दौरान, भारत में स्थानांतरण अथवा बिदेश सेवा पर स्थानांतरण का आदेश दिया जाता है तो स्पष्टीकरण-1 के अन्तर्गत अनुज्ञेय अवधि की गणना उक्त आदेश जारी होने की तारीख से की जाएगी ।

(3) जहां उपनियम (2) के अन्तर्गत आवास रखने के मामले में अनुज्ञेय रियायती अवधियों की समाप्ति पर यह अधिकारी उक्त अवधियों के समाप्त होने पर तत्काल सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यभार ग्रहण करता है तो आर्बिटन रद्द माना जाएगा ।

(4) अधिकारी द्वारा बिना वेतन और भत्तों के चिकित्सा अवकाश पर रहने पर वह उपनियम (2) की नीचे दी गई सारणी की मद संख्या (xii) के अन्तर्गत दी गई रियायतों के फलस्वरूप अपना आवास रख सकता है बशर्ते कि वह प्रतिमाह उक्त आवास का लाइसेंस शुल्क जमा करता हो तथा उसके दो माह से अधिक लाइसेंस शुल्क न दिए जाने पर आर्बिटन रद्द हो जाएगा ।

(5) कोई अधिकारी जिसने उपनियम (2) की नीचे दी गई सारणी की मद संख्या (i) अथवा मद संख्या (ii) के अन्तर्गत दी गई रियायतों के अधीन आवास रखा हुआ है उक्त सारणी में निर्दिष्ट अवधि के भीतर किसी पात्र कार्यालय में पुनर्नियुक्ति पर उक्त आवास को रखने का हकदार

होना और वह इन नियमों के अन्तर्गत किसी और आवास के आबंटन के लिए भी पात्र होगा।

बशर्त कि यां व उक्त पुनर्निर्मुक्ति पर अधिकारी की परिलक्षित्वा उसे उनके द्वारा धारित आवास के टाइप का हकदार नहीं बनाती है तो उसे एक टाइप का आवास आवंटित किया जाएगा।

(6) उप-नियम (2) अथवा उप-नियम (3) अथवा उप-नियम (5) में वर्णित किन्हीं बातों पर ध्यान न देते हुए जब किसी अधिकारी को सेवा से बर्खास्त किया जाता है अथवा सेवा से हटाया जाता है अथवा जब उसकी संज्ञा समाप्त की गई है और उस कार्यालय का प्रभागध्यक्ष जिसमें कि अधिकारी बर्खास्त किए जाने, सेवा से हटाए जाने अथवा सेवा समाप्त किए जाने से तत्काल पूर्ण कार्य कर रहा था, इस बात से संतुष्ट है कि जनहित में ऐसा किया जाना आवश्यक अथवा अपेक्षित था तो वह लिखित में रिपोर्ट किए जाने वाले उन कारणों को सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक को बतते हुए ऐसे अधिकारी को दिए गए आवास के आबंटन का तत्काल रद्द करने अथवा उप-नियम (2) की नीचे दी गई सारणी की प्रसंग्यता (1) में उल्लिखित एक माह की अवधि की समाप्ति से पूर्ण की उक्त अवधि से, जो वे निर्दिष्ट करें, रद्द करने को लिखेगा तथा सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक इस पर सन्तुष्ट आदेश जारी करेगा।

10. लाइसेंस शुल्क से सम्बन्धित प्रावधान

(1) जहाँ आवास अथवा बैकल्पिक आवास का आबंटन स्वीकार कर लिया गया है, लाइसेंस शुल्क की देयता, कब्जा लेने की तारीख अथवा आबंटन प्राप्त होने की तारीख से आठवें दिन से, इनमें से जो भी पहले हो, प्रभावी होगी।

कोई अधिकारी जो आवास का आबंटन स्वीकार करने के पश्चात् आवास का आबंटन पत्र प्राप्त होने की तारीख से आठ दिन के भीतर कब्जा नहीं लेता है उससे उक्त तारीख से बारह दिन तक का लाइसेंस शुल्क वसूल किया जाएगा बशर्त कि ऐसे मामलों में जहाँ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग यह प्रमाणित करता है कि मकान कब्जा लेने लायक नहीं है और जिसके परिणामस्वरूप अधिकारी उक्त अवधि के भीतर मकान का कब्जा नहीं ले पाता है, यहाँ उल्लिखित बातें लागू नहीं होंगी।

(2) ऐसे मामले में जहाँ किसी अधिकारी के पास किसी आवास का कब्जा है और उसे किसी दूसरे आवास का आबंटन हो जाता है और वह नए आवास का कब्जा ले लेता है, पहले के आवास का आबंटन नए आवास का कब्जा लेने की तारीख से रद्द माना जाएगा। तथापि वह अधिकारी मकान बदलने के लिए उक्त दिन तथा उससे अगले दिन तक पहले के आवास का लाइसेंस शुल्क का भुगतान किए बगैर मकान रख सकता है।

बशर्त कि यदि नया आवास आवंटित होने की अगली तारीख तक पहले का आवास खाली नहीं किया जाता है तो अधिकारी को नए आवास का कब्जा लेने की तारीख से पहले के आवास के उपयोग और कब्जे, आवास सेवाओं, फर्नीचर और बागबानी प्रभार का सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से हर्जाना देना होगा।

11. आवास खाली किए जाने तक लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने की अधिकारी की व्यक्तिगत देयता और अस्थायी अधिकारियों द्वारा जमानित दिया जाना।

(1) अधिकारी जिसे कोई आवास आवंटित किया गया है व्यक्तिगत तौर पर उस आवास के लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने तथा उसके रख-रखाव में हुई मामूली सी क्षति के अलावा किसी प्रकार की क्षति अथवा सरकार द्वारा अधिकारी को आवंटित आवास की अवधि के दौरान उपलब्ध कर दिए गए फर्नीचर, किचनबर्त अथवा सेवाओं का किसी भी प्रकार का

हर्जाना देने का उत्तरदायित्व होगा अथवा जहाँ इन नियमों के किन्हीं प्रावधानों के अन्तर्गत आबंटन रद्द किया गया है, बहिष्कृत के साथ-साथ आवास खाली किए जाने तथा सरकार को मकान का पूर्ण खाली कब्जा दिए जाने तक लाइसेंस शुल्क अथवा हर्जाना देने का उत्तरदायित्व होगा।

(2) ऐसे मामलों में जहाँ अधिकारी जिसे कि आवास आवंटित किया गया है न तो स्थाई और न ही स्थाई सरकारी कर्मचारी है तो ऐसी स्थिति में वह केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में निर्धारित फार्म में बांड भर कर देगा और किसी केन्द्रीय सरकार के स्थायी सरकारी कर्मचारी से जमानत भी देगा जो ऐसे आवास और सेवाओं तथा उसके बदले में दिए गए किसी अन्य आवास के बारे में उससे लिए जाने वाले लाइसेंस शुल्क और अन्य प्रचारों के बारे में होंगी।

(3) यदि जमानती सरकारी सेवा छोड़ देता है अथवा विवाधित हो जाता है अथवा अन्य कारणों से उत्तम नहीं हो पाता है तो अधिकारी ऐसी घटना अथवा तथ्यों की जानकारी प्राप्त करने के तीस दिन के भीतर अन्य जमानती द्वारा भरा गया तथा जमानती बांड प्रस्तुत करेगा और यदि वह ऐसा नहीं करता है तो सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा अथवा कोई निर्णय लिए जाने तक अधिकारी को आवंटित आवास के आबंटन को उक्त घटना की तारीख से रद्द माना जाएगा।

12. आबंटन वापस मॉपना और नोटिस की अवधि

(1) कोई अधिकारी आवास खाली करने की तारीख से कम से कम दस दिन पूर्व सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक को सूचना देकर कभी भी आबंटन को वापस सौंप सकता है। सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा पत्र प्राप्त करने के अगले प्यारहवें दिन अथवा पत्र में उल्लिखित तारीख से, इनमें से जो भी बाद में हो, आवास का आबंटन रद्द माना जाएगा। यदि अधिकारी उपयुक्त नोटिस नहीं देता है तो उसे दस दिन अथवा अधिकारी द्वारा दिए गए नोटिस में 10 दिन से कम रही अवधि के लिए लाइसेंस शुल्क देना होगा बशर्त कि सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक अन्त्यावधि का नोटिस स्वीकार कर ले।

(2) कोई अधिकारी जो उप नियम (1) के अन्तर्गत आवास वापस सौंपता है तो उस अधिकारी के नाम पर उसी स्टेशन में सरकारी मकान के आबंटन के लिए आबंटन वापस सौंपने की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक विचार नहीं किया जाएगा।

13. मकान बदलना

(1) कोई भी अधिकारी जिसे इन नियमों के अन्तर्गत मकान आवंटित किया गया है उसी टाइप के दूसरे मकान अथवा ऐसे टाइप के मकान जिसका कि वह नियम 5 के अन्तर्गत हकदार है, इनमें जो भी टाइप कम हो, में बदलने के लिए आवेदन कर सकता है। अधिकारी को आवंटित किसी टाइप के मकान को एक से अधिक बार बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) कोई भी अधिकारी जिसे पहले से मकान आवंटित है यदि मकान बदलना चाहे तो उसे निर्धारित प्रोफार्म से सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक को आवेदन देना होगा। सक्षम अधिकारी द्वारा आवेदन स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात् आवेदक का नाम कम्प्यूटरीकृत प्रतीक्षा सूची में जोड़ा जाएगा। प्रतीक्षा सूची में जोड़े गए आवेदकों की अस्त-वस्थिति का निर्धारण "प्रथम आओ प्रथम पाओ" के आधार पर किया जाएगा।

(3) उप-नियम (2) के अनुसार निर्धारित वरिष्ठता क्रम में किसी अन्य मकान के आबंटन का आकर दिया जाएगा तथा जहाँ तक संभव हो अधिकारी की पसन्द को ध्यान में रखा जाएगा।

बशर्ते कि अधिवासिता की तारीख से तत्काल छः माह पूर्व की अवधि के दौरान मकान नहीं बदला जाएगा।

(4) यदि कोई अधिकारी मकान बदलने सम्बन्धी उसे भेजे गए प्रस्ताव अथवा आर्बटन के जारी होने के पांच दिन के भीतर स्वीकार नहीं करता है तो उक्त टाइप का मकान बदलने के उसके प्रस्ताव पर बुद्धि विचार नहीं किया जाएगा।

(5) यदि कोई अधिकारी जो मकान बदलने का प्रस्ताव स्वीकार कर लेने के पश्चात् उसका कब्जा नहीं लेता है तो उससे एफ० आर० 45क के अधीन पहले से कब्जे वाले मकान का सामान्य लाइसेंस शुल्क वसूलने के अतिरिक्त नियम 10 के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अनुसार उक्त आवास का लाइसेंस शुल्क वसूला जाएगा तथा पहले के मकान का कब्जा उसी प्रकार जारी रहेगा।

14. परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर मकान बदलना

नियम 13 में निश्चित किन्हीं बातों को ध्यान में रखे बगैर यदि किसी अधिकारी के परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसकी मृत्यु से तीन माह के भीतर मकान बदलने के लिए आवेदन देता है तो उसे मकान बदलने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते कि उसी टाइप और उसी तल का मकान दिया जाएगा जिस टाइप और तल का मकान अधिकारी के पास पहले था।

15. आपस में मकान बदलना

ऐसे अधिकारी जिन्हें इन नियमों के अन्तर्गत एक ही टाइप के मकान आवंटित हैं अपने मकान आपस में बदलने हेतु अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि दोनों अधिकारियों के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के जनगणना कार्य निदेशालय में ड्यूटी पर बने रहते और अधिकारियों के ऐसे मकान बदलने की अनुमति की तारीख से कम से कम छः माह की अवधि के लिए आपस में बदले गए मकान में रहने की सम्भावना को उचित देखते हुए उन्हें मकान बदलने की अनुमति दी जा सकती है।

16. मकानों का रख-रखाव

अधिकारी जिसे मकान आवंटित किया गया है, मकान तथा उसके परिसर को सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक की संतुष्टि के अनुसार साफ और स्वच्छ रखेगा। उक्त अधिकारी सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा जारी अनुदेशों के विपरीत कोई पेड़, झाड़ी अथवा पौधा नहीं लगाएगा और न ही मकान से लगे किसी बगीचे, आंगन अथवा परिसर से कोई विद्यमान पेड़ उखाड़ेगा अथवा झाड़ी काटेगा बशर्ते कि उसने सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक की लिखित पूर्वानुमति ले ली हो। इस नियम के विरुद्ध लगाए गए पेड़, पौधे अथवा वनस्पति को सम्बन्धित अधिकारी के जोखिम और लागत पर बागवानी निदेशालय से हटाने के लिए कहा जाएगा।

17. मकान को किराए पर देना और मकान में किसी की भागीदारी रखना।

(1) कोई भी अधिकारी है, न नियमों के अधीन मकान का आर्बटन पाने के हकदार केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के अतिरिक्त इस आवंटित मकान अथवा उप-गृह, गैरेज और संलग्न छुड़साल को किसी के साथ भागीदारी नहीं करेगा। सर्वेट क्वार्टरों, उप-गृहों, गैराजों और सब्सो का उपयोग वास्तविक उद्देश्यों, जिनमें आर्बिटरी के नौकरों का आवास अथवा सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा अन्य उद्देश्य शामिल हैं, के लिए किया जाएगा।

बशर्ते कि अधिकारी भारत के महारजिस्ट्रार द्वारा निर्धारित ऐसे फार्म में सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक को पूर्व सूचना भेजेगा जिस मकान में रह रहे अधिकारी और उसके परिवार का पूर्ण विवरण तथा मकान में भागीदार और उसके परिवार का पूर्ण विवरण दिया जाएगा।

(2) कोई भी अधिकारी पूरा मकान किराए पर नहीं देगा :

बशर्ते कि कोई अधिकारी अवकाश पर जाते समय सरकारी मकान पाने के हकदार किसी अन्य अधिकारी को नियम 9(2) में निर्धारित अवधि, किन्तु 6 माह से अधिक के लिए मकान की देखभाल करने के लिए अपने मकान में रख सकता है।

(3) कोई भी अधिकारी जो अपने मकान में भागीदारी करता है अथवा मकान किराए पर देता है, अपने जोखिम और उत्तरदायित्व पर ऐसा करना तथा आवास के लाइसेंस शुल्क के भुगतान और मकान अथवा उसके अर्हाते अथवा मकान अथवा सरकार द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को पट्टी किसी क्षति मामूली टूट-फूट के अलावा के हानि का भुगतान करने के प्रति स्वयं उत्तरदायी होगा।

(4) कोई महिला अधिकारी जिसे कामकाजी महिलाओं के होस्टल में आवास आवंटित हुआ है, किसी अन्य अधिकारी के साथ आवास में भागीदारी नहीं कर सकती है। तथापि भारत के महारजिस्ट्रार 12 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अधिकारी के साथ रहने की अनुमति दे सकते हैं।

18. नियमों और शर्तों का उल्लंघन करने के परिणाम

(1) यदि कोई अधिकारी जिसे मकान आवंटित किया गया है, अप्राधिकृत तौर पर मकान किराए पर देता है अथवा मकान में भागीदारी करने वाले अधिकारी से किसी ऐसी दर से लाइसेंस शुल्क वसूल करता है जिसे सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक अधिक समझे अथवा मकान के किसी भाग में अप्राधिकृत तौर पर कोई ठाँवा खड़ा करता है अथवा मकान अथवा मकान के किसी भाग का उपयोग उसके उचित उपयोग से स्तर करता है अथवा बिजली अथवा पानी के कनेक्शन से छेड़छाड़ करता है अथवा नियमों का किसी प्रकार से उल्लंघन करता है अथवा मकान परिसर का उपयोग ऐसे उद्देश्यों के लिए करता है जिसे सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक उचित न समझे अथवा ऐसा कोई व्यवहार करता है जिससे पड़ोसियों के सम्बन्ध गौहार पूर्ण न रह सकें अथवा अधिकारी न आर्बटन पाने के लिए किसी आवेदन अथवा लिखित विवरण में जानबूझ कर कोई झूठे जानकारी दी हो तो सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक उक्त अधिकारी के विरुद्ध की जाने वाली किसी आनुशासनिक कार्रवाई पर ध्यान दिए बगैर मकान का आर्बटन रद्द कर सकते हैं।

स्पष्टीकरण : इस उप नियम में 'अधिकारी' शब्द की अभिव्यक्ति में जब तक अन्यथा संदर्भ में अवैधित हो अधिकारी के परिवार का सदस्य और अधिकारी की ओर से दायेदार कोई व्यक्ति भी शामिल है।

(2) यदि कोई अधिकारी इन नियमों के विरुद्ध उसे आवंटित मकान अथवा उसके किसी भाग अथवा उपगृह, गैरेज अथवा संलग्न छुड़साल को किराए पर देता तो उस अधिकारी के खिलाफ की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर ध्यान दिए बगैर उससे एफ०आर० 45क अन्तर्गत बड़ा हुआ लाइसेंस शुल्क वसूल किया जाएगा जो मानक के लक्ष्य से चार गुणा अधिक नहीं होगा। प्रत्येक मामले में वसूल की जाने वाली लाइसेंस शुल्क की राशि सम्बन्धी निर्णय सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा भारत के महारजिस्ट्रार के परामर्श से गुणावगुण के आधार पर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त अधिकारी को

भविष्य में किसी निश्चित अवधि के लिए मकान में भागीदारी से वंचित रखा जा सकता है जिसका निर्णय सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक द्वारा भारत के महारजिस्ट्रार के परामर्श से लिया जाएगा।

(3) ऐसे मामलों में जहाँ आर्बिटरी द्वारा परिसर की अधिकृत तौर पर किराए पर देने के कारण आर्बटन रद्द करने की कार्रवाई की गई है, आर्बिटरी और उसके साथ मकान में रह रहे अन्य व्यक्ति को परिसर खाली करने के लिए साठ दिन का समय दिया जाएगा। आर्बटन परिसर खाली कराने की तारीख से अथवा आर्बटन रद्द किए जाने के आदेशों के जारी होने की तारीख से साठ दिन की अवधि समाप्त होने की तारीख से, इनमें से जो भी पहले हो, रद्द माना जाएगा।

(4) जहाँ मकान का आर्बटन पड़ोसियों के साथ सीढ़ार्य पूर्ण सम्बन्ध बनाए न रखने के कारण रद्द किया जाता है उस स्थिति में अधिकारी को सम्बन्धित जनगणना कार्य निदेशक के विवेक पर किसी अन्य स्थान पर उसी श्रेणी में दूसरा मकान आर्बटन किया जा सकता है।

(5) भारत के महारजिस्ट्रार इस नियम के उप-नियम (1) से (4) के अन्तर्गत सभी प्रकार अथवा किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने तथा नियमों और शर्तों का उल्लंघन करने वाले अधिकारी को पांच वर्ष से अधिक अवधि के लिए मकान के आर्बटन के लिए अधोग्रन्थित करने में सक्षम होंगे।

(6) ऐसे मामलों में जहाँ उप निदेशक, जनगणना कार्य पद के किसी अधिकारी द्वारा इस नियम के अन्तर्गत कोई दण्ड दिया गया है पीड़ित व्यक्ति अपने नियोजता से अथवा स्वयं द्वारा दण्ड सम्बन्धी आवेदन प्राप्त होने के साठ दिन के भीतर भारत के महारजिस्ट्रार को अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

(7) प्रस्तुत अभ्यावेदन के परिणामस्वरूप दण्ड सम्बन्धी मूल आवेदन तब तक बने रहेंगे जब तक कि उनमें कोई संशोधन नहीं कर दिया जाता अथवा उन्हें रद्द नहीं कर दिया जाता।

आर्बटन रद्द होने के पश्चात् मकान में अधिक समय तक ठहरना

ऐसे मामलों में जहाँ इन नियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत आर्बटन रद्द होने अथवा रद्द समझे जाने के पश्चात् मकान उस अधिकारी जिसे मकान आर्बटन है अथवा उसकी ओर से दायेदार व्यक्ति के कब्जे में रहता है, तो वह अधिकारी सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से अथवा लाइसेंस शुल्क की दोगुणा दर से, इनमें जो भी अधिक हो, मकान का उपयोग करने तथा उसका कब्जा रखने के लिए क्षतिपूर्ति भरने तथा सेवा, फर्नीचर, बगीचे के प्रसारों को देने का उत्तरदायी होगा।

इसमें कि भारत के महारजिस्ट्रार किसी ऐसे अधिकारी को जो एक आर० 45क के अन्तर्गत लाइसेंस शुल्क अदा कर रहा था, विशेष मामलों में एक आर० 45क के अन्तर्गत मानक लाइसेंस शुल्क की दोगुनी राशि अथवा पूरा मानक शुल्क की दोगुनी राशि, इनमें से जो अधिक हो, के भुगतान पर किसी आवास को छ माह से अधिक अवधि तक रखने की अनुमति दे सकते हैं किन्तु उक्त राशि अधिकारी द्वारा अन्त में नी गई परिलब्धियों (एफ० आर० 45ग के अन्तर्गत पद्या निदिष्ट) की राशि के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। किसी ऐसे अधिकारी के मामले में जो एक आर० 45क के अन्तर्गत लाइसेंस शुल्क अदा नहीं कर रहा था एक आर० 45क के अन्तर्गत मानक लाइसेंस शुल्क की दोगुनी पूरा मानक लाइसेंस शुल्क की दोगुनी राशि अथवा एक आर० 45क के अन्तर्गत पूरा मानक लाइसेंस शुल्क की दोगुनी राशि अथवा उस लाइसेंस शुल्क की दोगुनी राशि जिसका कि अधिकारी भुगतान कर रहा था, इनमें से जो भी अधिक हो, के भुगतान पर अधिकारी को उसी अवधि तक आवास रखने अनुमति दी जाएगी।

बशर्ते यह भी कि सेवा निवृत्त होने अथवा सेवान्तर अवकाश लेने की स्थिति में उपर्युक्त प्रावधानों में निदिष्ट लाइसेंस शुल्क के भुगतान पर मकान रखने की अनुमति चार माह से अधिक नहीं होगी।

20. इन नियमों के जारी होने से पूर्व किए गए आर्बटनों को जारी रखा जाना

इन नियमों के जारी होने से पूर्व तत्कालीन लागू नियमों के अन्तर्गत जारी किसी वैध आर्बटन अथवा आवास को इन नियमों के अन्तर्गत किया गया आर्बटन माना जाएगा ऐसा करते समय इस बात का कोई ध्यान नहीं रखा जाएगा कि कोई अधिकारी जिसे मकान आर्बटन किया गया है उक्त टाइप के आवास का हकदार नहीं है तथा तदनुसार उक्त आर्बटन भी उक्त अधिकारी पर न नियमों के इससे पहले बनाए गए सभी प्रावधान लागू होंगे।

21. नियमों की व्याख्या

यदि इन नियमों की व्याख्या के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठता है तो उस पर भारत के महारजिस्ट्रार शहरी विकास मंत्रालय के परामर्श से निर्णय लेंगे।

22. नियमों में छूट

भारत सरकार निश्चित में रिक्त किए गए कारणों से किसी अधिकारी अथवा मकान अथवा अधिकारियों के वर्ग अथवा मकान के टाइप के सम्बन्ध में इस खंड के नियमों के किसी प्रावधान अथवा सभी प्रावधानों में छूट प्रदान कर सकती है।

23. कार्य या शक्तियां प्रदत्त करना

भारत के महारजिस्ट्रार इन नियमों के अन्तर्गत राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के जनगणना कार्य निदेशकों को प्रदत्त किन्हीं अथवा सभी शक्तियों को अपने नियंत्रणाधीन किसी अधिकारी को ऐसी शर्तों के अधीन जितने वे लागू करना उचित समझें, सौंप सकते हैं।

अनुसूचक-1

एफ० आर० 9(21) (क) :-

वेतन से आशय किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा मासिक तौर पर मी जाने वाली राशि से है, जैसे :-

(1) वेतन, विशेष वेतन अथवा अधिकारी की वैयक्तिक अर्हताओं की ध्यान में रख कर दिए जाने वाले वेतन से स्तर, जो कि अधिकारी द्वारा स्थायी रूप अथवा स्थानांतरण में धारित पद के लिए स्वीकृत है अथवा किसी संघर्ष में किसी हैभियन से यह उमका हकदार है, और

(2) विदेश वेतन, विशेष वेतन और वैयक्तिक वेतन और

(3) ऐसी कोई अन्य परिलब्धियां जितने राष्ट्रपति द्वारा विशेष वेतन के रूप में वर्गीकृत किया गया हो।

अनुलग्नक—II

मकानों का वर्गीकरण

एस० आर० 317-ख-5 : इन नियमों के प्रावधानों में अन्यथा छूट देते हुए कोई अधिकारी नीचे दी गई सारणी में दिए गए टाइप के मकान के आबंटन का हकदार होगा :—

मकान का टाइप	अधिकारी की श्रेणी अथवा सम्बन्धित आबंटन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्दिष्ट तारीख को अधिकारी की मासिक परिलब्धियाँ
--------------	---

(i)	950/- रुपए से कम ।
(ii)	1500/- रुपए से कम किन्तु 950/- रुपए से कम नहीं ।
(iii)	2800/- रुपए से कम किन्तु 1500/- रुपए से कम नहीं ।
(iv)	3600/- रुपए से कम किन्तु 2800/- रुपए से कम नहीं ।

मकान का टाइप	अधिकारी की श्रेणी अथवा सम्बन्धित आबंटन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्दिष्ट तारीख को अधिकारी की मासिक परिलब्धियाँ
--------------	---

v (क)	4500/- रुपए से कम किन्तु 3600/- रुपए से कम नहीं ।
(ख)	5900/- रुपए से कम किन्तु 4500/- रुपए से कम नहीं ।
vi (क)	6700/- रुपए से कम किन्तु 5900/- रुपए से कम नहीं ।
(ख)	6700/- रुपए और अधिक ।

बशर्ते कि जहाँ टाइप v और टाइप vi के मकानों को टाइप v (क) और v (ख) तथा vi (क) और vi (ख) के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है टाइप v के लिए पात्र सभी अधिकारियों को एक साथ समूहबद्ध किया जाएगा तथा टाइप vi के हकदार अधिकारियों को भी एक साथ समूहबद्ध किया जाएगा ।

वर्गों यह कि जहाँ टाइप vi (ख) से बड़े टाइप के मकान उपलब्ध हैं आबंटन की हकदारी निम्न प्रकार होगी :—

टाइप vii	8000/- रुपए प्रतिमाह से कम किन्तु 7300/- रुपए प्रतिमाह से कम नहीं ।
----------	---

टाइप viii	8000/- रुपए और उससे अधिक ।
-----------	----------------------------

2. छात्रावास

छात्रावास का टाइप	अधिकारी की श्रेणी अथवा सम्बन्धित आबंटन वर्ष के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्दिष्ट तारीख को अधिकारी की मासिक परिलब्धियाँ
-------------------	---

एक कमरा रसोई के बिना	-- 2000/- रुपए
एक कमरा रसोई के साथ	-- 2000/- रुपए
दो कमरे	--- 2800/- रुपए

3. कामकाजी महिला छात्रावास—सभी महिला अधिकारी हकदार हैं परिलब्धियों की कोई सीमा नहीं ।

भारत सरकार के आदेश

(1) मकान की हकदारी का निर्धारण करने के लिए अवसृद्ध बतन-वृद्धि को "परिलब्धियाँ" माना जाता है ।

शहरी विकास मंत्रालय के वित्त प्रभाग के परामर्श से यह निर्णय लिया गया है कि आवासीय मकान के आबंटन के लिए अधिकारी की हक का निर्धारण करने के लिए अवसृद्ध बतनवृद्धि को वेतन का भाग माना जाए ।

(भारत सरकार सम्पदा निवेशालय का० स्टा० सं० 12035(2)/86-पालिसी-II दिनांक 23 जनवरी, 1991) ।

(2) मकान की हकदारी का निर्धारण करने के लिए नाम प्रैक्टिसिंग भत्ते को हिसाब में नहीं लिया जाएगा ।

यह पुनः दोहराया जाता है कि डाक्टरों को सामान्य पूल से रिहायशी मकान आबंटन करने के लिए बिक्रीश अधिकारियों को दिए जाने वाले "नाम प्रैक्टिसिंग भत्ते" को वेतन के एक भाग के रूप में हिसाब में नहीं लिया जाएगा तथा सरकारी मकान के आबंटन के लिए हकदारी का निर्धारण करते समय हम भत्ते को हिसाब में न जोड़ने की मौजूदा प्रथा जारी रखी है ।

(भारत सरकार सम्पदा निवेशालय का० स्टा० सं० 12033(1)/86-पालिसी-II (गट्टे) दिनांक 7 फरवरी, 1990) ।

56 () (1) समय से पूर्व अथवा अस्थायी सेवानिवृत्ति किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा दिए गए अभ्यावेदन की समीक्षा करने पर यदि सरकारी कर्मचारी को पुनः सेवा में लेने का निर्णय लिया जाता है तो कर्मचारी को फिर से सेवा में लेने के अवेश जारी करने वाला प्राधिकारी देय और प्राद्व्य अवकाश जिनमें असाधारण अवकाश भी शामिल है, मंजूर करके अथवा वेतन रहित अवकाश मानकर जोकि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है समय पूर्व सेवा निवृत्त और पुनः सेवा में आने के बीच की अवधि को नियमित कर सकता है ।

बशर्ते कि यदि सेवा में पुनः वापसी के आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी का विवेक रूप से यह मन है कि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए समय पूर्व सेवा निवृत्ति का स्वतः ही कोई औचित्य नहीं था अथवा यदि न्यायालय द्वारा समय पूर्व सेवा निवृत्ति के आदेश रद्द कर दिए जाते हैं तो बीच की अवधि को सभी प्रयोजनों के लिए जिनमें वेतन और भत्ते भी शामिल हैं झुट्टी पर चितार्ह गई अवधि माना जाएगा ।

(ii) ऐसे मामलों में जहाँ न्यायालय द्वारा पूर्व सेवा निवृत्ति के आदेश नष्ट किए गए हैं और समय पूर्व सेवा निवृत्ति की तारीख तथा सेवा में पुनः वापसी की तारीख के बीच की अवधि के नियमन के सम्बन्ध विशिष्ट निर्देश जारी किए गए हैं पुनः अपील वायर किया जाना प्रस्तावित नहीं है उपयुक्त अवधि की न्यायालय के निर्देशों के अनुसार नियमित किया जाएगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर, 1995

सं० एम० 9-7/94-यू० 31--विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में आयोग के परामर्श पर केन्द्रीय सरकार उपरोक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, बम्बई को सरकार से सम-विश्वविद्यालय घोषित करती है।

अभिमन्यु सिंह,
संयुक्त सचिव

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1995

सं० 1-8/95-यू० से०-1--अधोहस्ताक्षरी को नहरू युवा केन्द्र संगठन के नियमों में निम्नलिखित संशोधनों को भारत के राष्ट्रपति की स्वीकृति जारी करने का निर्देश हुआ है :--

नियम 4 निम्न प्रकार पढ़ा जाएगा :--

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के नाम के अधीन पंजीकृत सोसायटी में निम्नलिखित सदस्य होंगे :--

- | | | |
|--------|---|-------------------|
| (1) | युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी राज्य मंत्री अध्यक्ष (पदेन) | |
| (2) और | सरकार द्वारा नामित लोक सभा के | सदस्य |
| (3) | दो सदस्य | |
| (4) | राज्य सभा का एक सदस्य | सदस्य |
| (5) से | संस्कृति, समाज कार्य, स्वेच्छिक संगठन, | सदस्य |
| (8) तक | शैक्षणिक प्रशिक्षण संस्थान, सूचना, साहस, खेल, कला और अन्य सम्बन्ध क्षेत्रों में विख्यात चार व्यक्ति | |
| (9) | अध्यक्ष द्वारा नामित एक और व्यक्ति | सदस्य |
| (10) | संगठन के महानिदेशक | सदस्य-सचिव (पदेन) |

अमरजीत कौर,
उप सचिव

सं० 1-8/95-यू० से०-1--भारत सरकार का दिनांक 25-2-87 के संकल्प सं० 24/1/87-ने० यू० के० और नेहरू युवा केन्द्र संगठन की नियमावली के सम्बद्ध प्रावधानों के अनुसरण में निम्नलिखित व्यक्तियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन की सोसायटी,

और शासक संघन में तत्काल प्रभाव से सदस्यों के रूप में नामित किया गया है :--

1. श्री भजन सिंह निरंकारी,
जिला दुर्ग, मध्य प्रदेश।
2. श्री शरद गुक्ला,
ग्वालियर, मध्य प्रदेश।
3. श्री बीपक बी० कटोले,
नागपुर, महाराष्ट्र।

अमरजीत कौर,
उप सचिव

पर्यावरण और वन मंत्रालय

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1996

सं० 17011/02/95-आई. एफ. एस.-2--भारतीय वन सेवा में रिक्तियों को भरणे के लिए 1996 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :--

1. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

2. इस परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को जो अन्यथा पात्र हो चार बार परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। यह प्रतिबंध 1984 में हुई परीक्षा से लागू है।

परन्तु यह भी कि अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों के लिए अनुमत अवसरों की संख्या 7 होगी, बशर्ते कि वे अन्यथा रूप से पात्र हों।

परन्तु उम्मीदवारों की संख्या से सम्बद्ध यह प्रतिबंध अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अन्यथा पात्र उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा।

टिप्पणी 1 : यदि उम्मीदवार परीक्षा के किसी एक या अधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता है तो वह सम्भव लिया जाएगा कि उसने एक अवसर प्राप्त कर लिया है।

टिप्पणी 2 : अयोग्यता उम्मीदवारों को खूद होने के बावजूद उम्मीदवार की परीक्षा में उपस्थिति का साथ एक प्रयास गिना जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) ऐसा हिन्दू धर्माधीन हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) ऐसा भारतीय मूल का व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कम्बोडिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जैरे, इथियोपिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों और गिनीतनाम से भारत आया हो।

परन्तु उपरोक्त (क), (ख), (ग) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवार को भी उत्तर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है कि उसको गिरफ्तार प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आय पहली जलाई, 1996 को 21 वर्ष की हो गई है, किन्तु 28 वर्ष से कम हो, अर्थात् उम्र कम से कम 2 जलाई, 1968 को होने और पहली जलाई 1975 के बाद नहीं होना हो।

(ख) उम्मीदवार उम्मीदवारों के निम्नलिखित शर्तों में से एक हो जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (2) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो प्रत्यक्ष भारत का व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 को बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवेश कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और किसी भी देश से 15 मई, 1990 को बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवेश कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 को बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले प्रवेश कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (4) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जन-वरी 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य के कश्मीर डिवीजन में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक।
- (5) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जन-वरी 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान जम्मू तथा कश्मीर राज्य के कश्मीर डिवीजन में अधिवास किया हो, अधिकतम 10 वर्ष तक।
- (6) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में जिनमें से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलक हुए हों।
- (7) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हों तथा किसी अन्य देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलक हुए हों।

8. निम्न भर्त्सक सैनिक और कमीशन प्राप्त अधिकारियों/आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित ने पहली जलाई, 1996 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कक्षा या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें से भी सम्मिलित है जिनका कार्यकाल पहली जलाई, 1996 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है), (2) या सैनिक सेवा में बर्खास्त शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामलों में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।

9. भर्त्सक सैनिक कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों जिन्होंने पहली जलाई, 1996 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कक्षा या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें से भी सम्मिलित है जिनका कार्यकाल पहली जलाई, 1996 में एक वर्ष के

अन्तर पूरा होता है), (2) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष ।

10. आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जुलाई, 1996 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरा कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जिन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख के तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ।

11. अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जुलाई, 1996 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरा कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जिन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा अधिकतम 10 वर्ष ।

(12) अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जो उन पर लागू होने वाले आरक्षण के पात्र हैं, अधिकतम 3 वर्ष तक ।

टिप्पणी 1 : शब्द 'भूतपूर्व सैनिक' उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवाओं और पदों में पुनः राजगार नियम 1979 के अंतर्गत परिभाषित किया गया है) ।

टिप्पणी 2 : ऐसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात् सिविल साइड में कोई सरकारी नौकरी पहले से ही ली है के नियम 5(ख) (2) से (11) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं ।

तथापि, ऐसे भूतपूर्व सैनिकों को, जो केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत किसी सिविल पद पर पहले ही नियमित रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, केन्द्र सरकार के अंतर्गत किसी उच्च पद या सेवा में किसी अन्य रोजगार के लिए भूतपूर्व सैनिकों को यथा-स्वीकार्य आयु छूट के लाभ की अनुमति दी जाती है ।

टिप्पणी 3 : अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 5 (ख) के किन्हीं अन्य खंडों अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के कश्मीर डिवीजन में अधिवास करने वाले व्यक्तियों तथा कुवैत और इराक आदि देश से

प्रत्यावर्तित व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, दाना श्रेणियों के अंतर्गत वां जान धाला सचयी आयु सीमा-छूट प्राप्त कराने के पात्र होंगे ।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी ।

6. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय से या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के खंड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में माना गई किसी अन्य शिक्षा संस्था से प्राप्त वनस्पत विज्ञान, रसायन विज्ञान, भू-विज्ञान, गणित, भाषा, सांख्यिकी और प्राणि-विज्ञान में एक विषय के साथ स्नातक डिग्री अथवा हानों चाहिए अथवा कृषि विज्ञान वाणिज्य या इंजीनियरी के स्नातक डिग्री हानी चाहिए ।

टिप्पणी 1 : ऐसे उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हैं जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने के पात्र बनते हैं लेकिन जिनके परीक्षाफल की सूचना उन्हें नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेज सकते हैं । यदि कोई उम्मीदवार किसी अर्हक परीक्षा में बैठ रहे हों तो वह भी आवेदन-पत्र दे सकते हैं । ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा लेकिन उनके प्रवेश का अनन्तम समझा जाएगा तथा अर्हक परीक्षा को पास करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जाएगा । उक्त प्रमाण: परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अहता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को विस्तृत आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करना होगा ।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहताओं में से कोई भी अहता न हो बशर्त कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिनके स्तर का देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश होने के लिए आवेदन करना उचित समझे ।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी ।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई ह्रासयत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की ह्रासयत से कार्य कर रहे या जो लोक उद्यमों के अंतर्गत सेवा कर रहे हैं उन्हें परिवर्तन (अण्डर-ट्रैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने

कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों का ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता के उनके उच्च परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बंध अनुरोध करते हुए कोई पत्र मिलता है तो उसका आवेदन-प्रपत्र अम्योक्त कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र को स्वीकार करने तथा उसकी पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा में प्रवेश पान के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं। परीक्षा के उस सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग से उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षा, में उनका प्रवेश पूर्णतः अंतिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करना पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षा के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी पाया गया हो या दोषी घोषित कर दिया गया हो कि उसने :—

(1) निर्धारित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करना, अर्थात् :—

(क) गैर कानूनी रूप से परिचायन की प्रशिक्षण करना, या

(ख) दबाव डालना, या

(ग) परीक्षा आयोजित करने में संबंधित किसी भी व्यक्ति का ब्लैकमेल करना, अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को दिखाया गया है, अथवा

(5) गलत या झूठे दस्तावेज दिए हैं या किसी गलतपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग करना, अर्थात् :—

(क) गलत तरीके से प्रश्न-पत्र की प्रति प्राप्त करना,

(ख) परीक्षा में सम्बंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना;

(ग) परीक्षकों का प्रभावित करना; या

(7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाने हैं; अथवा

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर अमंगल बातें लिखना या भ्रष्ट रेषाचित्र बनाना, अथवा

(9) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, जिनमें उत्तर पुस्तिकाओं का फाड़ना, परीक्षा देने वालों का परीक्षा का दुरुपचार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसी ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है, अथवा

(10) परीक्षा केंद्रों के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य किसी प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(11) परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार को जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन, या

(12) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी काम को करने या कराने के लिए उकसाने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है, उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए, अयोग्य ठहराया जा सकता है, और/अथवा

(ख) उच्च अस्थायी रूप से अथवा एक विनिर्दिष्ट अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने किसी भी लोकरी में अधार्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले में ही सेवा में हो तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह कि इस नियम के अधीन कोई व्यक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा प्राप्त समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय में निर्णयित करे तो उसे आयोग व्यावसायिक परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनिश्चित जातियों, अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते तो आयोग द्वारा स्तर में डोल देकर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13 (1) परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर रण्यताक्रम से उनकी सूची बगाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त कराने के लिए अन्वेषण की जाएगी। वे नियुक्तियाँ जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है, उसको देखकर होंगी।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के जो उम्मीदवार अन्य समुदायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उपनियम में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चुने जाते हैं उनका समायोजन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किम रूप में और किम प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15 परीक्षा में पास हो जाने पर नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार की आवश्यक जांच

के बाद संतुष्टि न हो जाए कि उम्मीदवार शरीर तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

16. जो उम्मीदवार लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करते हैं उन्हें विस्तृत आवेदन में यह स्पष्ट करना होगा कि भारतीय वन सेवा में नियुक्त किए जाने की स्थिति में क्या वह अपने सम्बन्धित राज्य में नियुक्त किया जाना पसन्द करेंगे।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे यह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति अधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरों की परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह बताया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की डाक्टरों की परीक्षा कराई जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिए चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

नोट :—कहीं निराश न होना पड़े, इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदनपत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरों जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व अधिकारियों से निवृत्तों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

पुरुष उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलने की और महिला उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे में 14 किलोमीटर चलने की स्वास्थ्य के दृष्टि से क्षमता की शर्त की ओर विशेषतः ध्यान आकर्षित किया जाता है।

18. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री

- (क) जिसने किसी ऐसे स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवन पति/पत्नी हो, या
- (ख) जिसकी पत्नी/पति जीवित होते हुए उगायें किम स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो।

उक्त सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से मन्तव्य हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा किम स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो उन पर लागू व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा किया जा सकता हो और ऐसा करने के अन्य आधार हों तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती से पहले ही हिंदी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवार को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

20. इस पृष्ठिका के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

ए. के. गोखले
निदेशक

परिशिष्ट—1

खण्ड—1

परीक्षा की व्यवस्था

भारतीय वन सेवा के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

(क) लिखित परीक्षा :—

(1) दो अनिवार्य विषय अर्थात् सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान (नीचे खण्ड-2 देखें)

पूर्णांक : 300

(2) निम्नलिखित खण्ड-2 में दिए गए वैकल्पिक विषयों में से चुने गए विषय उम्मीदवार उनमें से कोई दो विषय ले। (खण्ड 2 के नीचे दी गई वैकल्पिक विषयों के चयन पर प्रतिबन्ध से संबंधित शर्तों को भी देखें)।

पूर्णांक : 400

(ख) ऐसे उम्मीदवारों का, जो आशोक द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाए जाएंगे, व्यक्तिगत परीक्षण होने साक्षात्कार। (इस परिशिष्ट का खण्ड 3 देखें)।

पूर्णांक : 150

खण्ड—2

परीक्षा के विषय

(क) अनिवार्य विषय :

विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक
(1) सामान्य अंग्रेजी	21	150
(2) सामान्य ज्ञान	22	150

(ख) वैकल्पिक विषय :

विषय	कोड संख्या	पूर्णांक
कृषि विज्ञान	01	200
वनस्पति विज्ञान	02	200
रसायन विज्ञान	03	200
सिविल इंजीनियरी	04	200
भू-विज्ञान	05	200
कृषि इंजीनियरी	06	200
रसायन इंजीनियरी	07	200
गणित	09	200
यांत्रिक इंजीनियरी	10	200
भौतिकी	11	200
प्राणि विज्ञान	13	200
सांख्यिकी	14	200
वाणिज्य	15	200

किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषयों को एक साथ एक ही अनुमति नहीं दी जाएगी :—

(क) कृषि विज्ञान (कोड संख्या 01) और कृषि इंजीनियरी (कोड संख्या 06)

(ख) रसायन विज्ञान (कोड संख्या 03) और रसायन इंजीनियरी (कोड संख्या 07)

(ग) गणित (कोड संख्या 09) और सांख्यिकी (कोड संख्या 14)

नोट : उपर लिखे विषयों के स्तर और पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं।

सामान्य

- परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्नपत्र परम्परागत (निबंध शैली) के होंगे।
- सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे। प्रश्नपत्र कदापि अंग्रेजी में ही होंगे।
- उपर उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 3 घण्टे का समय दिया जाएगा।
- उम्मीदवार को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं होगी।
- आद्य अपर निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालीफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्वधा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।
7. मात्र सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।
8. परीक्षा के सभी विषयों में उस बात का श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हो।
9. प्रश्न-पत्र में आवश्यक होने पर केवल प्रश्नों में तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे।
10. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।
11. उम्मीदवारों को बैररी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उसका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

खण्ड—3

व्यक्तिगत परीक्षण

उम्मीदवारों का साक्षात्कार समीक्षा और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सहित उम्मीदवार का सर्वोत्तम जीवन-वृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि उस सेवा के लिए उम्मीदवार इच्छा से उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल लिखाधारण के विशेष विषयों में ही सक्षम-बल के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा नागरिक विचार-धाराओं और उन सब चीजों में रुचि लें जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

2. साक्षात्कार महज विरह की प्रक्रिया नहीं है, अपितु स्वाभाविक, प्रयोजनपूर्ण वार्तालापी प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और सम्बन्धों को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है, बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक चरण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संरचना की रोशनी, चारित्रिक, ईमानदारी, नेतृत्व की पद्धत और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

अनुसूची

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान या इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है। अन्य विषयों में पत्र-पत्रों का स्तर लगभग भारतीय विश्वविद्यालयों की स्नातक उपाधि (पास) के समान होगा।

किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं ली जाएगी।

सामान्य अंग्रेजी (कोड 21)

उम्मीदवारों को एक विभाग पर अंग्रेजी में निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके, संक्षेपण अथवा सार-लेखन के लिए सामान्यतः गद्यांश दिए जाएंगे।

सामान्य ज्ञान (कोड 22)

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा दीर्घक अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न-पत्र में देश की राजनीतिक प्रणाली सहित भारतीय राज्य व्यवस्था और भारत का संविधान, भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही जाना चाहिए।

कृषि विज्ञान (कोड 01)

उम्मीदवारों को नीचे खण्ड (क) और (ख) या खण्ड (क) और (ग) में दिए हुए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(क) कृषि अर्थशास्त्र

कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ तथा क्षेत्र, अध्ययन का महत्त्व तथा अन्य विज्ञानों से संबंध, भारतीय अर्थ व्यवस्था में कृषि का महत्त्व, राष्ट्रीय आय में उसकी दत्त, अन्य देशों से तुलना, भारतीय कृषि उत्पादन, निष्पन्न, श्रम, उधार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का अध्ययन।

फार्म प्रबंध के अध्ययन के तरीके, इसका अर्थ तथा क्षेत्र, अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से संबंध, फार्म प्रबंध की अवधारणाएं और मूल सिद्धांत, फार्म के निर्धारण के प्रकार और तरीके, भूमि, जल, श्रम और उपकरण के लाभकारी प्रयोग का आयोजन, फार्म की क्षमता को मापने के तरीके, फार्म के हिसाब-किताब के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अभिलेख तथा लेख, विस्तार लेखाविधि, उत्पन्न लेख-विधि तथा पूर्ण लागत लेखाविधि।

(ख) सस्य-विज्ञान

फसल उत्पादन—सरीसों की फसलों—धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, गन्ना, कपास, सब्जियाँ, मूंग, उड़द का विस्तृत अध्ययन जो फसल चयन, वितरण, बीज डालने योग्य भूमि तैयार करने, सुधरी क्रिम, बुवाई तथा बीजों के मिश्रण की मात्रा, कटाई, भण्डारण, फसलों के भौतिक निवेश के संबंध में हों।

गन्नी की महत्वपूर्ण फसलों—गेहूँ, जौ, चना, मसूर, ईल, तम्बाकू, धारमी का विस्तृत अध्ययन जो उनके उद्गम इतिहास, बीज, भूमि तथा जलवायु की आवश्यकताएं, बीज की क्यारियाँ

की तैयारी, सुधर्मी प्रकार की किस्में/बोना और बीज की मिश्रण, कटाई, भण्डार में रखने, फसलों के भौतिक निवेश के संदर्भ में हैं।

घास-पात और घास-पात नियंत्रण—घास-पात का धर्मीकरण, भारत की प्रमुख घास-पात के प्राकृतिक घास तथा विशेषताएं घास-पात के कुप्रभाव तथा उसके द्वारा पहुंचाई जाने वाली हानियां, घास-पात के बोने की प्रमुख एजेंसियां और घास-पात पर संवर्धन, भौतिक और रसायनिक नियंत्रण।

सिंचाई और जल निकास के सिद्धान्त—सिंचाई जल की आवश्यकता और स्रोत, फसलों को जल की आवश्यकता की धर्मी, साधारण जल की लिपट, जल, मान, सिंचाई के जल की धर्मी जाने से रोकना, सिंचाई के तरीके और ढंग, प्रत्येक ढंग के लाभ और सीमाएं। सिंचाई के जल का मापन, पृथ्वी की नमी, पृथ्वी की नमी के विभिन्न प्रकार और उनका महत्व, जल निकासी और इसकी आवश्यकता, जल की अधिकता के कारण क्षति पहुंचना, जल निकासी के ढंग।

(ग) मृदा-विज्ञान और मृदा संरक्षण

मृदा (सोयल) की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, मृदा, प्रोफाइल मृदा खनिज कोलाइड्स, घनायक विनियमन, आधार संतुष्टि प्रतिशत आसन विनियमन, पौधे की दृढ़ता के लिए आवश्यक पोषक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पौधे के धर्मीकरण में उनका कार्य, मृदा जैव पदार्थ, इसका गलना और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव एसिड और क्षारीय, मिट्टी, उनकी बनावट और भूमि उद्धार, भूमिगतों पर कार्बनिक खादों, हरी खादों और उर्वरकों का प्रभाव, साधारण साइटोजनी, फास्फाटिक और पोटेशीय उर्वरकों के गुण।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रचना, भूमि रन्ध्रांतर, भूमि संरचना, भूमि जल, भूमि जल के प्रकार, इसके रुकने की क्रिया, भूमि जल का सुलभ होना तथा भूमि जल की गाय, भूमि का तापमान, भूमि, दायु तथा इसका महत्व, भूमि संरचना इसके प्रकार तथा भूमि के भौतिक रसायनिक गुणों पर उनका प्रभाव।

भूमि आकारिकी और भूमि का सर्वेक्षण—भूमि का टूटना, मृदा बनाने वाली चट्टानों और खनिज, मृदा बनाने में उनका योग्य महत्व, चट्टानों तथा खनिजों का अपक्षय, मृदा बनाने के कारक और प्रक्रम, संसार के बड़े मृदा समूह तथा उनका कृषि सम्बन्धी महत्व।

भारतीय मृदों का अध्ययन। मृदा का सर्वेक्षण तथा धर्मीकरण।

भूमि संरक्षण के सिद्धान्त—मृदा के अपरधन, अपरधन के धर्मीकरण, भूमि संरक्षण, शास्त्र तथा इंजीनियरी तरीकों से संबंधित मृदा के गुण, कृषि भूमि के लिए भूमि से जल निकास

की आवश्यकताएं तथा प्राचलित तरीके, भूमि प्रयोग का धर्मीकरण, भूमि संरक्षण, योजना तथा कार्यक्रम।

वनस्पति विज्ञान (कोड 02)

1. पादप जगत का सर्वेक्षण—पक्षों तथा पादपों में अन्तर जीवित प्राणियों के गुण: एक सैल तथा अधिक सैल वाले प्राणी में बाहरस पादप जगत के विभाजन का आधार।

(2) अधिक सैल वाले पादप-संवहनी और संवहनी बनावट तथा अंग, सैलों का विभाजन तथा गुणन।

(2) अधिक सैल वाले पादप-संवहनी और संवहनी रहित पादपों के तनों में विभिन्नता, संवहनी पादपों की बाहरी तथा भीतरी आकारिकी।

3. जीवन वृत्त—नीचे दिए गए पादपों में कम से कम एक प्रकार के पादप का अध्ययन-जीवाणु साहना-फाईसी, क्लोरोफाईसी, फियोफाईसी रोडोफाईसी, फाइकोमैथीइड्स, एसकोमीसाइट्स, देसीडोइया, मीसाइट्स दिवाइटोस, काइया, टैरिडो गैफाइट्स, जिमनोस्पर्म और एंजीयोस्पर्म।

4. धर्मीकरण—धर्मीकरण के सिद्धान्त—एंजीयोस्पर्म के धर्मीकरण के प्रमुख ढंग: निम्नीयित प्रजातियों के भिन्न भिन्न लक्षण तथा आर्थिक महत्व-प्रेमिनिया, साइटीमिनिए, पार्सेसिए, लिलीएसाइ, गारजो-उसीआइ मोरासीआए, लोरान्वासियाए, पगमी-शियासाआए। लोराइसी, क्रसीफेरिए, रोमासीइए, एगेमाताइड, क्लोसीज, मालबासीए, यकारि-नियासई, एनाकाडिएसाई, मालबासीए अपोमी-नेसेई एस्लेडीसेई, डिप्टेरोकारपेसई, मिरदसीई, अम्बसी करेलागिएडई, सोलपोइसी, खियासिए, कुर्याइटोसाई वरचनागई और कम्पोजिटोई।

5. पादप-शरीर-क्रिया-विज्ञान—स्वपोषण, पर पोषण, जल तथा पोषकों के भीतर लेना, वाष्पोत्सर्जन, फोटोसिन्थेसिस खनिज पोषण, प्रयसन, वृद्धि पुनर्जन्म, पादप/पक्ष संबंध सिन्थेसिस, पर-जीवित, एंजाइम, आरक्सीस, हार्मोन, फोटो-पेरियोडिज्म।

6. पादप रोग विज्ञान—पादप रोगों के कारण तथा उपचार, गेरी अंग, वाइरस हीनताजन्य रोग से अभाव।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान—भारतीय पेड़-पौधों तथा भारतीय वनस्पति क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में परिस्थिति तथा पादप भूगोल से सम्बंधित वृन्धायी सिद्धान्त।

8. सामान्य जीव विज्ञान—कोशिका विज्ञान, आनु-वंशिकी, पादप प्रजनन, मंडलवायुसंकर जोष, उत्परिवर्तन, विकास।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—मानव कल्याण की दृष्टि से पादों विशेषकर पुष्प पादों के आर्थिक प्रयोगों को विशेषतया इन वनस्पति उत्पादों के संदर्भ में हैं, खाद्यान्न दाल, फल, चीनी तथा स्टार्च, तिलहन मसाले, पेय सन्तुलकड़ी, रबड़ दवाइयों और आवश्यक तेल ।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान से सम्बन्धित ज्ञान के विकास की जानकारी ।

रसायन विज्ञान (कोड 03)

1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास आक-बाउंड सिद्धांत, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण । परमाणु क्रमांक संक्रमण तत्व और उसके संक्षेप, परमाणु और आणविक श्रिज्याएं आणविक विभजन । इलेक्ट्रॉन घनत्व और विद्युत-ऋणात्मकता ।

प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनार्थकता । अभिक्रिया विघटन और संलयन ।

संयोजकता का इलेक्ट्रॉनिक सिद्धांत, रिश्ता और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार सहसंयोजी बन्धन की संकरण और विरक्त प्रकृति ।

बारनेर का सामान्य मिश्रण सिद्धांत; उपनिष्ठ धातुकर्म तथा विशलेषी प्रचालनों में निहित सम्मिश्रणों का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास ।

आक्सीकरण स्थितियां और आक्सीकरण संख्या । सामान्य उपचार्क तथा अपचार्क आक्सीकरण । आयनिक समीकरण ।

ल्यूइस और ब्रस्टेड के अम्ल और क्षार सिद्धांत । सामान्य तत्वों का रासायनिक विज्ञान और उनके आमिश्र जिनकी विशेष रूप से आणविक संरचना की दृष्टि से अभिक्रिया की गई है । निष्कर्षण व. धातु महत्वपूर्ण तत्वों का विद्योवन (और धातुकी) ।

हाइड्रोजनपेरॉक्साइड की संरचना डाइबोरेन, एल्यूमिनबॉम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण आक्सीएसिड ।

अक्रिय गैस : विद्योवन तथा रसायन ।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धांत ।

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम हाइड्रॉक्साइड, अमोनिया, साइट्रिक अम्ल, गन्धक अम्ल, सीमेंट, ग्लास और कृत्रिम उर्वरकों के निर्माण की रूपरेखा ।

2. कार्बनिक रसायन विज्ञान

सहसंयोजी आबंधन की आधुनिक संकल्पनाएं, इलेक्ट्रॉन, विस्थापन प्रेरणक बलकारी और अति संयुग्मन प्रभाव । अनुनाद और कार्बनिक रसायन में उसके अनुप्रयोग । विद्योवन क्रियाएं (डिहाइड्रेशन कांस्ट्रिक्ट) पर संरचना का प्रभाव ।

एल्केन, एल्कीन और एल्काइन, कार्बनिक मिश्रण के संश्लेषण के रूप में पेट्रोलियम, एसिफैटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न एल्कोहल, एल्डिहाइड्स, कीटोन, अम्ल, हैलाइड एस्टर, ईथर, अम्ल एनहाइड्राइड्स बनोराइड और अमिड, एथर-कीय हाइड्राक्सी कीटोनिक और एमीनो अम्ल, कार्बोहायड्रेट मिश्रण और एसिडोएसिटिक एस्टर, टार्टरिक सिद्रक, मल्लिक और फुमरिक अम्ल । कार्बोहाइड्रेट, वर्गीकरण और सामान्य अभिक्रिया ग्लूकोस फल शर्करा और इधु शर्करा ।

शुद्धि रसायन - प्रकाशकीय और ज्यामितीय समावयता । संरूपण की संकल्पना । बीजीय और इसके साधारण व्युत्पन्न टोल्म्युम, आइनिन, फीनॉल, हैलाइड, नाइट्रो ।

और एमीनो मिश्रण । बेंजीडिक सैलिसिक सिनोमिक मेटिलिक और सल्फोनिक अम्ल । एरोमेटिक एल्डिहाइड और कीटोन डाइएथी, एथी और डाइएथी मिश्रण । एरोमेटिक प्रतिस्थापन । नैपथीन पिरिडीन और क्यूनोलीन ।

3. भौतिक रसायन

गैसों और गैस नियमों का गणितीय सिद्धांत । मैक्सवेल का वेग वितरण नियम । बेंडरबाल का समीकरण । संगत अवस्था का नियम । गैसों का द्रवण । गैसों की विशेष उष्मा । सी.पी./सी.वी. का अनुपात ।

उष्मागतिकी : उष्मागतिकी का पहला नियम, समतापी और रुद्धोष्म प्रसार । पूर्ण उष्मा । उष्मा धारिता । उष्मरसायन-अभिक्रिया उष्मा विवरण विलयन और दहन । आबंध ऊर्जा की गणना । किरणिक समीकरण । स्वतः प्रवर्धित परिवर्तन का मानदण्ड । उष्मागतिकी का दूसरा नियम । एन्ट्रॉपी भूत ऊर्जा । रासायनिक संतुलन का मानदण्ड ।

बोल पारासरण दाब वाष्प दाब को कम करना, वाष्पहिमांक अवनयन क्षमताओं बढ़ाना । घोल में अणुभार निर्धारण । विलयनों का मंगलन और विलोयन ।

रसायनिक संतुलन । वर्धमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विषमांगी संतुलन । ला-चैत सिद्धांत नियम । रसायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव ।

विद्युत रसायन । फेराडै विद्युत अपघटन नियम विद्युत अपघटन की चालकता में तुल्यांकी चालकता और तनता में उसका परिवर्तन ओस्टवाल्ड तनता नियम, प्रबल विद्युत अपघटकों की असंगति, विलयन गुणफल, अम्लों और क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अपघटन: हाइड्रोजन आयन की सांद्रता, उभय प्रतिरोधन क्रिया (वाफर क्रिया) सूचक सिद्धांत । उत्क्रमणी सेल । मानक हाइड्रोजन और क्लोरीन इलेक्ट्रोड और रेडॉक्स विभव । मानक सेल पी. एच. का निर्धारण । अभिगमनीय पानी का आयनी गुणफल विभव सूचक अनुमान ।

रसायनिक बलगतिकीविज्ञान । अणुसंख्या और अभिक्रिया की कीट । प्रथम कीट की अभिक्रिया और दूसरी कीट की अभिक्रिया । तापमान अभिक्रिया और दूसरी कीट की अभिक्रिया ।

सापेक्षता अभिक्रिया, की कोटि का निर्धारण अपक्रांतिकता तापंक और संक्रियण ऊर्जा अभिक्रिया दरों का संघटक सिद्धांत । संक्रिया संकुल सिद्धांत ।

प्रागस्थान नियम : इसकी शब्दावलिओं की व्याख्या । एक और दो घटक तंत्र का अनुप्रयोग । वितरण नियम । कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और उनका वर्गीकरण कोलाइडी विरचन और गुणों की सामान्य रीति । स्कन्दन । रक्षक क्रिया और स्वर्णीक । अधिशोषण ।

उत्प्रेरण : समांग और विषमांग उत्प्रेरण, विद्युत्क्षत वर्धक प्रकाश रसायन, प्रकाश रसायन के नियम । सरल संख्यात्मक ।

सिगिल इंजीनियरी (कोड 04)

1. भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण तथा सामर्थ्य

भवन निर्माण कार्य-सामग्री-इमारती लकड़ी, पत्थर, ईंट, चूना, टाइल, रेत, सुरखी, में टारि तथा कंकरीट धातु तथा कांच इंजीनियरी प्रोक्टिस में प्रयुक्त होने वाली धातुओं और उसकी गुण ।

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन हाक का सिद्धांत—बेंडिंग, टारसन तथा डाइवेट स्ट्रेस शरीरों के मुड़ने का इलास्टिक सिद्धांत, केन्द्रीय रूप से बेंच पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव बेंडिंग मूमेंट और शिफर फोर्स की आयाम तथा स्थिर और चलचरमान दबाव के अधीन शहतीरों का शिखेप ।

2. भवन निर्माण, जल प्रवाय और सफाई से सम्बंधित इंजीनियरी

निर्माण-ईंट तथा पत्थर की चिनाई-दीवार, फर्श तथा छत, जान, लकड़ी के बरवाजे पर नक्काशी, छमों, बरवाजे, विडिक्रिया तैयार करना । प्लास्टर पार्डिंग पेंट तथा वारनिश आदि से संबंधित अंतिम कार्य । मर्रा यंत्रिकी (सोइल मेकैनिक्स), मर्रा और उससे संबंधित, सैज भारवाहन क्षमता और भवनों तथा निर्माण के बिनयादी डिजाइन बनाने के सिद्धांत ।

भवन निर्माण संबंधी अनुमान तैयार करना-नाप की सिद्धांत इकाइयां, भवनों के लिए उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण मदों की विवरण तैयार करना ।

जल प्रवाय-पानी के साथ विशुद्धता के मानक शुद्ध करने की प्रणालियां, जल प्रवाय के बेंग, पम्प तथा बूस्टर आदि की रूप रेखा तैयार करना ।

सफाई-मन्दी नालियां, लूफान से बहने हुए पानी के लिए और मकानों के लिए अपेक्षित नालियों की आवश्यकताएं जलवायु, मीटिक टैक इन्फि टैक, कचरे को रखने के लिए लाइयां तैयार करना-एक्सीजेंट्स स्नप परीक्षाएं ।

3. सड़क तथा पुल

सर्वाक्षेण तथा संरक्षण (अलाइनमेंट)-राजमार्ग के लिए अपेक्षित सामग्री तथा उनके विनियोग, डिजाइन के सिद्धांत नींव तथा पटरियों की चौड़ाई, कम्बर प्रॉडिण्ट, मंड और सुपर एलिवेशन रिटर्निंग वाल्स । निर्माण-कच्ची सड़कों स्थिर तथा पानी के बने हुए मंकडम सड़क, बिटुमिन्स, तल्लोवाली तथा कंक्रीट सड़क, सड़कों पर नालियां पुल-उनके प्रकार इकनामिकल स्पान, आई. आर. सी. लोडिंग डिजाइनिंग छोटे पुलों के ऊपरी ढांचों के डिजाइन बनाने, पुलों के पाये तथा पीयर तथा क्रूए की नींव के डिजाइन तैयार करने के सिद्धांत तैयार करना ।

सड़कों और नहर के लिए मिट्टी के काम का आकलन ।

4. संरक्षण इंजीनियरी

हस्तात के ढांचे : अनुमत ढांचे, साधारण शहतीरों तथा तैयार किए गए स्तंभ और साधारण छत के ट्रेस और गडरों के डिजाइन तैयार करना, स्तंभों के आधार तथा चारों ओर से बीच से बचाव पड़ने वाले सामर्थ्य के लिए ढांचे बनाना, चिटकनी लगने, रिपट लगने हुए और बेंच किए हुए जोड़ ।

आर. सी. सी. स्ट्रक्चर (ढांचे)-प्रयुक्त सामान का वितरण-अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग आकलन करना । डिजाइन लोड्स के लिए भारतीय मानक संस्थान के मानक/आर. सी. सी. के पदार्थों में अनुमत स्ट्रेस जो जोड़ सीधी बेंडिंग स्ट्रेस के अनुसार है । साधारण रूप से सहारा के साथ लटकते हुए केंस्ट्रीसीवर लट्ठे, बांधों तथा टी शकल के लट्ठे जो फर्श, छतों और लिंटेल् में प्रयुक्त होते हैं-चारों ओर से बचाव सहारने वाले स्तंभ तथा उसकी आधार ।

भू-विज्ञान (कोड-05)

1. सामान्य भू-विज्ञान

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल और आंतरिक भाग, विभिन्न भू-वैज्ञानिक एजेंशियां और स्थलाकृति, अपभय और अपरदन (इरोजन) पर उनका प्रभाव, मर्रा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मर्रा समूह, भारत के भू-भूकंप, उप-भाग, वनस्पति और स्थलाकृति जलामासी, भूकम्प पर्वत प्रटस विरूपण ।

2. संरचनात्मक भू-विज्ञान

आग्नेय, बसवासी और कायान्तरिक चट्टानें, नरि, नरि लम्ब और कलान बलन, भू-श और विश्रम चिन्नास इयासी पर उनका प्रभाव, भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भूमिचित्रण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी ।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान

क्रिस्टल समिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी, (क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल की प्रकृति और समलन) (द्रवनिंग) मूल्यम खनिजों, महत्वपूर्ण खनिज रचना रासायनिक संघटन, भौतिक गुण, प्रकाशिक गुण धर्म, परिवर्तन और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी अध्ययन ।

4. भौतिक भू-विज्ञान

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन, अयस्क निक्षेपों का उद्भव और बगीकरण ।

5. जल विज्ञान

आमंत्र्य व्यवसायी और कमान्तरित चट्टानों तथा उनके उद्भव और बगीकरण का प्रारम्भिक ज्ञान, चट्टानों के सामान्य प्रकारों का अध्ययन ।

6. स्तर क्रम-विज्ञान

स्तर क्रम-विज्ञान के नियम, भूविज्ञान अभिलेखों का अर्थ, वैज्ञानिक और कालानुक्रम उप-विभाजन, भारतीय स्तर क्रमविज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं ।

7. जीवाश्म विज्ञान

जीवाश्म विज्ञान सम्बन्धी आधार सामग्री का विकास से संबंध जोड़ना (जलिल्ल) उनका स्वरूप और उनके परिरक्षण की विधि, प्राणि जीवाश्म और पादप जीवाश्मों की निरूपण आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी ।

कृषि इंजीनियरी (कॉड-08)

1. मृदा तथा जल संरक्षण

मृदा संरक्षण की व्याख्या तथा उसका क्षेत्र, भूभक्षण के प्रकार तथा जल विज्ञान, उसके कारण, जल विज्ञान संबंधी संक्र, वर्षा तथा जलप्रवाह, उन पर प्रभाव डालने वाले तत्व तथो-उनके आकार, स्टेम गाजिंग वर्षा के जल-प्रवाह का मूल्यांकन भूक्षरण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजीनियरी ।

मूसभूत खुले हुए जलमार्गों का बनाना । मृदा संरक्षण संबंधी बाँधों, टरेस, बांध, नालियों तथा घास उगाते हुए पानी के निकास मार्गों का डिजाइन बनाना, बाढ़, नियंत्रण के सिद्धांत । बाढ़ के पानी की निकासी के लिए मार्ग बनाना, फार्म के लिए तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना, नदी के किनारों पर भूक्षरण तथा उसका नियंत्रण, वायु प्रदूषित भूक्षरण तथा उस पर नियंत्रण । जल संवर्ण की संज्ञाभा के सिद्धांत ।

नवी घाटी परियोजनाओं से सम्बन्धित अन्वेषण तथा योजनाओं का तैयार करना ।

2. सिंचाई तथा ड्रेनेज

मृदा, जल पौधों के पारस्परिक संबंध, सिंचाई के सूत तथा प्रकार । लघु सिंचाई परियोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करना, मिट्टी की नमी का पता लगाने की तकनीक ।

जल के उपयोग । फसलों के लिए जल की आवश्यकता । सिंचाई का परिमाण तथा उसका व्यय । रूखों, नालों तथा नालियों द्वारा जल प्रभाव नापने की प्रणाली । सिंचाई प्रणालियों की रूपरेखाएं बनाना । नहरी क्षेत्रों की नालियाँ, पाइप लाइनों हेण्ड गेट्स, डाईवर्जन बाक्स, स्ट्रक्चर तथा रोड क्रॉसिंग के डिजाइन बनाना तथा उनका निर्माण करना । भू-जल प्राप्ति । क्यूओं की द्रव इंजीनियरी क्यूओं के प्रकार, उनके निर्माण तथा उनकी खुदाई की प्रणाली, क्यूओं का विकास, क्यूओं का टेस्ट करना ।

ड्रेनेज-परिभाषा-जलाश्रयों के कारण : ड्रेनेज के ढंग सिंचाई की जाने वाले भूमि में नालियों को बनाना । तल तथा भूमि से नीचे नालियाँ बनाने में डिजाइन तैयार करना ।

3. निर्माण सामग्री; निर्माण सामग्रियों के प्रकार उनके गुण-धर्म

टिम्बर ब्रिक बर्क तथा आर. सी. कांस्ट्रक्शन, शहतीरों, छतों के, जेड तथा स्लैबों के डिजाइन तैयार करना । फार्मस्टेड की योजना बनाना, फार्म हाउसिंग, पशुशाला तथा भंडार के लिए ढांचों का डिजाइन बनाना । ग्रामीण जल प्रदाय तथा सफाई की व्यवस्था ।

4. फार्म विद्युत तथा मशीनरी

भिन्न-भिन्न प्रकार के आंतरिक दहन इंजिन लगाना । आंतरिक दहन इंजिनों का घातानुकूल तथा नियन्त्रण तथा उनमें सेल डालना और उनके लिए दहन की सामग्री उपलब्ध कराना । ट्यूबवेलों, चेसिस ट्रांसमिशन और स्टीयरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकार, प्रारम्भिक तथा माध्यमिक जूताई की लिए कृषि की मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गूडाई के औजार आदि । पौधों के संरक्षण का सामान । फसलों की कटाई, अनाज याहण के औजार, भूमि विकास के लिए मशीनरी, पम्प मशीनरी ।

5. बिजली तथा धातु में बिजली उपलब्ध कराना

विजली तैयार करने तथा उसका वितरण ए.सी. तथा डी.सी. सर्किट ।

धामों में बिजली ऊर्जा के उपयोग, कृषि में प्रयोग होने वाले बिजली के मोटर उनके प्रकार उन्हें चूना उन्हें लगाना तथा उनकी देख-रेख ।

रसायन इंजीनियरी (खंड-07)

5. सामग्री

यें कारक किन्हीं सामान्यिक में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है। धातु और एलाय, बीनी, मिट्टी-प्लास्टिक तथा रबड़, इमारती लकड़ी तथा उनसे बनी चीजें प्लाई वुड लेमिनेट।

नाट्य और बरत फिल्टर प्रसेज आदि के निर्माण के लिए उपस्कर तैयार करना।

6. संगीकरण तथा प्रक्रिया नियंत्रण

वांछित हाइड्रोलिक, यूमेकिक धरमन/आप्टिकल, भूगर्भिक, इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रॉनिक आजार नियंत्रण तथा नियंत्रण के उद्योग आटांमेशन।

गणित (खंड-09)

भाग-क

बीज गणित : समुच्चय (सेट्स)-बीज गणित : संबंध तथा फलन (फंक्शन) फलन का प्रतिरोध, स्थिति फलन, नुत्यता संबंध।

संख्या : पूर्ण संख्या, परिमेय संख्या वास्तविक संख्या (गुणधर्मों के विवरण) सम्मिश्रण संख्या, सम्मिश्रण संख्याओं का बीज गणित।

समूह : उच्च समूह, प्रमाणात्त उच्च समूह, चक्रीय तथा क्रमचय समूह, वागरेज की प्रसंग, आइसोमोर्फिज्म, परिमेय, डगडिज्म की ऑनोमोमोरफिज्म प्रसंग तथा इसके साधारण प्रयोग।

समीकरण के सिद्धांत

बहुपदीय समीकरण, समीकरणों का रूपान्तरण, बहुपदीय समीकरण के मूलों तथा गुणकों के बीच संबंध, विघात तथा चतुर्थात्त समीकरणों के मूल का सममित फलन, मूलों का स्थान निर्धारण तथा मूल निकालने का न्यूटन का सिद्धांत।
आव्यूह (मैट्रिक्स)

आव्यूहों सारणीयों का बीजगणित सारणीयों का साधारण गुण धर्म सारणीयों का गुणनफल, सह खण्डज आव्यूह, आव्यूहों का प्रतिरोधन, आव्यूहों की जाति, रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिए आव्यूहों का प्रयोग (तीन उदात्त संख्याओं में)।

अनभिताएं : गणित तथा ज्यामितीय साध्य, कोशी, स्वार्थ असमता (कैव्य परिमित संख्याओं के लिए)।

द्विविध और त्रिविध की विश्लेषिक ज्यामिति

द्विविध की विश्लेषिक ज्यामिति-सीधी रेखाएं, युग्म सरल रेखाएं वृत्त निकाल, दीर्घवृत्त, परवलय अतिपरवलय (भ्रूयाक्ष के नाम से निर्दिष्ट)। द्विविध अंश के समीकरण का भावक रूप तक वाष्करण। त्रिविध तथा अभिविध।

1. परिवहन की घटनाएं (स्थिर स्थिति के अधीन)

(क) मोमेंटन ट्रांसफर :

1. बहाव के विभिन्न ढग तथा उनके मापकण्ड।
2. वेलोसिटी प्रोफाइल।
3. फिल्ट्रेशन सेडीमेंटेशन सेट्टीफायर।
4. तरल पदार्थों में छेस पदार्थों का बहाव।

(ख) उष्मा स्थानांतरण : उष्मा स्थानांतरण के विभिन्न आइ-मेशन ढग, चपट बेलनाकार, वर्गाकार एक मात्र ढथा मिश्रित शीशों की तहों के लिए गति मापना।

कन्वैक्शन-फैरिड और ग्री कन्वैक्शन में प्रयुक्त विभिन्न आइ-मेशन रहित रूप।

अलग तथा पूर्ण रूप से उष्मा स्थानांतरण निर्धारित करना।

वाष्पीकरण-विश्रिण-स्टेशन, वॉल्यूमन का नियम-एमीसीबिटी तथा एब्जाप्टिविटी ज्यामेट्रिकल शेप कैक्टर भिट्टियों में उष्मा के दवाव का हिमाइ लगाना।

(ग) मिश्रित स्थानांतरण रीशों तथा तरल पदार्थों का विसरण एब्जाप्टेशन (डिफ्यूजन), ह्यूमिडिफिकेशन, डीह्यूमिडिफिकेशन ब्राइंग तथा डिस्टिलेशन। मोमेंटम हीट तथा मास और ट्रांसफर में भंड।

2. उष्मा गतिकी

(क) उष्मा गतिकी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय नियम।

(ख) इन्टरनल एनर्जी-एन्ट्रॉपी एन्थालपी और स्वतंत्र उर्ध्व निर्धारण-राजातीय तथा विजातीय सिद्धांतों के लिए कौमिकल इक्विलिब्रियम कांस्टेंट निर्धारित करना। दहन डिस्टी-लेशन तथा उष्मा स्थानांतरण में उष्मा गतिकी का उपयोग तरल पदार्थों-ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के सिद्धांत तथा मैकेनिज्म।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरी

(1) द्रवगतिकी सजातीय और विजातीय प्रतिक्रियाएं प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रतिक्रियाएं, बैच तथा फिलोजेनिएक्टर तथा उनके डिजाइन।

(2) कैंटीलिस-कैंटीलिसस की चुनाव तैयारी। मैकेनिज्म पर आधारित कैंटीलिसस का प्रिकीनक रूप।

4. ट्रांसफरेंशन

सामग्री विश्लेषण: पाउडरों, रेजिन, उड जाने वाले तथा न उडने वाले पदार्थ, एमल्शन और डिस्पर्सन, पमों कम्प्रेसरों तथा ब्रुलोअर्स मिक्सर्स। द्रव-द्रव, द्रव-ठोस तथा ठोस-ठोस के लिए विभिन्न मिक्सर्स के मिलाने की प्रक्रिया तथा सिद्धांत।

त्रिधिय की विशलेषक ज्यामिति

समतल सीधी रेखाएं तथा गोलक (केवल कर्तीय निदर्शकों) कलन और विभिन्न समीकरण ।

कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण

अवकलन-गणित—सामांतिकी संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सतिस्य और अवकलनीयता मानक फलन का अवकलन उत्तरांतर अवकलन, रोल का प्रमेय । मध्यमान-प्रमेय । मंदलॉरिंग और टेलर सिरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपद-प्रसारण, चरघातों का प्रसारण लघुगुणकीय त्रिकोणमितीय और अनि परवर्णांक फलन । अनेकरीति का एकल चर, फलन का उच्चिष्ट और अल्पिष्ट स्पर्श रेखा अभिलंब अक्षोत्पत्ती अधोलंब अनंतस्थलीय शक्ति (केवल कर्तीय निदर्शकों) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग । एनुवैलप आंशिक अवकलन । समांगी फलनों से संबंधित आयतन प्रमेय ।

समाकलन-गणित इटोब्रेल कैलकुलस

समाकलन की मानक प्रणाली, सतत फलन का निरुद्धि समाकलन की सीमाना परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धांत परिखीक्षण, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण घनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल, संख्यात्मक समाकलन के द्वारा गे सिम्पसन का नियम ।

अनुक्रम और सिरीज का अभिसरण, घन संख्याओं के साथ सिरीज अभिसरण का परीक्षण । अनुपात, मूल और शेष परीक्षण । एकान्तर श्रेणी ।

अवकलन समीकरण—प्रथम कोटि के मानक अवकलन समीकरण का हल निकालना । नियत गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखिक समीकरण का हल निकालना । द्वीद्वा और अक्ष की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग । सरल आदर्श गति, सरल खोलक तथा उसके समाविश ।

भाग-ख

यांत्रिकी (बैकटर पद्धति का उपयोग किया सकता है)

स्थिति विज्ञान—बल का निरूपण, बल समातान्तर चतुर्भुज, बल संयोजन और बल विघोजन और समवालीय तथा गमांगी बलों की साम्यावस्था की स्थिति बल त्रिभुज । जातीय और विजातीय समानान्तर बल । आघर्ष । बलसुरम समतलीय, घनों का साम्यावस्था की सामान्य स्थिति । साधारण तलों के गुरुत्व केन्द्र । घर्षण स्थैतिक घर्षण और सीमान्त घर्षण । घर्षण कोण । रक्ष आनन समतल पर के वजन की साम्यावस्था । सरल स्प्रिंग । साधारण मशीन (उत्तेजक धारपी की निदर्शक पद्धति नियम) कल्पित कार्य (दो आयामों में) ।

रति विज्ञान-शुद्ध गति विज्ञान—कण का चरण, वेग, भ्रम और विस्थापन, आर्धशक्ति वेग । निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा गति न्यूटन के रति संबंधी सिद्धांत । संकेन्द्र कक्ष सरल हार्मोनिक गति (निर्धातु में) गुरुत्वाकर्षण

में गति । आदर्श कार्य और ऊर्जा । रेखिक रुद्धे और ऊर्जा का संरक्षण । एक समान वृत्तीय गति ।

खगोल विज्ञान

गोलीय त्रिकोणमिति—ज्या एवं कोटिज्या फार्मुला । समकोण युक्त गोलीय त्रिकोणों के गुण ।

गोलीय खगोल विज्ञान

खगोलीय गोलक, सम्बन्धित प्रणाली और उसका हान्यतरण दैनिक गति नाक्षत्र समय, सौर समय, माध्य सौर समय और स्थानीय और मानक समय, समय समीकार । सूर्य और नक्षत्रों का उदय और अस्त, क्षितिज नीचे खगोलीय अपवर्तन सांध्य प्रकाश, लम्ब अपेरेण, प्रसारण और विदालन । कंपनर के नियम । गृह कक्षा और साब्ध बिंदु । चन्द्रमा की दृष्टि गति, चन्द्रमा की अवस्थाएं खगोलीय यंत्र-रूपसंस्तर प्रणय यंत्र । सांख्यिकी ।

प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, सचदात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिचलन, घन एवं गणन सिद्धांत, सम्प्रतिबंध प्रायिकता यादृच्छिक चर (विविक्त और अपरिक्त), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याशा ।

मानक वितरण-द्विपद-परिभाषा माध्य और प्रसारण दोषम्य सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग । प्वासो-परिभाषा माध्यम और प्रसारण योज्यता उपनब्ध आकड़ों में प्वासो वंटन का समान-सामान्य सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग उपनब्ध आकड़ों में सामान्य और प्रसमान्य वंटन का समान ।

द्विचर वितरण-सह संबंध, दो चरों का रेखिक सांख्यिकीय, सीधी रेखा का समंजन, परवर्त्यिक और जल धातों की वक्र सह संबंधित गुणांक के गुणक ।

सम्यक् प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण—यादृच्छिक प्रतिदर्श, सांख्यिकी, प्रतिदर्श वितरण और मानक त्रुटि । अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य, टी., काई वर्ग (Chi²) और एक विवरणों का सगुण अनुप्रयोग ।

नोट । उसीद्वारा दो पाठ्य विवरण के भाग "क" में से तीन विवरणों में से नामित: (1) बीज गणित, (2) द्विधिय और त्रिधिय विशलेषक ज्यामिति तथा (3) कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण इत्येक पर, एक-एक प्रश्न का उत्तर, दान अनिवार्य होगा । पाठ्य विवरण के भाग "ख" में से तीन विवरणों में से नामित: (1) यांत्रिकी, (2) खगोल विज्ञान और (3) सांख्यिकी, किसी एक पर काम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना, अनिवार्य होगा ।

मैकेनिकल इंजीनियरी

(कोड-10)

1. पदार्थों की शक्ति

स्ट्रेंज तथा स्ट्रेन-हुक का नियम तथा इलास्टिक कांस्टेंट्स के बीच के संबंध-टार्शन व कंप्रेशन बार्ज तथा तापमान में परिवर्तन के कारण हुए स्ट्रेनज ।

साधारण लघान के लिए सामान्य सहारों के साथ लटकते हुए और कन्टोलीवर बीम्स के बंकन आधूर्ण, अपरूपक बल और विक्षेपण ।

राउन्ड बार्ज में टार्शन-शफ्ट स्प्रिंगों द्वारा बिजली पारोपण ।

सम्मिलित बंकन और सीधे प्रगिबल तथा सम्मिलित व टार्शन के सामान्य मामलों ।

फेल्योर की इलास्टिक थ्योरी-स्ट्रेस कन्सेन्ट्रेशन तथा फ्रैक्चर ।

2. मशीनों और मशीन डिजाइनों का सिद्धान्त : डाफ तथा गणना द्वारा मशीनों में पूर्णों की सापेक्ष वेलोमिटरी

इंजनों के बक्र एफर्ट डायाग्राम-फ्लाइंग-व्हील्स की गति विविधता । गवर्नर्स वेल्ड ड्राइव द्वारा पारंपरिक बिजली जनरल तथा थ्रस्ट वियरिंग बाल तथा रोलर गियरिंग का फ्रिक्शन तथा लुब्रिकेशन फार्मनिंग और वाकिंग डिवाइस के डिजाइन बसना-रिबिट लगाए हुए वेल्ड और बौल्ट किए हुए जॉइंट और फासनिंग के लिए मापाए ।

3. प्रयुक्त ऊष्मा गतिकी

ऊष्मक प्रवाह-वायु पुरिफाइंग तथा निष्कास गैस का विश्लेषण ।

एन्थाल्पी, सुपर हीटिंग तथा इकोनोमाइजर्स-व्हायलर मार्टिंग और सहायक तत्वा-व्हायलर ट्रायल बायस के भौतिक गुण धर्म ।

वाष्प सारणीयां और उनके उपयोग ।

ऊष्मा गतिकी के नियम-गैस नियम गैसों का विस्तार तथा संपीडन वायु संपीडक ।

आदर्श और वास्तविक ईंधन क्रम

तापमान का उपयोग—इन्ट्रापी, ताप-एन्ट्रापी तथा प्रेशर बाल्यूम चार्ट और डायाग्राम ।

साधारण वाष्प और आन्तरिक बहन वाले इंजन । मृच्छक और गुरुक टायगम-मैत्रिक । तापीय वायु मानक और वास्तविक दक्ष-ताप-सामान्य निर्माण-इंजन टायल और ताप संतुलन ।

4. प्रोडक्शन इंजीनियरी

उत्तम मशीन औजार—लेथ, रॉपर, प्लेनर्स डिमिंग मशीनों के प्रचालन सिद्धान्त-मिलिंग मशीन, ग्राइंडिंग मशीनों बिज तथा फिक्सचर बाउ, काटने वाले औजार, औजार सामग्री, औजार ज्यामिति ।

कटिंग फोर्स-अपवर्षी व्हील्स ।

विल्डिंग संघनीयता और विभिन्न विल्डिंग प्रक्रियाओं-वेल्डों का टेस्ट करना ।

फार्मिंग प्रोसेस-धातुओं का मोल्डिंग, कास्टिंग, फॉर्जिंग, तथा ड्राइंग ।

मापिकी-लाइनिंग तथा पृथुल परमाणु-सीमाएँ तथा आशंक स्कू और गियर का परिमाण गणित फिनिश-प्रकाशिकीय गंत्र ।

औद्योगिक इंजीनियरी-इणाली अध्ययन और कार्य मापन गति समय संबंधी तथा कार्य नमूना-कार्य मूल्यंकन, मजदूरी और प्रोत्साहन आयोजन, नियंत्रण, संयंत्र की रूप रंसा ।

5. तरल यांत्रिकी और पन बिजली

बरनोली का समीकरण : मुविंग फ्लेट तथा वेन्सप्रफ और तर-बाहन । अभिकल्पन नियम, प्रयोग और विशिष्ट वक्र समानता के सिद्धान्त, गवर्निंग जलीय संचायक और तीव्र-कोर और निष्ट सर्ज टैंक और स्टोरेज रिजर्वायर्स ।

भौतिकी : (कोड-11)

1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी :

मुविंग और विपाएं, स्कैलर और वेक्टर मात्राएँ, उद्भूत आधूर्ण कार्य ऊर्जा और संवेग यांत्रिकी के मूल सिद्धांत, धूर्ण, गति, गुरुत्वाकर्षण, सरल आवर्त, गति सरल और जसरल लोलक, कंटर लोलक, प्रत्यास्थता-प्लेट लनाब, द्रव्य की श्यानता, रोटररी पंप, मर्कलियाड गेज ।

2. ध्वनि :

अधमयित, प्रणायित और मृक्ष कंपन, तरंग गति टायलर प्रभाव ध्वनि तरंग वंग, किसी गैस में ध्वनि के देशांतर वायु ताप-मान, आर्द्रता का प्रभाव, ऑरियो, छड़ों प्लेटों और गैस स्तम्भों के कंपन, अनुनाद विस्पंद तरंग ध्वनि का आकृति वंग तथा तीव्रता, स्वरग्राम, स्थापत्यकता में ध्वनिकता, परावर्तन के मूल तत्व । शोमोफोन और लाउडस्पीकों के प्रारम्भिक सिद्धान्त ।

3. ऊष्मा और ऊष्मा गति विज्ञान :

तापमान और उसका मापन : तापीय प्रमाण, गैसों में समतापी तथा राउन्डम (एडियाबैटिक) परिवर्तन/विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता, द्रव्य के अणुगति सिद्धान्त के तत्व पोल्टजमैन के वितरण नियम का भौतिक बोध, वाइर थर्मो की अवस्था समीकरण : जौल धाम्यसन प्रभाव : गैसों का द्रवण ऊष्मा इंजन आरनाउ का प्रयोग, ऊष्मा गति विज्ञान के नियम और उनके सन्त उपयोग, कृष्णक विकिरण ।

4. प्रकाश :

ज्यामिति प्रकाशकीय, प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन, प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में दोष और उनका निवारण/नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र प्रकाश का परावर्तन, व्यतिकरण, भ्रमण व्यतिकरण मापी विवर्तन, विवर्तन, डिफ्रैक्शन प्रकाश का प्रवण । स्पेक्ट्रम विज्ञान के तत्व ।

5. विद्युत और चुम्बकत्व :

साधारण मामलों में विद्युत क्षेत्र गीबिता विभव का परिकल्पन, गाउस प्रमेय और उसके सरल अनुप्रयोग; विद्युत मापी, विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा द्रव्य के विद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टीरिसिस चुम्बकीयशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र मूविंग मैग्नेट एण्ड मूविंग क्वायल गैल्वे-नोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिजिक्टिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण धर्म और उनका निर्धारण ताप विद्युत प्रभाव; विद्युत चुम्बकीय प्रेरण-प्रत्यावर्तों धाराओं का उत्पादन, ट्रांसफार्मर और मोटर । इलेक्ट्रॉनिक वाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग ।

घोर के परमाणु सिद्धान्त के तत्व इलेक्ट्रॉनिक, कथोड-रे और एमएन-रे इलेक्ट्रॉनिक चार्ज और द्रव्यमान का मापन ।

प्राणि विज्ञान (कोड-13)

प्राणि जगत को प्रमुख समूहों में वर्गीकरण; विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण ।

रज्जू रहित (नाक-कोडेट) किस्म के निम्नलिखित प्राणियों की बनावट, आदतें और जीवन-वृत्त ।

उमीवा-मलैरिया परजीवी : स्पंज, हाइड्रा, लियरफल्क, फीता कृमि, गोले कृमि, कीचुआ, जोंक, तिलचट्टा, गृह मक्खी, मच्छर, ताजे पानी का समल, ताजे घोंघा, स्टार फिश, (केवल बाह्य लक्षण) ।

कोटों का आर्थिक महत्व, निम्नलिखित कोटों को जीन-पारिस्थितिकी और जीवन-वृत्त ।

दीमक; टिड्डी सत्व की मक्खी और रोषम का कीड़ा । रज्जू का कार्य वर्गीकरण ।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और तलनात्मक शरीर ।

बृकओस्टोमा; स्किलिडो; सेंडक; यूरोमेस्टेक्स या कोइ अन्य छिपकली (डेरमस का अस्थिपंजरी); कबूतर (कवकट का अस्थि-पंजरी); और खरगोश, चूहा या गिलहरी ।

मेंढक और हारगेश के सन्दर्भ में जन्तुकार्य के विभिन्न अंगों के ऊर्जा विज्ञान और शरीर क्रिया की प्रारम्भिक जानकारी अन्तःस्रावी ग्रंथियाँ और उनका कार्य ।

मेंढक और चूरा के विकास का रूप-रखा, स्तन जन्तु का बनावट और कार्य ।

शिकार के सामान्य नियम; शिविधता, आवृत्ति, अन्तःकालन, पुनरावर्तन परिकल्पना, मंडलीय आन्वेषिकता अन्वेषिक जन्तु और वर्गीकृत जन्तु की विधियाँ, अन्तर्गत जनक; पार्थ नौज-निस्स, कार्याकरण, पीढ़ी एकतरण ।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के सन्दर्भ में जन्तुओं का पारिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण । भारत के अन्य प्राणी जिसमें विभिन्न और विषहीन रूप भी शामिल हैं; शिकार पक्षी ।

सांख्यिकी (कोड-14)

टिप्पणी : सभी तीन प्रश्नों में से क, ख और ग प्रत्येक भाग से दो-दो प्रश्न और 'घ' भाग से तीन प्रश्न किए जाने हैं ।

उम्मीदवार के लिए प्रत्येक भाग से कम से कम एक प्रश्न चुनकर पाँच प्रश्नों के उत्तर देने आवश्यक हैं सभी प्रश्नों के अंक सगण्य हैं ।

क. प्रायिकता सिद्धान्त

यादृच्छिक प्रयोग, प्रायिकता की छिर प्रतिष्ठित और अभिगृहीत परिभाषाएँ; घंटा और गुणन प्रमेय; संप्रतिबन्ध प्रायिकता स्वतंत्र अनुयुक्त; बैज का प्रमेय । यादृच्छिक चर; प्रायिकता द्रव्यमान और घनत्व फलन; बंटन फलन; गणितीय प्रत्याशा; आवृत्ति, आवृत्ति जनक फलन ।

द्विपद; प्वासों, ज्यामितीय हाइपर ज्यामितीय गणनात्मक द्विपद; एक समान, प्रामाण्य, बीटा और गामा बंटन ।

प्रासामान्य द्विचर बंटन, संप्रतिबंध और उपांग बंटन । लैवी-शव की असमिका; वृहत संख्याओं का दुर्बल नियम और स्वतंत्र एवं समान रूप से वितरित यादृच्छिक चरों के लिए केन्द्रीय सीमा प्रमेय (केवल कथन एवं अनुप्रयोग) ।

ख. सांख्यिकी विधि

आंकड़ों का संकलन और संक्षेपण, आलेखी और आरेखी निरूपण । केन्द्रीय प्रवृत्ति और इसके माप, सर्वांतर, माध्य, ज्यामितीय माध्य, हार्मोनिक माध्य, गणितिक और बहुलक-इनको आपेक्षिक गुण और दोष । प्रकीर्ण और इनके माप, पथस, अन्तरगतार्थक परिसर, मानक विचलन माध्य निरपेक्ष, विचलन गुणांक इनके गुण धर्म ।

वैषम्य और ककुदता और इनके माप । द्विचर आंकड़ों का संक्षेपण; गुणात्मक आंकड़ों की संगति; गणों का स्वातंत्र्य और सहचर्य के माप ।

सहसंबंध और समाधायन; कोटि सहबंध, अंतर-वर्ग, बहु-संबंध, सहसंबंध अनुपात; केवल सीमा अभिव्यक्तियों के लिए आंशिक और बहु सहसंबंध ।

ग. प्रतिदर्शी बंटन तथा अनुमीति

यादृच्छिक प्रतिदर्श तथा प्रतिदर्शी बंटन की संकल्पना: \bar{X} (काइ) वर्गी F और $1Z$ बंटन ।

परिकल्पनाओं का परीक्षण; दो प्रकार की दृष्टियाँ : सार्थकता तथा स्तर परीक्षण का क्षमता एक सरल विकल्प के प्रति सरल परिकल्पना के परीक्षण हेतु नैमन-पियर्सन का प्रमेय । कठोरतम परीक्षण और एक समाप्त अवततम परीक्षण की संकल्पना ।

प्रसामान्य TX^2 (काई वर्ग) और, बंटनों पर आधारित अनुपात, माध्य, प्रसारण, सह संबंध तथा समाश्रयण गुणकों के लिए परीक्षण । बहुन् प्रतिदर्श परीक्षण । अप्राचीन परीक्षण; बिन्दु परीक्षण; मध्यिका परीक्षण; विल्काकसनमान बिंदु परीक्षण; परस्पर परीक्षण । प्राप्ति का आकलन; मिन्दू तथा अन्तराल आकलन; आकलनों की अनिश्चितता, संगीत वक्षता तथा पर्याप्तता, अधिकतम संभावितता तथा आघूर्णों की विधियाँ; उनके गुण-दोष (केवल कथन) ।

(घ) अनुप्रयुक्त सांख्यिकी

प्रतिदर्श बनाम पूर्ण गणन यादृच्छिक; प्रतिस्थापन रहित तथा प्रतिस्थापन सहित प्रतिचयन, यादृच्छिक संख्याओं का प्रयोग ।

स्तरित प्रतिचयन : नियतन की समस्याएँ, क्रमबद्ध प्रतिचयन : गुच्छ प्रतिचयन तथा प्राथमिक चरण एककों के लिए दो चरण प्रतिचयन । आकलन की अनुपात तथा समाश्रयण विधियाँ । अप्रतिचयन दृष्टि, परस्परवैधी उप प्रतिदर्श । प्रयोग की अभिव्यक्तियों अज्ञानिक प्रायोगिक नियम यादृच्छिकीकरण, पुनरावृत्ति और स्थानीय नियंत्रण; पूर्णतया यादृच्छिकता, यादृच्छिकीकृत खण्ड और लैटिन वर्ग अभिकल्प अप्राप्त क्षेत्रक प्रविधि ।

काल श्रेणी विश्लेषण :—काल श्रेणियों के घटक; प्रवृत्ति मौसम विचरण तथा यादृच्छिक उच्चवचन के माप ।

सांख्यिकीय गणना नियंत्रण : विचरण के कारण : नियंत्रण और विनिर्देश सीमाएँ RX^2 (सिगमा), P तथा C चाटों की रचना और उपयोग एकल तथा द्वि प्रतिचयन स्वीकारण योजनाएँ ।

सूचकांक : मूल्य तथा राशि सूचकांकों की परिभाषा, रचना और उपयोग । लेव्यरे, पास्के । मार्शल-एडवर्थ तथा फिशर के सूचकांक; सूचकांकों के लिए परीक्षण । निर्वाह सूचकांक की रचना ।

बानिकी (कांड-15)

उम्मीदवारों को नीचे दिए गए भाग क और ख अथवा भाग क और ग में से प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

भाग क में छः प्रश्न और भाग ख तथा ग में 5-5 प्रश्न होंगे । उम्मीदवार 'क' भाग में से कम-से-कम तीन और अधिक-से-अधिक चार प्रश्न, भाग 'ख' अथवा 'ग' किसी में से कम-से-अधिक दो और अधिक-से-अधिक तीन प्रश्न कर सकते हैं ।

भाग—क

1. वनवर्धन

वनवर्धन संबंधी सामान्य नियम : जनसंख्या पर प्रभाव । जलन वृद्धि कारक प्राकृतिक तथा क्रियात्मक कारक : वनों का प्राकृतिक

तथा कृत्रिम पुनरुत्पादन : रांपणी विधियाँ, बीज प्रौद्योगिकी संग्रह, भण्डारण, पुर्न उपचार तथा अंकुरण स्थापना और परिपालन ।

2. वन वर्धन पद्धतियाँ : निष्कोष पातन, एक समान, रक्षी-वितान, धरण, स्थूणज तथा रूपान्तरण पद्धतियाँ, भारत की आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कुछ प्रजातियाँ जैसे सिडरम टओबरा (देवदार), पाइनस राक्स बर्गि (चीड़), खैर, जकीसया प्रजातियाँ, केजरीना, एक्सीटिफोलिया, डलवर्जिया प्रजातियाँ, आर्टोकार्पस प्रजातियाँ, एनोगाइसस प्रजातियाँ, बांस प्रजातियाँ, केजरीना एक्सीटिफोलिया, डलवर्जिया प्रजातियाँ (शैलम प्रजातियाँ), डिप्टेरोकार्पस प्रजातियाँ, यूकेलेप्टस प्रजातियाँ, मैलाइना आयोरिया (गमहर), नेगरस्टामिया प्रजातियाँ, सलाला मालाविरिका (संभल), शेरिया, रावस्टा (साल), टेक्टोना स्निडस (सागोन), टमिनालिया प्रजातियाँ, पापलस प्रजातियों का वनवर्धन ।

सामाजिक बानिकी—उद्देश्य, क्षेत्र, आवश्यकता, कृषि बानिकी, प्रसार बानिकी, मनोरंजन बानिकी, जन-सह-भागीदारी ।

2. वन विस्तार-कलन और प्रबंध

मापन की विधियाँ, वृक्षों का व्यास, गोलाई, ऊँचाई तथा आयतन, आकार गणना, खंड का आयतन आकलन, प्रतिदर्शी विधि, उत्पादन गणना, साल वार्षिक वृद्धि, माध्य वार्षिक वृद्धि, प्रतिदर्श प्लॉट, प्राप्ति तथा खंड सारणी, वन तासिका का कार्यक्षेत्र तथा उद्देश्य, हवाई सर्वेक्षण तथा सार संवेदन तकनीक ।

वन प्रबंध : उद्देश्य तथा सिद्धान्त तकनीक, सतत प्राप्ति आवर्तन, मानक वन, वन निधि, प्राप्ति का नियमन विधि तथा अनुप्रयोग, कार्य योजना, विवरण तथा नियन्त्रण :

3. वनोपयोग : उत्काष्ठन तथा निष्कर्षण प्रविधियाँ तथा सिद्धान्त, परिवहन, भंडारण तथा बिक्री, लघु वन उपज परिभाषा और क्षेत्र, गोंद लीसा (रेजिन), ओलिओरिजिन, फाइनर (रेश), सेल बीज, नट (डिबरी), खड़ू बेंत, कांस, अम्लीय पादप, नकड़ी का कपेला, मधुवाटिका, रेशमकटि प्रानस, लाल और सल्फ लाल, टस्सर रेशम, कत्था और बीज पत्ते-संज्ञक तथा निपटान ।

काष्ठ प्रायोगिकी : काष्ठ की रचना, भौतिकी और रासायनिक गुणधर्म, दोष तथा अपसामान्यता सम्मिश्रण तथा अन्य काष्ठ उत्पाद, लुगदी, कागज तथा रेतन आरी यन्त्र कण्ट संशोधन और परिरक्षण ।

भाग—ख

1. वनरक्षण

वनों की क्षतियाँ—अजैव और जीवीय, कीड़े, नाशक कीड़े और बीमारियाँ, आग, कीटों, नाशक जीवों और बीमारियों में सामान्य वन रक्षण जैविक और रासायनिक नियन्त्रण ।

2. वन परिस्थिति विज्ञान और वन जीव विज्ञान : वन परिस्थिति विज्ञान को जैवीय और अजैव घटक, वन पारितन्त्र, वन समुदाय की संकल्पना, वनस्पति, संकल्पना, पारिस्थितिक अनुक्रमण और चरम अवस्था, प्राथमिक उत्पादकता, पौधक चक्रण और जल सम्बन्ध, प्रतिफल वातावरण में शरीर क्रिया विज्ञान (जलाभाव जलाक्रान्ति क्षारियता और लवणता), भारत में वन प्रकारों की संयोजना, प्रजाति संयोजना, और सहवास । वृक्ष विज्ञान-वागिकी वर्गीकरण, प्रजातियों की पहचान, वनस्पति संग्रहालय और वनस्पति वाटिका के सिद्धान्त और स्थापना । वृक्ष सुधार के सिद्धान्त और संकल्पन-पद्धतियाँ और प्राविधियाँ-विदेश ।

वन प्राणी परिस्थिति विज्ञान और जीव विज्ञान, प्रबन्ध के सिद्धान्त और प्राविधियाँ, संकटापन प्रजातियाँ वन्य प्राणि संरक्षण ।

भाग-ग

1. वन अर्थशास्त्र, नीतियाँ और विधान

वन अर्थशास्त्र के मूल नियम, लागत, लाभ, निष्पत्ति-भाग और रफ्तार का आकलन, संरचनात्मक बाजार का मूल्यांकन और प्रक्षेपण, सामाजिक वित्त प्रबन्ध की भूमिका, वन उत्पादकता अभिवृद्धि का सामाजिक आर्थिक विश्लेषण ।

वन विकास का इतिहास; 1894 और 1952 की भारतीय वन नीति, कृषि पर राष्ट्रीय आयोग-अनिकी पर रिपोर्ट, परती भूमि विकास बोर्ड का सिद्धान्त, भारत वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् ।

वन कानूनों की आवश्यकता, सामान्य सिद्धान्त, भारतीय वन अधिनियम, 1927, वन संरक्षण अधिनियम, 1980 वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 ।

2. वन सर्वेक्षण और अभियान्त्रिकी

सर्वेक्षण की विभिन्न विधियाँ-बेन (सांकल), प्रज्जीय कम्पास, स्टेडिअस और स्थलाकृति, सर्वेक्षण, क्षेत्र गणना मानचित्र और मानचित्र पठन । वन अभियान्त्रिकी के मूल नियम, भवन सामग्री और संरचना । मार्ग उद्देश्य और वर्गीकरण, सामान्य सिद्धान्त, संरचना, पुल-सामान्य सिद्धान्त, उद्देश्य प्रकार, लकड़ी के पत्तों का सरल अभिकल्प और संरचना ।

3. वन मृदा और मृदा संरक्षण

वन मृदाय, वर्गीकरण, मृदा शैल समूह को प्रभावित करने वाले घटक, भौतिक और रासायनिक गुण धर्म, मृदा संरक्षण-परिभाषाएँ, कटाव के कारण, प्रकार-हवा और जल से कटाव, अपक्षरित क्षेत्रों का संरक्षण और प्रबन्ध, वात-रोध, क्षक पट्टी, बाजू टिब्बों का स्थिरीकरण, क्षारीय, लवणीय, जलाक्रान्त और अन्य परती भूमि का उद्धार ।

जलसम्भरण प्रबन्ध-उद्देश्य और प्राविधियाँ

5-411GE/95

परिशिष्ट-2

(देखिए नियम 20)

भारतीय वन सेवा संबंधी संक्षिप्त न्याये (देखिए नियम 20)

(क) नियुक्तियों परीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि तीन वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा । सफल उम्मीदवारों को परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी ।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यथास्थिति उस स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है जिस पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है या होगा बशतः कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के अन्तर्गत पुनर्ग्रहण अधिकार निलम्बित न कर दिया गया हो ।

(ग) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि को जितना समझे बढ़ा सकती है ।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर की मण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है ।

(ङ) भारतीय वन सेवा में संबद्ध अधिकारी को केंद्रीय सरकार राज्य सरकार के अधीन भारत में कहीं भी या विदेश में सेवा करनी पड़ सकती है ।

(च) वेतनमान :

1. कनिष्ठ वेतनमान : रुपये 2200-75-2800 व. श. 100-4000/-

2. वरिष्ठ वेतनमान :

(1) समय वेतनमान :

रुपये 3000 (पाँचवें छठे वर्ष)-100-3500-125-4500/-

(2) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

रुपये 3700-125-4700-150-5000/-

(3) चयन ग्रेड :

रुपये 4100-125-4850-150-5300/-

3. सुपर ग्राहम स्केल :

(1) वन संरक्षक :

रुपये 4500-150-5700/-

(2) अपर मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक :
रुपये 5900-200-6700/-

4. सुपर टाइम स्कोल से ऊपर के बतैनमान :

प्रिंसिपल वीफ-वन संरक्षक*

छोटे राज्यों में : रु. 7300-100-7600/-

बड़े राज्यों में : रु. 7600/-

*जहाँ ऐसा पद संस्वीकृत हो ।

समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मंहगाई भत्ता अनुव्यय होगा ।

परिवीक्षाधीन अधिकारी की सेवा कनिष्ठ बतैनमान में प्रारम्भ होगी और उसे परिवीक्षा पर विदाई गई अवधि के समय बतैनमान में अवकाश, पेंशन या बतैन वृद्धि के लिए गिनने की अनुमति होगी ।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली 1955 से शासित होते हैं ।

(ज) अवकाश—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (अवकाश) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(झ) डाक्टरी परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत प्राप्त डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है ।

(ञ) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतियोगिता के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मुख्य वन सेवानिवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं ।

परिशिष्ट 3

उम्मीदवारों की प्रायोगिक परीक्षा के बारे में विनियम
(बोर्ड नियम 17)

(अ) विनियम उम्मीदवार की सविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं ।

भारत सरकार स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे निम्नलिखित के बाव दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो ।

2. चलने की परीक्षा—पुरुष उम्मीदवारों को चार घंटे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर और महिला उम्मीदवारों को 4 घंटे में पूर्ण होने वाले 14 किलोमीटर चलने की परीक्षा में सफलता प्राप्त करनी होगी । वन महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा इस परीक्षा की व्यवस्था इस प्रकार की जाएगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड के साथ-साथ हो सके ।

3. (क) भारतीय (एंग्लो-इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए । यदि वजन कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रहना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए । ऐसा करने के दाव ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वास्थ्य अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा ।

(ख) कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता ।

कद	छाती का घेरा (पूरा फुलाकर)	फुलाव
163 सें० मी०	84 सें० मी०	5 से० मी० (पुरुषों के लिए)
150 सें० मी०	79 सें० मी०	5 सें० मी० (महिलाओं के लिए)।

असूचित जनजातियों तथा गोरखों, नेपालियों, असमियों, मेघालय जनजातियों, लद्दाखियों, सिक्किमियों, भूटानियों, कुमाऊनियों, गढ़वालियों, नागाओं तथा अरुणाचल प्रदेश के उम्मीदवारों के मामले में, जिनका औसत कद विशिष्टतया कम होता है, कद में छूट देने के लिए कम से कम निर्धारित मानक निम्नलिखित हैं :—

पुरुष	152.5 सें० मी०
महिला	145.0 सें० मी०

4. उम्मीदवारों का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा : वह अपने जूते उतार देगा और उस मापकण्ड (स्टेण्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उनका वजन सिखाए एडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े । वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिण्डलियां निनाम्ब और कंधे मापकण्ड के साथ लगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटव्स आफ हूड हिडल) नारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे जाए । कद सेंटीमीटर और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा ।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका निम्न प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जूड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीट की छाती के गिद इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे और उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लड) के निम्न कोणों (इनफॉरियर एंगल्स) से लगा रहे और यह फीट की छाती के गिद से जाने पर उसी आड़ समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाए ताकि फीट अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहुरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेटामाटर से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती द्वारा नापने चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलाग्राम में रिकार्ड किया जाएगा आधे किलाग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जाँच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जाँच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को भ्रंशपन या आँखों पलकों अथवा साथ लगती संरचनाओं (कंटीग्युअस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो बार जाँच की जाएगी एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आँख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना (नेकेड आई वीजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनीमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा ये रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

भारतीय वन सेवा एक तकनीकी सेवा है।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आँख (ठीक की हुई आँख)	खराब आँख	अच्छी आँख (ठीक की हुई आँख)	खराब आँख
6/6	6/6	एन 5	एन 5

किस प्रकार का इलाज करने की अनुमति दी गई।

सबसे बड़ा इलाज (आनिर्दिष्ट) “रेडियलकेरोटोमी”।

टिप्पणी :

(1) फण्डस परीक्षा—मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जाँच करनी चाहिए और रीफ्रैक्शन रिकार्ड किया जाना चाहिए, यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

मायोपिया का कुल परिमाण (सिलेण्डर सहित)—8.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) +4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

शर्त यह है कि उम्मीदवार हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशिष्ट बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा, बशर्ते वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएँ पूरी करें।

(2) कलर विजन :—(क) रंगों के संदर्भ में नजर की जाँच आवश्यक होगी।

(ख) नीचे दी हुई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेड में होना चाहिए जो लैटन के स्क्वाक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो :—

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मिलीमीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकेंड

(ग) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इतिहास की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन लैंटर्न जैसी उपयुक्त लैंटर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित संवाओं के लिए लैंटर्न से जांच करना लाजिमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को दोनों में से किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तब दोनों परीक्षण किए जाने चाहिए।

टिप्पणी : भारतीय वन सेवा में नियुक्ति के लिए कलर विजन का निम्नग्रेड पर्याप्त माना जाएगा।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) सभी संवाओं के लिए सम्मुख विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परामपी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतौंधी (नाइट ब्लाइण्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी को जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टैण्डर्ड टेस्ट नहीं है। मॉडकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न की अवस्थाएं (आक्युलर कन्डिशन)

(क) आंख की इस बीमारी को या बढ़ती हुई अणवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना ही अयोग्य का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रैकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो ये आमतौर से योग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेगापन—द्विचनेत्री—(बाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजिमी है। नियत स्टैण्डर्ड की दृष्टि की तीक्ष्णता होने पर भी भेगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की अनुपस्था नहीं की जाती।

(8) रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल, उच्चतम, सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(2) 25 से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान दें—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर और 90 से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय के एक्सरे और इलैक्ट्रो कार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मॉडकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमतः पारं वाले दाब मापी (मर्करी मॅनोमीटर) किसम का उपकरण इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसम के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रंगी बंडा या लंटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भूजा स्थिर हो और आराम से हों। लगभग हारिजेंटल स्थिति में रंगी के पार्श्व पर से कन्ध तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकास कर बीच की खड् को भूजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को काहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़ों की पट्टी को फाँलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूँस कर बाहर न निकले।

काहनी के मोड़ पर प्रगंडू धमनी (ब्रूकिअल आरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है तब इसके ऊपर बीच-बीच स्टैथ-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारं का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर वे साफ और स्पष्ट सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रॉयड

हो जाएं यह डॉपेस्टासिक प्रसार है। ब्लड प्रसार काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ पर लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि बाँवारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, वायु गिरन पर ये गायब हो जाती हैं निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मीडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र का रसायानक जाँच द्वारा शककर का पता चलें तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमह (डायैबिटीज) के सातक चिह्न और लक्षणों का भी विशेष रूप से नाट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज महु (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय अपेक्षित मीडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो यह उम्मीदवार का इस क्षत के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज महु मधुमह (नान-डायैबिटीज) हो और बोर्ड को मीडिकल के किसी ऐसे निर्विष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मीडिकल विशेषज्ञ, स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टॉलरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लीनिक या लैबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मीडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मीडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। बोर्ड के सामने दूसरे अवसर पर उम्मीदवार का स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में कड़ी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जाँच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्थायी घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रीजिस्टर्ड मीडिकल प्रैक्टिशनर से आशेष्यता का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आशेष्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रदर्शन करना चाहिए :—

(क). उम्मीदवार को कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा काम विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्यक्रिया (आपरेशन) या ह्यूपीरिंग-एंड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा

सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है।

- (1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिससे श्रवण तंत्र (ह्यूपीरिंग-एंड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 एच जेड तक की स्पीच व फ्रीक्वेंसी से बहरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।
- (3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र।
 - (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
 - (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
 - (iii) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (4) कान के एक ओर से/ दोनों ओर से मस्टायड केबिटी सबनार्मल श्रवण
 - (1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो दूसरे कान से सबनार्मल श्रवण वाले कान मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।
 - (2) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी। तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी कान की श्रवणता श्रवणतंत्र लगा कर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

- (5) बहने रहने वाला कान आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला । तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (6) नासापट की हड्डी संबंधी विरूपताओं (बोनी डेफॉर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एलजिक दशा । (1) प्रत्येक मामले पर परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा । (2) यदि लक्षणों सहित नासापट स्पष्टम अपसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (7) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र लैरिंग्स की जीर्ण प्रवाहक दशा । (1) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा—योग्य । (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हलके अथवा अपने स्थान पर घातक द्युमर । (1) हलका द्युमर—अस्थायी रूप से अयोग्य । (2) घातक द्युमर—अयोग्य श्रवण तंत्र की सहायता से योग्य ।
- (9) आस्टोकिड रोसिस । आपरेशन के बाव श्रवण 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य ।
- (10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष । (1) यदि काम-काज में बाधक न हो तो—योग्य । (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो—अयोग्य ।
- (11) नेजल पोलो । अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (ख) उम्मीदवार बालने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को कृत्रिम समझा जाएगा) ।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़ा ठीक है या नहीं ।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
- (च) उसे रपचर है या नहीं ।
- (छ) उसे हाइड्रोसेल, बढ़ी हुई वीरकोजेशिया (वेन) या बबासीर है या नहीं ।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।

- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर रहने का पता लगे ।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं ।

12. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नमी रूप से छाती की एक-से परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई दोष मिले तो प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने की चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

सरकारी सेवाओं के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहां कहीं संदेह हो, चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय लिए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है । जैसे किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विषयन (एब-रेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों का चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है । ऐसा प्रमाण उम्मीदवार की प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भंगन की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा, जबकि इससे सम्बन्धित मेडिकल प्रवर्तनानर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका है ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

(1) शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड्स से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित ग्राहश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्त करने वाले प्राधिकारी (अप्वाइंटिंग अथॉरिटी) की यह रासखी नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्त के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को स्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जाती चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लैंडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि किसी उम्मीदवार को सरकारी सेवा में नियुक्त के लिए अयोग्य करार कर दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई है उनका विस्तृत और नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) उपचार ठीक हो सकती है वह मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिपोर्ट किया जाता चाहिए। नियुक्त प्राधिकारी द्वारा उस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति की उपस्थित होने के लिए कहने से संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है। यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दे दिया जाए तो द्वाारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अधि के बाव जब वह द्वाारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों की और आगे की अधि के लिए अयोग्य तौर पर अयोग्य घोषित न करके नियुक्त के लिए उनकी योग्यता

के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है, ऐसा अंतिम रूप में निर्णय दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार के निम्नलिखित अर्पित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

(क) क्या आप अनुसूचित जन जाति या ऐसी जाति जैसे गोरखा, नेपाली, असमिया, मेघालय, आदिवासी, लद्दाखी, सिक्किमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊंजी, नागा और अरुणाचल प्रदेशीय जातियों से संबंधित हैं जिसका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। उत्तर 'हां' या 'नहीं' में लिखें और यदि उत्तर 'हां' है तो उस जनजाति/जाति का नाम लिखें।

3. (क) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर होने वाली या कोई दूसरा बूखार, थियंका (गलेण्ड्स) का बढ़ना या नसों में पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूछा के दौर, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या वर्धता जिनके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ता है और जिसका मेडिकल सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसास) हुई है?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित बताने :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की प्रवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं। उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं। उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

6. क्या पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी बोर्ड परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

टिप्पणी :—उपरोक्त की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा । जानबूझ कर किसी सूचना की छिपाने के लिए व नियुक्ति को खो बैठने का जोखिम लेंगे और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुअन अलाउन्स) या उपदान (पेंशेंट्री) के सभी दावों से हाथ खो बैठेगा ।

(ख) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट ।

1. सामान्य विकास अच्छा बीच का कम पोषण पतला औसत माप कद (जूते उतार कर) (वजन कब था) वजन कोई हाल ही में आया परिवर्तन तापमान

2. छाती का घेरा :—

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

लक्ष्य—कोई जाहिर बीमारी ।

3. नेत्र :—

(1) कोई बीमारी

(2) रतींधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)

(6) फण्ड्स की जाँच

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे बिना चश्मे से चश्मे की पावर
गोल एक्सिस सिल

दूर की नजर

दा. ने.

बा. ने.

पास की नजर

दा. ने.

बा. ने.

हार्डपरमेट्रोपिया

(व्यक्त)

दा. ने.

बा. ने.

4. कान निरीक्षण सूना—दाया कान

. बायाँ कान

5. ग्रंथियाँ थाइराइड

6. दांतों की हालत

7. दबसन तंत्र (रिस्पिरेटरी सिस्टम)—क्या सांस्थिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है तो असमानता का पूरा व्योस दें ।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटरी सिस्टम) :—

(क) हृदय : कोई मांशिक गति (आर्गेनिक लीजन) :—

गति (रेट) खड़े होने पर

25 बार कुचाए जाने के बाद

कुचाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक

. डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : घेर सबस्यता

(टेंडरनेस) हर्निया

(क) बजाकर मालूम पड़ना/जिगर

तिल्ली गुद

ट्यूमर

(ख) रक्तचाप भंगदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम)—तांत्रिक या भाग्यिक अक्षमता का संकेत ।

11. काल तंत्र (लोकमोटर सिस्टम) की असमानता

12. जनन मूत्र तंत्र (जिनटो यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोमील, वीरकासील आदि का कोई संकेत

मूत्र परीक्षा :

(क) कैसा दिवाई पड़ता है

(ख) अपेक्षित गणत्व (स्पेशिफिक ग्रेडिटी)

(ग) एम्बुमन

(घ) शिक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएँ (मैल्ड)

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर ड्यूटी निभाने के लिए सभी तरह में योग्य पाया गया है ?

टिप्पणी :—बोर्ड को अपना परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :

- (1) योग्य (फिट)
- (2) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण
- (3) अस्थायी आधार पर योग्य जिसका कारण

तारीख अध्यक्ष

स्थान सदस्य

सदस्य

1. छाती की एक्स-रे परीक्षा रिपोर्ट :

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की ड्यूटी की दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

टिप्पणी : यदि उम्मीदवार कोई महिला है और यदि वह 1 सप्ताह या उससे अधिक समय में गर्भवती है तो उसे विनियम 10 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य कर दिया जाएगा ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA)

New Delhi-110011, the 13th January 1996

No. D.11011/70/79-G.S. (Ad. III).—Allotment of residences under the administrative control of the office of the Registrar General, India, to Officers/officials employed in the Directorates of Census Operations of Government of India in the States/Union Territories.

1. *Short Title, application and commencement :*

- (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences in the Directorates of Census Operations in the States/Union Territories.
- (2) These rules shall apply to Government servants employed in the Directorates of Census Operations in the States/Union Territories.
- (3) These shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Definition :*

- (a) In these rules unless to context otherwise requires : "ALLOTMENT" means the grant of a licence to occupy a residence in accordance with the provisions of these rules.
- (b) "ALLOTMENT YEAR" means the year beginning on the 1st January or such other period as may be notified by the Director concerned.
- (c) "DIRECTOR CONCERNED" means the Director of Census Operations in the States and Union Territories.
- (d) "ELIGIBLE OFFICE" means the Directorates of Census Operations in the States and Union Territories.
- (e) "EMOLUMENTS" means the amount drawn monthly by a Government Servant as the pay.
(The term 'Pay' explained in Annexure I).

Explanation :

In the case of an officer who is under suspension, the emoluments drawn by him on the first day of the allotment year in which he is placed under suspension, or, if he is placed under suspension on the first day of the allotment year, the emoluments drawn by him immediately before that date shall be taken as emoluments.

(f) "FAMILY" means the wife or husband, as the case may be and children, step-children, legally adopted children, parents, brothers, sisters as ordinarily reside with and are dependent on the officer.

(g) "GOVERNMENT" means the Central Government unless the context otherwise requires;

(h) "PRIORITY DATE" of an officer in relation to a type of residence to which he is eligible under the provisions contained in Annexure II means the earliest date from which he has been continuously drawing emoluments relevant to a particular type or a higher type in a post under the Central Government or a State Government or on foreign service except for periods of leave.

Provided that in respect of type I to IV residences, the date from which the officer has been continuously in service, under the Central Government or a State Government including the periods of foreign service shall be his priority date for that type.

Provided further that where the priority date of two or more officers is the same, seniority among them shall be determined by the emoluments the officer in receipt of higher emoluments taking precedence over the officer in receipt of lower emoluments; where the emoluments are equal, by the length of service and where the emoluments and length are equal, on the basis of the scale of pay of the officer, working in a post having higher scale of pay taking precedence over the officer in receipt of lower scale of pay.

(i) "LICENCE FEE" means the sum of money payable monthly in accordance with the rates fixed by the Directorate of Estates, Ministry of Urban Development from time to time in respect of residences allotted under these rules.

(j) "QUALIFYING APPOINTMENT" means an appointment, the incumbent of which is required to reside in duty with the Directorate of Census Operations.

(k) "RESIDENCE" means any residence for the time being under the administrative control of the Registrar General, India.

(l) "SUBLETTING" including sharing of accommodation by the allottee with another person with or without payment of licence fee by such other person.

Explanation : Any sharing of residence shall not be deemed to be subletting.

(m) "TEMPORARY TRANSFER" means transfer which involves an absence for a period not exceeding four months.

(n) "TRANSFER" means a transfer from the Directorate of Census Operations to any other place or to an ineligible office in the same place and includes a transfer or reversion to the State Government/ Union Territories administration and also transfer on deputation to a post in an in-eligible office or organisation.

(e) "TYPE" in relation to an officer means that the type of residence to which he is eligible under the provisions contained in Annexure II.

ALLOTMENT OF HOUSE OWNING OFFICERS

(1) In this rule

(a) "Adjoining Municipality" means any municipality contiguous to a local Municipality.

(b) "House" in relation to an officer or member of his family means a building or part thereof used for residential purpose and situated within the jurisdiction of a local municipality or of any adjoining municipality.

Explanation : A building, part of which is used for residential purpose, shall be deemed to be a house for the purpose of this clause notwithstanding that any part of it is used for non-residential purpose;

(c) "Local Municipality" in relation to an officer means the municipality within whose jurisdiction his office is located;

(d) "Member of family" in relation to an officer means the wife or husband, as the case may be, or a dependent child of the officer.

(e) "Municipality" includes a municipal corporation, a municipal committee or board, a town area committee, a notified area committee and a contonment board.

(2) An officer owning a house either in his own name or in the name of any member of his family at the place of his duty or in an adjoining municipality shall be eligible for allotment of Government residence on payment of licence fee for the Government accommodation allotted to him at such rate as may be determined from time to time by the Government.

(3) When after a Government residence has been allotted to an officer, he or any member of his family become owner of a house at the place of his duty or in an adjoining municipality, such officer shall notify the fact to the Director of Census Operations in the States/Union Territories within a period of one month from the date, the house is let out or occupied, or the date of completion whichever is earlier.

4. Allotment to Husband and Wife, eligibility in case of officers who are married to each other.

(1) No officer shall be allotted a residence under these rules if the wife or the husband, as the case may be, of the officer has already been allotted a residence, unless such residence is surrendered.

PROVIDED that this sub-rule shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(2) Where two officers in occupation of separate residences allotted under these rules marry each other, they shall, within one month of the marriage, surrender one of the residences.

(3) If a residence is not surrendered, as required by sub-rule (2), the allotment of the residence of the lower type period and if the residences are of the same type, the allotment of such one of them, as husband and wife may decide, shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

(4) Where both husband and wife are employed under the Central Government the title of each of them to allotment a residence under these rules shall be considered independently.

Notwithstanding anything contained in sub rules (1) to

(a) If a wife or husband, as the case may be, who is an allottee of a residence under these rules, is subsequently allotted a residential accommodation at the same station from a pool to which these rules do not apply, she or he, as the case may be, shall surrender any one of the residence within one month of such allotment.

PROVIDED that this clause shall not apply where the husband and wife are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any court.

(b) where two officers in occupation of separate residences, at the same station one allotted under these rules and another from a pool to which these rules do not apply marry each other, anyone of them shall surrender anyone of the residences within one month of such marriage.

(c) If a residence is not surrendered as required under-clause (a) or clause (b) the allotment of the residence in the general pool shall be deemed to have been cancelled on the expiry of such period.

(5) Classification of Residences :

Save as otherwise provided by these rules, an officer will be eligible for allotment of a residence of the type shown as under :—

Type of residence & Category of officer or his monthly emoluments as on the first day of the Allotment year in which the allotment is made

I Less than Rs. 950/-

II Less than Rs. 1500/- but not less than Rs. 950/-

III Less than Rs. 2800/- but not less than Rs. 1500/-

IV Less than Rs. 3600/- but not less than Rs. 2800/-

V(A) Less than Rs. 4500/- but not less than Rs. 3600/-

V(B) Less than Rs. 5900/- but not less than Rs. 4500/-

VI(A) Less than Rs. 6700/- but not less than Rs. 5900/-

VI(B) Rs. 6700/- and above.

PROVIDED that where type V and type VI accommodation has not been classified as type V(A) and Type V(B) and VI(A) grouped together and those eligible for type VI also grouped together.

PROVIDED further that where accommodation higher than type VI(B) is available, eligible of allotment will be as follows :

Type VII Less than Rs. 8000/- p.m. but not less than Rs. 7300/- p.m.

Type VIII Rs. 8000/- p.m. and above.

6. APPLICATION FOR ALLOTMENT

1. Application for allotment of all types of residences shall be made to the Director of Census Operations concerned through proper channel in such form and manner and by such date as may be specified by the Director concerned in this behalf. The Directorate of Census Operations shall maintain a waiting list for each type of residence as per the classification of residences. The waiting list shall show clearly the date of eligibility for allotment. Allotments shall be made according to the waiting list based on the date of entitlement.

2. An officer joining duty on first appointment or transfer in the Directorate of Census Operations may submit his application in the prescribed proforma to the Director of Census Operation concerned within a month of his joining duty.

7. Allotment of residences.

1. Save as otherwise provided in these rules, a residence falling vacant, will be allotted by the Director of Census Operations concerned preferably to an application desiring a change of accommodation in that type, under the provisions of Rule 13 and if not required for that purpose, to an applicant without accommodation in that type having the earliest priority date for that type of residences subject to the following conditions :—

(i) The concerned Director of Census Operations shall not allot a residence of a type higher than that to which applicant is eligible for.

(ii) The concerned Director of Census Operations shall not compel any applicant to accept a residence of a lower type than to which he is eligible for.

(iii) The Director of Census Operations concerned on request from an applicant for allotment of a lower category residence, may allot to him a residence next below the type for which the applicant is eligible under Rule 5 on the basis of his priority date for the same.

(2) The Director of Census Operation concerned may cancel the existing allotment of an officer and allot to him an alternative residence of the same type or an alternative residence of the type next below the type of residence in occupation of the officer on non-availability of residence of same type in the residence in occupation of the officer is required to be vacated.

(3) The allottee of the residence will be required to stay at the residence himself. He may reside outside on leave or due to any other reasons for more than 2 months only with the prior permission of the Director of Census Operation concerned who may cancel the allotment and arrange to evict if such permission is not taken. Provided that the allotment shall not be cancelled except after giving to the allottee a reasonable opportunity of showing cause against the proposed action.

(4) When a sufficient appropriate residence is not available, a higher or lower type of residence may be allotted when such allotment is considered advantageous in the interest of public work on the specific understanding that the individual(s) shall have to move into appropriate residence as and when it becomes available. The licence fee shall be recovered according to rules in force.

(5) If any residence remains unallotted owing to officers of the Directorate of Census Operations being unavailable for occupation, the Director of Census Operations concerned will allot it to a Central Government officer working in a department other than the Directorate of Census Operations, whom he considers suitable for allotment provided that the allottee gives an undertaking in writing that he shall pay the

prescribed licence fee and vacate the residence within two months from the date of receipt of a notice that is required for the use of the officer of the Directorate of Census Operations.

(6) When no officer in the correct pay scale is on the waiting list, a vacant residence shall be offered :

(a) first to an officer drawing higher emoluments on the waiting list for the next higher class provided he agrees to vacate it when a residence of the appropriate type falls vacant to which his place on the waiting list entitles him, then

(b) to officers drawing highest emoluments in the waiting list for the type below if they volunteer for it and are agreeable to vacate it whenever required by the Director of Census Operations concerned and are re-allotted appropriate type to shift into. The licence fee for higher type of residence shall be of standard licence fee under FR 45 A without limiting it to 10% of the emoluments of the allottee

8. Non-acceptance of allotment or offer or failure to occupy the allotted residence after acceptance.

(1) If any officer fails to accept the allotment of a residence within five days or fails to take possession of that residence after acceptance within eight days from the date of receipt of the letter of allotment, he shall not be eligible for another allotment for a period of one year from the date of the allotment.

(2) If an officer occupying a lower type residence is allotted or offered residence of the type for which he is eligible under Rule 5 or for which he has applied under Rule 7(i)(iii), he may, on refusal of the said allotment or offer of allotment, be permitted to continue in the previously allotted residence on the following conditions :—

(a) that such an officer shall not be eligible for another allotment for the remaining period of the allotment year in which he has declined the allotment or offer;

(b) while retaining the existing residence he shall be charged the same licence fee which he would have had to pay under F.R. 45-A in respect of the residence so allotted or offered or the licence fee payable in respect of the residence already in his occupation, whichever ever is higher.

9. Period for which allotment subsists and the concessional period for further retention :

(1) An allotment shall be effective from the date of which it is accepted by the officer and shall continue in force until—

(a) the expiry of the concessional period permissible under sub-clause (2) after the officer ceases to be on duty in the concerned Directorate of Census Operations;

(b) it is cancelled by the Director of Census Operations concerned or is deemed to have been cancelled under any provisions in these rules;

(c) it is surrendered by the officer; or

(d) the officer ceases to occupy the residence.

(2) A residence allotted to an officer may, subject to sub-rule (3) be retained on the happening of any of the events

specified in column 1 of the table below for the period specified in the corresponding entry in column 2 thereof, provided

that the residence is required for the bonafide use of the officer or members of his family :—

Events	Permissible period for retention of the residence
1	2
(i) Resignation, dismissal or removal from service, termination of service or unauthorised absence without permission	1 month
(ii) Retirement or terminal leave	4 months
(iii) Death of the allottee	6 months
(iv) Transfer to a place outside the Directorate of Census Operations in States/Union Territories	2 months
(v) Transfer to an ineligible office in the Directorate of Census Operations in States/Union Territories	2 months
(vi) On proceeding on foreign service in India	2 months
(vii) Temporary transfer in India or transfer to a place outside India	4 months
(viii) Leave other than leave preparatory to retirement, refused leave, terminal leave, medical leave/maternity leave or study leave.	For the period of leave but not exceeding 4 months
(a) Maternity leave	For the period of maternity leave plus leave granted to in continuation subject to the maximum of 5 months.
(ix) Leave preparatory to retirement or refused leave granted under M.R. 85 or Earned Leave granted to Government servant who retired under the provisions contained in Annexure III.	For the full period of leave on full average pay subject maximum 180 days in the case of leave preparatory to retirement and four months in other cases inclusive of the period permissible in the case of retirement.
(x) Study leave in or outside India	a) In case the officer is in occupation of accommodation below his entitlement, for the entire period of study leave. b) In case the officer is in occupation of his entitled type accommodation for the period of study leave but not exceeding six months. Provided that where the study leave extends beyond six months he may be allotted alternative accommodation, one type below his entitlement, on the expiry of six months or from the date of commencement of the study leave, if he so desires.
(xi) Deputation outside India	For the period of deputation but not exceeding six months.
(xii) Leave on medical grounds	Full period of leave.
(xiii) On proceeding on training	For full period of training.

Explanation-I : Where an officer on transfer or foreign service in India is sanctioned leave and avails of it before joining duty at the new office, he may be permitted to retain the residence for the period mentioned against items (iv), (v), (vi) and (vii) or for the period of leave, whichever is more.

Explanation-II : Where an order of transfer or foreign service in India is issued to an officer while he is already on leave, the period permissible under Explanation-I, shall count from the date of issue of such order.

(3) Where a residence is retained under sub-rule (2) the allotment shall be deemed to be cancelled on the expiry of the admissible concessional periods unless immediately on the expiry thereof the officer resumes duty in the Directorates of Census Operations concerned.

(4) Where an officer is on medical leave without pay and allowances, he may retain his residence by virtue of the concession under item (xii) of the Table below sub-rule (2), provided he remits the licence fee for such residence in case every month and where he fails to remit such licence fee for

more than two months. The allotment shall stand cancelled.

(5) An officer who has retained the residence by virtue of the concession under item (i) or item (ii) of the Table below sub-rule (2) shall, on re-employment in an eligible office, within the period specified in the said Table, be entitled to retain that residence and he shall also be eligible for any further allotment of residence under these rules.

PROVIDED that if the emoluments of the officer on such re-employment do not entitle him to the type of residence occupied by him, he shall be allotted a lower type of residence.

(6) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) or sub-rule (3) or sub-rule (5), when an officer is dismissed or removed from service or when his services have been terminated and the Head of the Department in respect of the office in which such officer was employed immediately before such dismissal, removal or termination is satisfied that it is necessary or expedient in the public interest so to do he may for reasons to be recorded in writing require the Director of Census Operations concerned to cancel the allotment of the residence made to such officer either forthwith or with effect from such date prior to the expiry of the period of one month referred in item (i) of the Table below sub-rule (2) as he may specify and the Director of Census Operations concerned shall act accordingly.

10. Provision Relating to Licence Fee.

(1) Where an allotment of accommodation or alternative accommodation has been accepted, the liability for licence fee shall commence from the date of occupation or the eighth day of the date of receipt of the allotment, whichever is earlier.

An officer who, after acceptance, fails to take possession of that accommodation within in eight days from the date of receipt of the allotment letter, shall be charged licence fee from such date upto a period of twelve days, provided that nothing contained herein shall apply where the Central Public Works Department certifies that the accommodation is not fit for occupation and as a result thereof the officer does not occupy the accommodation within the period aforesaid.

(2) Where an officer, who is in occupation of a residence, is allotted another residence and he occupied the new residence, the allotment of the former residence shall be deemed to be cancelled from the date of occupation of the new residence. He may however retain the former residence without payment of licence fee for that day and the subsequent day for shifting.

PROVIDED that if the former residence is not vacated by the subsequent date as aforesaid, the officer will be liable to pay damages for use and occupation of the residence services furniture and garden charges as may be determined by the Government from time to time, with effect from the date he takes possession of the later residence.

11. Personal Liability of the Officer for payment of Licence fee till the residence is vacated and furnishing of Surety by Temporary Officers.

(1) The officer to whom a residence has been allotted shall be personally liable for the licence fee thereof and for any damage beyond fair wear and tear caused thereto or the furniture, fixture or fittings or services provided therein by Government during the period for which the residence has been and remains allotted to him, or where the allotment has been cancelled under any of the provisions in these rules, until the residence alongwith the out houses appurtenant thereto have been vacated and full vacant possession thereof has been restored to Government.

(2) Where the officer to whom a residence has been allotted is neither a permanent nor a quasi-permanent Government servant he shall execute a security bond in the form prescribed in this behalf by the Central Government with a surety who shall be a permanent Government servant serving under the Central Government for due payment of licence fee and other charges due from him in respect of

such residence and service and any other residence provided in lieu.

(3) If the surety ceases to be in Government service or becomes insolvent or ceases to be available for any other reasons the officer shall furnish a fresh bond executed by another surety within thirty days from the date of his acquiring knowledge of such even or fact; and if he fails to do so, the allotment of the residence to him shall, unless otherwise decided by the Director of Census Operations concerned, be deemed to have been cancelled with effect from that date of that event.

12. Surrender of an allotment and period of notice.

(1) An officer may at any time surrender an allotment by giving intimation so as to reach the Director of Census Operations concerned at least ten days before the date of vacation of the residence. The allotment of the residence shall be deemed to be cancelled with effect from the eleventh day after the day on which the letter is received by the Director of Census Operations concerned or till the date specified in the letter whichever is later. If he fails to give due notice he shall be responsible for payment of licence fee for ten days or the number of days by which the notice given by him falls short of ten days, provided that the Director of Census Operations concerned may accept a notice for a short period.

(2) An officer who surrenders the residence under sub-rule (1) shall not be considered again for allotment of Government accommodation at the same station for a period of one year from the date of such surrender.

13. Change of Residences.

(1) An officer to whom a residence has been allotted under these rules may apply for a change to another residence of the same type or a residence of the type to which he is eligible under Rule 5 whichever is lower. Not more than one change shall be allowed in respect of the one type of residence allotted to the officer.

(2) An officer who intends to change the accommodation already allotted to him shall make application in the prescribed form to the Director of Census Operations concerned. After acceptance by the competent authority the name of the applicant shall be included in the computerised waiting list. The inter-seniority of the applicant so included, shall be determined "on first come first served basis".

(3) Change shall be offered in order of seniority determined in accordance with sub-rule (2) and having regard to the officer's preferences as far as possible.

Provided that no change of residence shall be allowed during a period of six months immediately preceding the date of superannuation.

(4) If an officer fails to accept a change of residence offered to him within five days of the issue of such offer or allotment he shall not be considered again for a change of residence of that type.

(5) An officer, who, after accepting a change of residence fails to take possession of the same, shall be charged licence fee for such residence in accordance with the provisions of sub-rule (1) of Rule 10 in addition to the normal licence fee under F.R. 45 A for the residence already in his possession, the allotment of which shall continue to subsist.

14. Change of Residence in the event of Death of a Member of the family.

Notwithstanding anything contained in Rule 13 an officer may be allowed a change of residence on the death of any member of his family if he applies for a change within three months of such occurrence, provided that the change will be given in the same type of residence and on the same floor as the residence already allotted to the officer.

15. Mutual Exchange of Residence.

Officers to whom residences of the same type have been allotted under these rules may apply for permission to

mutually exchange their residences. Permission for mutual exchanges may be granted if both the officers are reasonably expected to be on duty in the Directorates of Census Operations of States/Union Territories and to reside in their mutually exchanged residences for atleast six months from the date of approval of such change.

16. Maintenance of Residences

The officer to whom a residence has been allotted shall maintain the residence and premises in a clean condition to the satisfaction of Directors of Census Operations concerned. Such officer shall not grow any tree shrubs or plants contrary to the instructions issued by the Directors of Census Operations concerned nor cut or lop off any existing tree or shrubs in any garden, courtyard or compound attached to the residence save with the prior permission in writing of the Director of Census Operations concerned, tree, plantation or vegetation, grown in contravention of this rule may be caused to be removed by the Directorate of Horticulture at the risk and cost of the officer concerned.

17. Subletting and sharing of residences

(1) No officer shall share the residence allotted to him or any of the out-houses, garages and stables appurtenant there to except with the employees of the Central Government eligible for allotment of residences under these rules. The servant's quarters, out-houses, garages and stable may be used for the bonafide purposes including residence of the servants of the allottee or for such other purposes as may be permitted by the Director of Census Operations concerned.

PROVIDED that the officer shall send prior intimation to the Director of Census Operations concerned in such form as may be prescribed by the Registrar General, India intimating full particulars of the officer and his family residing in the quarter and full particulars of the sharer and his family.

(2) No officer shall sublet the whole of his residence :

PROVIDED that an officer proceeding on leave may accommodate, in the residence any other officer eligible to share Government accommodation, as a caretaker, for the period specified in Rule 9(2), but not exceeding six months.

(3) Any officer who shares or sublets his residence shall do so at his own risk and responsibility and shall remain personally responsible for any licence fee payable in respect of the residence and for any damage caused to the residence or its precincts or grounds or services provided therein by Government beyond fair wear and tear.

(4) A lady officer to whom accommodation has been allotted in the working Girl's Hostel will not be eligible to share the accommodation with any other officer. However, the Registrar General, India may allow children not exceeding the age of 12 years to reside with an officer.

18. Consequences of breach of rules and conditions

(1) If an officer to whom a residence has been allotted unauthorisedly sublets the residence or charge (licence fee) from the sharer at a rate which the Director of Census Operations concerned consider excessive or erects any unauthorised structure in any part of the residence or uses the residence or any portion thereof for any purpose other than that for which it is meant or tampers with the electric or water connection or commits any other breach of the rules in this Division or of the terms and conditions of the allotment or uses the residence or premises or permits or suffers the residence or premises to be used for any purpose which the Director of Census Operations concerned considers to be improper or conducts himself in a manner which in his opinion is prejudicial to the maintenance of harmonious relations with the neighbours or has knowingly furnished incorrect information in any application or written statement with a view to securing the allotment, the Director of Census Operations concerned may, without prejudice to any other disciplinary action that may be taken against him, cancel the allotment of the residence.

Explanation—In this sub-rule the expression 'officer' includes, unless the context otherwise requires, a member of his family and any person claiming through the officer.

(2) If an officer sublets a residence allotted to him or any portion thereof or any of the out-houses, garages or stables appurtenant there to, in contravention of these rules, he may, without prejudice to any other action that may be taken against him be charged enhanced licence fee not exceeding four times standard licence fee under F.R. 45-A. The quantum of licence fee is to be recovered in each case will be decided by the Director of Census Operations concerned in consultation with the Registrar General, India on merits. In addition the officer may be debarred, from sharing the residence for a specified period in future as may be decided by the Directors of Census Operations, concerned in consultation with the Registrar General, India.

(3) Where action to cancel the allotment is taken on account of unauthorised subletting of the premises by the allottee, a period of sixty days shall be allowed to the allottee, and other person residing with him therein to vacate the premises. The allotment shall be cancelled with effect from the date of vacation of the premises or expiry of the period of sixty days from the date of the orders for the cancellation of the allotments, whichever is earlier.

(4) Where the allotment of a residence is cancelled for conduct prejudicial to the maintenance of harmonious with neighbours, the officer at the discretion of the Director of Census Operations concerned may be allotted another residence in the same class at any other place.

(5) The Registrar General, India shall be competent to take all or any of the actions under sub-rules (1) to (4) of this rule and also to declare the officer, who commits a breach of the rules and instructions issued to him, to be ineligible for allotment of residential accommodation for a period not exceeding five years.

(6) Where any penalty under this rule is imposed by any officer of the rank of Deputy Director of Census Operations the aggrieved person, may within sixty days of the receipt of the orders by him or his employer imposing the penalty, file a representation to the Registrar General, India.

(7) The original order imposing the penalty shall stand unless it is modified or rescinded as a result of the representation.

19. Overstyle in residence after cancellation of allotment

Where after an allotment has been cancelled or is deemed to be cancelled under any provision contained in these rules, the residence remains or has remained in occupation of the officer to whom it was allotted or of any person claiming through him, such officer shall be liable to pay damaged for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges, as may be determined by Government from time to time or twice the licence fee he was paying, whichever is higher.

Provided that an officer, who was paying licence fee under FR-45A, in special cases, be allowed by the Registrar, General, India to retain a residence for a period not exceeding six months beyond the period permitting on payment of twice the standard licence fee or twice the pooled standard licence fee under FR-45A whichever is higher but not exceeding 30% of the emoluments (as defined under FR-45C) last drawn by the officer. In case of an officer who was not paying licence fee under FR-45A, he may be allowed to retain a residence for the same period of payment of twice the standard licence fee under FR-45A or twice the pooled standard licence fee under FR-45A or twice the licence fee that he was paying, whichever is higher.

Provided further that in the event of retirement or of terminal leave, the period for further retention on payment of licence fee as indicated in the aforesaid provision shall be not exceeding 4 months.

20. Continuance of allotments made prior to the issue of these rules

Any valid allotment or residence which is subsisting immediately before the commencement of these rules under the rules then in force shall be deemed to be an allotment duly made under these rules notwithstanding that the officer to whom it has been made is not entitled to a residence of that type and all the preceding provisions of these rules shall apply in relation to that allotment and that officer accordingly.

21. Interpretation of rules

If any question arises as to the interpretation of the rules it shall be decided by the Registrar General India in consultation with Ministry of Urban Development.

22. Relaxation of rules

The Government may for reasons to be recorded in writing relax all or any of the provisions of the rules in this Division in the case of any officer or residence or class of officers or type of residence.

23. Delegation of powers or function

The Registrar General, India may sub-delegate any or all the powers conferred upon the Directors of Census Operations in States/Union Territories by these rules to any officer under his control, subject to such condition as he may deem fit to impose.

ANNEXURE-I

F.R. 9(21) (a)

Pay means the amount drawn monthly by a Government servant as :—

- (i) the pay, other than special pay or pay granted in view of his personal qualifications which has been sanctioned for a post held by him substantively or in an officiating capacity, or to which he is entitled by reason of his position in cadre; and
- (ii) Overseas pay, special pay and personal pay; and
- (iii) any other emoluments which may be specially classed as pay by the president.

ANNEXURE-II

Classification of Residences

S.R. 317-B-5—Save as otherwise provided by these rules, an officer will be eligible for allotment of a residence of the type as shown in the table below :—

Type of residence	Category of officer or his monthly emoluments as on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned.
I	Less than Rs. 950/-
II	Less than Rs. 1500/- but not less than Rs. 950/-
III	Less than Rs. 2800/- but not less than Rs. 1500/-
IV	Less than Rs. 3600/- but not less than Rs. 2800/-

Type of residence	Category of officer or his monthly emoluments as on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned.
V(A)	Less than Rs. 4500/- but not less than Rs. 3600/-
V(B)	Less than Rs. 5900/- but not less than Rs. 4500/-
VI(A)	Less than Rs. 6700/- but not less than Rs. 5900/-
VI(B)	Rs. 6700/- and above.

Provided that where Type V and Type VI accommodation has not been classified as Type V(A) and Type V(B) and Type VI(A) and Type VI(B), all the officers eligible for Type V will be grouped together and those eligible Type VI also grouped together :

Provided further that where accommodation higher than Type VI(B) is available, eligibility of allotment will be as follows :

Type VI(B) is available, eligibility of allotment will be as follows :

Type VII Less than Rs. 8000/- p.m. but not less than Rs. 7300/- p.m.

Type VIII Rs. 8000/- p.m. and above.

2. Hostel Accommodation

Type of Hostel	Category of officer or his monthly emoluments as on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned.
Single room without kitchen	Rs. 2000/-
Single room with kitchen	Rs. 2600/-
Double room	Rs. 2800/-

3. Working Girls Hostel

All lady officers without limit of emoluments will be eligible.

GOVERNMENT OF INDIA'S ORDERS

(1) Stagnation increment is treated as 'emoluments' for determining eligibility of accommodation :—

In consultation with the Finance Division of the Ministry of Urban Development, it has been decided that the stagnation increment should be taken as part of the pay for determining the eligibility of the officers for allotment of residential accommodation.

[G.I. Dir. of Estates, O.M. No. 12035(2)/86 Pol. II, dated the 23rd January, 1991]

(2) NPA not to be taken into account for determining eligibility of accommodation :—

It is reiterated that Non-practising Allowances granted to medical officers will not be taken into account as part of pay for allotment of General Pool Residential accommodation to Doctors and the present practice of excluding it while determining entitlement for allotment of Government accommodation will continue.

[G.I. Dir. of Estate, O.M. No. 12033(1)/86 Pol II(Pt.) dated the 7th February 1990]

ANNEXURE-III

- 56(j)(i) If on a review of case either on a representation from the Government servant retired prematurely or otherwise, it is decided to reinstate the Government servant in service, the authority ordering reinstatement may regulate the intervening period between the date of premature retirement and the date of reinstatement by the grant of leave of the kind due and admissible, including extraordinary leave, or by treating it asides not depending upon the facts and circumstances of the case.

Provided that the intervening period shall be treated as a period spent on duty for all purposes including pay and allowances, if it is specifically held by the authority ordering reinstatement that the premature retirement was itself not justified in the circumstances of the case, or, if the order of premature retirement is set aside by a Court of Law.

- (ii) Where the order of premature retirement is set aside by a Court of Law with specific directions in regard to regulation of the period between the date of premature retirement and the date of reinstatement and no further appeal is proposed to be filed, the aforesaid period shall be regulated in accordance with the directions of the court.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 5th December 1995

No. F.9-7/94-U.3.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government, on the advice of the Commission, hereby declare the Indira Gandhi Institute of Development Research, Bombay as Deemed to be University for the purpose of the aforesaid Act with immediate effect.

ABHIMANYU SINGH,
Joint Secy.

(DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS)

New Delhi, the 14th December 1995

No. F. 1(8/95-YS.I.—The undersigned is directed to convey the approval of the President of India to the following amendment in the Rules of the Nehru Yuva Kendra Sangathan :

Rule 4 shall read as follows :

The Society registered under the name of Nehru Yuva Kendra Sangathan shall have the following members :—

Chairperson

(Ex-Officio)

- (i) Minister of State incharge of Youth Affairs & Sports.

Members

- (ii) Two members of Lok Sabha.
(iii) nominated by the Government.
(iv) One Member of Rajya Sabha.

- (v) to (viii)—

Four persons eminent in the field of culture, social work, voluntary organisations, academics, training institutions, information, adventure sports, art and other allied fields.

- (ix) One more person to be nominated by Chairperson.

Member-Secretary

(Ex-Officio)

- (x) Director General of the Sangathan.

AMARJEET KAUR,
Deputy Secy.

No. F.1-8/95-YS.I.—In pursuance of the Govt. of India's Resolution No. 24/1/87-NYK, dated 25-02-1987 and the relevant provisions of Rules of Nehru Yuva Kendra Sangathan, the following persons have been nominated as members of the society and Board of Governors of Nehru Yuva Kendra Sangathan with immediate effect for a period of three years.

1. Shri Bhajan Singh Nirankari, District Durg, Madhya Pradesh.
2. Shri Sharad Shukla, Gwalior, Madhya Pradesh.
3. Shri Deepak B. Katole, Nagpur, Maharashtra.

AMARJEET KAUR,
Deputy Secy.

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

New Delhi, the 13th January 1996

RULES

No. 1701102/95-IFS.II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1996 or the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

1. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

2. Every candidate appearing at the Examination, who is otherwise eligible, shall be permitted four attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1984.

Provided that this restriction on the number of attempts will not apply in the case of Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates who are otherwise eligible.

Provided further that the number of attempts permissible to candidates belonging to Other Backward Classes, who are otherwise eligible, shall be seven.

NOTE 1.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 2.—Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate, belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5(a) A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st July, 1996 i.e. he must have been born not earlier than 2nd July, 1968 and not later than 1st July 1975.

5(b). The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the Kashmir Division of the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (v) up to a maximum of ten years if a candidate belongs to a SC or a ST and had ordinarily been domiciled in the Kashmir Division of the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (vi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (viii) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1996 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be

completed within one year from 1st July, 1996) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;

- (ix) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1996 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st July, 1996) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;
- (x) up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st July 1996 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;
- (xi) up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st July, 1996 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xii) Up to maximum of three years in the case of candidates belonging to other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

NOTE I :—The term "ex-servicemen" will apply to the persons, who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE II :—Candidates falling under Rule 5(b)(ii) to 5(b)(xi) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

The Ex-Servicemen who have already secured regular employment under the Central Govt. in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-Servicemen for securing another employment in any higher post or Service under the Central Government.

NOTE III :—Candidates belonging to other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 5(b) above, viz. those coming under the category of Ex-Servicemen, persons domiciled in Kashmir Division of the State of J & K, repatriates from Kuwait and Iraq etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics, Statistics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture, Forestry or in Engineering or any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the results as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will also be eligible for admission to the Examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

NOTE II :—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by the other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government Service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees other than casual or rated employees or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be merely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test it is found that they do not fulfil any of eligibility conditions their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by the following means, namely :—
 - (a) offering illegal gratification to, or
 - (b) applying pressure on, or
 - (c) blackmailing or threatening to blackmail any person connected with the conduct of the examination, or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or

(vi) resorting to the following means in connection with his candidature for the examination, namely :—

- (a) obtaining copy of question paper through improper means;
- (b) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination;
- (c) influencing the examiners; or
- (vi) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing obscene matters or drawing obscene sketches in the scripts; or
- (ix) misbehaving in the examination hall including tearing of the crips, provoking fellow examinees to boycott examination, creating a disorderly scene and the like; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test;

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standard if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

16. A CANDIDATE WHO QUALIFIES ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SHALL BE REQUIRED TO INDICATE IN THE DETAILED APPLICATION FORM IF HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE STATE TO WHICH HE/SHE BELONGS IN CASE HE/SHE IS APPOINTED TO THE INDIAN FOREST SERVICE.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the Candidate for medical examination.

Note :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with requirements of the service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 kilometres in 4 hours in the case of male candidates and 14 kilometres in 4 hours for female candidates.

18. No Person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to Service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable are to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to take after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix-II.

A. K. GOYAL,
Director.

APPENDIX I

SECTION I

Plan of Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises :—

(A) Written examination in—

- (i) two compulsory subjects viz., General English and General Knowledge [See Section II below]—Maximum marks : 300.
- (ii) a selection from the optional subjects set out in Section II below, subject to the restriction on the combination of subjects indicated in the proviso thereunder. Candidates must take any two of those subjects—Maximum marks : 400.

(B) Interview for Personality Test [See Section III of this Appendix] of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 150.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subjects :—

Subject	Code No.	Maximum Marks
(1) General English	21	150
(2) General Knowledge	22	150

(b) List of optional subjects :—

Subject	Code No.	Maximum Marks
Agriculture	01	
Botany	02	200
Chemistry	03	200
Civil Engineering	04	200
Geology	05	200
Agricultural Engineering	06	200
Chemical Engineering	07	200
Mathematics	09	200
Mechanical Engineering	10	200
Physics	11	200
Zoology	13	200
Statistics	14	200
Forestry	15	200

Provided that the candidates will not be allowed to offer the following combination of subjects :—

- (a) Agriculture (Code No. 01) and Agricultural Engg. (Code No. 06)
- (b) Chemistry (Code No. 03) and Chemical Engg. (Code No. 07);
- (c) Mathematics (Code No. 09) and Statistics (Code No. 14).

NOTE :—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Schedule to this Appendix.

General : 1. All the question papers for the examination will be of conventional (essay) type.

2. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

3. The duration of each of the papers referred to above will be 3 hours.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

SECTION III

Personality Test.—The candidates will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subject of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country, as well as in modern currents of thoughts and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of observation and assimilation, balance of judgement and alertness of mind, initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion, mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

SCHEDULE

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science or Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ENGLISH

(Code 21)

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

GENERAL KNOWLEDGE

(Code 22)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Indian Polity including the political system and the Constitution of India, History of India and Geography of a nature which the candidate should be able to answer without special study.

AGRICULTURE

(Code 01)

Candidates will be required to answer questions from Section (A) and (B) or Section (A) and (C) below :

(A) Agricultural Economics

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income, comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production marketing, labour, credit etc.

Nature and study of farm management, its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming-determining factors. Planning for profitable use of land, water, labour and equipment, methods of measuring farm efficiency, nature and purpose of farm, book-keeping farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) Agronomy

Crop Production—Detailed study of KHARIF Crops; paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sun-hemp, Moong, Urd with reference to their introduction, distribution, seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate inter-culture; harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops; Wheat, Barley, Gram, Mustard, Sugarcane, Tobacco, Barsoem, with reference to their origin, history, distribution, soil and climate requirements, seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate inter-culture, harvesting, storing, physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India. Injurious effects and losses caused by weeds, chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principles of irrigation and Drainage—Necessity and sources of Irrigation water, water requirements of crop, common water lifts, duty of water, prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantages, and limitation of each method. Measurement of irrigation water, Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water methods of drainage.

(C) Soil Science & Soil Conservation

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange, capacity, based saturation percentage-ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter, its decomposition and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation and reclamation.

Effect of organic manures, green manures and fertilizers on soil properties, properties of common nitrogenous, phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space soil structure, soil water, types of soil water its retention, movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil air and its importance. Soil structure, its forms and their effect on the physio-chemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying—Earth's crust, soil forming rocks and minerals, their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals, factors and processes of soil formation, great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation—Soil erosion, factors effecting erosion, soil conservation, soil properties in relation to agronomic and engineering practices, land drainage, needs and practices for agricultural lands, land use classification, soil conservation planning and programme.

BOTANY

(Code 02)

1. Survey of the Plant Kingdom—Difference between animals and plants : Characteristics of living organism : Unicellular and multicellular organism : Viruses, basis of the division of the plant kingdom.

2. Morphology—(i) Unicellular plants—Cell, its structure and contents, division and multiplication of cells.

(ii) Multicellular plants—Differentiation of the body of non vascular plants and vascular plants : external and internal morphology of vascular plants.

3. Life History—Of at least one member of the following categories of plant; bacteria Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae; Rhodophyceae. Phycomycetes, Ascomycetes. Basidiomycetes, liver-worts, Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.

4. Taxonomy—Principles of classification : Principal systems of classification of angiosperm; distinctive features and economic importance of the following families Gramineae, Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae, Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelliferae, Labiate, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Verbenaceae and Compositae.

5. Plant Physiology—Autotrophy, heterotrophy, intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition respiration, growth, reproduction : plant/animal relation; symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. Plant Pathology—Cause and Cure of plant diseases; disease organisms, Viruses, deficiency disease; disease resistance.

7. Plant Ecology—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. General Biology—Cytology Genetics, plant breeding mendelism, hybrid vigour, Mutation, Evolution.

9. Economic Botany—Economic uses of plants especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruit, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. History of Botany—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

CHEMISTRY

(Code 03)

1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements, Aufbau principle, Periodic classification of elements. Atomic number, transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity, Nuclear fission and fusion.

Electronic theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Werner's theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and Oxidation number. Common oxidising and reducing agents, Ionic equilibations.

Lewis and Bronsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification; Principles of extraction isolation (and metallurgy) of important elements.

Structure of hydrogen peroxide diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus chlorine and sulphur.

Inert gases : Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of : Sodium carbonate, Sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilisers.

2. Organic Chemistry

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive mesomeric and hyperconjugative effect. Resonance and its application to Organic Chemistry, Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivative of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones acids, halides, esters and ethers, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy, ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates, classification and general reactions. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical, isomerism concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives : Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds, Benzoic, salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry

Kinetic theory of gases and gas laws. Max-well's law of distribution of velocities. Vander Waal's equation. Law of corresponding states, Liquefaction of gases. Specific heats of gases, ratio of Cp/Cv.

Thermodynamics : The first law of thermodynamics, Iso thermal and adiabatic expansions. Enthalpy, Heat capacities Thermochemistry—heats of reaction, formation solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchoff equation.

Criteria for spontaneous changes. Second Law of Thermodynamics. Entropy, Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solution, Osmotic pressure, lowering of vapour pressure, depression of freezing point, elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association, dissociation of solutes.

Chemical equilibria, Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria, Le Chatelier principle, influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis, conductivity of an electrolyte : equivalent conductivity and its variation with dilution solubility of sparingly soluble salts, electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law : anomaly of strong electrolytes; Solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration, buffer action, theory of indicators

Reversible cells, Standard hydrogen and calomel electrodes. Electrode and redox potential. Concentration cells. Determination of pH. Transport number, ionic product of water Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics; Molecularity and order of a reaction, first order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature co-efficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule : Explanation of the terms involved. Application to one and two component system. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal Solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids Coagulation. Protective action, gold number, Absorption.

Catalysts : Homogenous and heterogenous catalysis. Promotors, Poisoning.

Photochemistry : Laws of Photochemistry, Simple numerical problems.

CIVIL ENGINEERING

(Code-04)

1. Building material and properties and strength of materials

Building materials—Timber, stone, brick, lime, tile, sand, surkhi, mortar and concrete, metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.

Stresses and strains—Hook's law—Bending Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams, maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary engineering

Construction—Brick and stone, masonry, walls, floors and roofs, staircases, carpentry in wooden floors, roofs, ceiling, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and varnishing etc.).

Soil mechanics—Soils and their investigation, bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principle units of measurement : Taking out quantities for buildings and preparation of abstract of costs—specification and data sheets for important items.

Water supply—Sources of Water, standards of purity, methods of purification, layout of distribution system pumps and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenances, septic tanks, Imhoff tanks, sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges

Survey and alignment—Highway materials and their placements, Principles of design—width of foundation and pavement, camber gradient curves and super-elevation—retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam roads, bituminous surfaces and concrete roads, draining of roads : Bridges—Types, economical spans, IRC, loadings designing superstructure of small span bridge—Principles of designing, foundation of abutments and piers of bridges, pile and well foundations. Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering

Steel structures—Permissible stresses, Design of beams simple and built-up columns and simple roof trusses and girders columns bases and grillages for axially and eccentrically loaded columns—Bolted rivettes and welded connections.

R.C.C. structures—Specifications of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads, permissible stresses in R.C.C. members subject to direct and bending stress—Design of simply supported overhanging and cantilever beams, rectangular Tee beams in floors, roofs and lintels—axially loaded columns; their bases.

GEOLOGY

(Code-05)

1. General Geology

Origin, age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion : Soil types, their classification and soil groups of India : Physiographic sub-division of India, Vegetation and topography; Volcanoes, earthquakes, mountains, diastrophism.

2. Structural Geology

Common structure of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds, faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy

Elementary knowledge of crystal symmetry. Law of crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy

Principles of stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological records. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

AGRICULTURAL ENGINEERING (CODE-06)

1. *Soil and Water Conservation*—Definition and scope of soil conservation; mechanics and types of erosion, their causes, Hydrologic cycle, rainfall and runoff—factors affecting them and their measurements, stream gauging—evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulics, Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterways, Principles of flood control, Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream bank erosion and its control. Wind erosion and its control. Principles of watershed management.

Investigation and planning in River Valley Projects.

2. *Irrigation and drainage*—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water—consumptive use. Water requirements of crops. Measurements and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, weirs and flumes. Leveling and layout of irrigation systems. Design and construction of canals, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes structures and road crossing. Occurrence of ground water. Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development, Testing of wells.

Drainage—Definition—causes of water logging. Methods of drainage; Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. *Building materials*—kinds of building materials—their properties, Timber, brickwork and R.C. construction, design of column, beams, roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm houses, animal shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

4. *Farm power and machinery*—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating, cooling and governing systems of IC engines. Different types of tractors. Chassis transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery, interculture tools and machinery. Plant protection equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. *Electricity and rural electrification*—Power generation and transmission; Distribution of electricity for rural electrification: A.C. and D.C. circuit.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types, selection, installation and maintenance.

CHEMICAL ENGINEERING

(Code-07)

1. *Transport phenomena*: (Under steady state conditions):

(a) Momentum transfer:

- (i) Different patterns of flow and their criteria.
- (ii) Velocity profile.
- (iii) Filtration; sedimentation; centrifuge.
- (iv) Flow of Solids, through fluids.

(b) Heat transfer: Different modes of heat transfer; Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan.

Boltzman law. Emmissivity and absorptivity, Geometrical shape factor. Heat load of furnaces—calculation.

(c) Mass transfer: diffusion in gases and liquids. Absorption, desorption, humidification, dehumidification, drying and distillation Analogy between momentum heat and mass and transfer.

2. *Thermodynamics*:

(a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.

(b) Determination of internal energy, entropy, enthalpy and free energy—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory of mixing various mixers for liquid-liquid solid-liquid and solid-solid.

3. *Reaction Engineering*:

(i) Kinetics—Homogenous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions.

Bath and flows—Reactors and their design.

(ii) Catalysis—Choice of Catalysts:

Preparation:

Mechanics of catalysis based upon mechanism.

4. *Transportation*—Storage and transport of materials and in particular powders, resins, volatile and non-volatile liquids, emulsions and dispersions, pumps, compressors and blowers. Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid-liquid; solid-liquid, solid-solid.

5. *Material*—Factors that determine choice of materials of construction in chemical industries—Metals and alloys, ceramics, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. *Instrumentation and process control*—Mechanical hydraulic, pneumatics, thermal, optical, magnetic, electrical and electronic instruments. Controls and control systems. Automation.

MATHEMATICS

(Code-09)

PART A

Algebra:

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function, equivalence relation.

Numbers: integers, rational numbers, real numbers ((statement of properties), complex number, algebra of complex numbers.

Groups, sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups, Lagrange's theorem isomorphism.

De-Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations: Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equations, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations, location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices: Algebra of matrices, determinants—simple properties of determinants, products of determinants and joint of a matrix, inversion of matrices rank of matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities: arithmetic and geometric means, Cauchy Schwarz in equality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, Ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions.—Planes, straight lines and spheres (Cartesian Co-ordinate only).

Calculus and Differential Equation

Differential calculus : Concept of limit continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Roll's theorem. Mean value theorem, Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their application. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable. geometrical applications such as tangent, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian coordinates only). Envelopes, partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus : Standard methods of integration, Riemann definition of definite integral of continuous functions, fundamental theorem of Integral calculus. Rectification quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergence of sequence and series. test of convergence of series with positive terms. Ratio, Root and Gauss tests.

Alternating series

Differential Equations : Solution of standard first order differential equation. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple applications of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

PART B

Mechanics : (Vector Methods may be used)

Statics.—Representation of a force, parallelogram of forces; composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces, centre of gravity of simple bodies. Friction—static and limiting friction angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. simple problems. simple machines (lever, system of Pulleys, gear), Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—**Kinematics.**—displacement, speed velocity and acceleration of a particle. relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central orbits. Simple harmonic motion. motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

Astronomy

Spherical Trigonometry.—Sine and cosine formulae. properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy.—Celestial sphere. Coordinate systems and their conversion. Diurnal motion. Sidereal and solar times. mean solar time, local and standard times. equation of time. Rising and setting of the sun and stars dip of the horizon. Astronomical refraction. Twilight. Parallax, aberration, precession and nutation. Keplers laws, Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon phases of the moon. Astronomical Instruments—Sextant transit instrument.

Statistics

Probability.—Classical and statistical definition of probability. calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous). density function. Mathematical expectations.

Standard distribution.—**Binomial.**—definition, mean and variance, skewness, limiting form, simple applications; **Poisson.**—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson—distribution to given data; **Normal.**—simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution.—Correlation, linear regression involving two variables fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distributions and simple test of hypothesis : Random sample. statistic. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal; χ^2 and F distribution for test of significance.

NOTE : Candidates will be required to answer compulsorily from Part A of the syllabus one question on each of the three topics viz. (1) Algebra, (2) Analytic Geometry of two and three dimensions, and (3) Calculus and differential equation. From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer at least one question on any one of the three topics viz. (1) Mechanics. (2) Astronomy and (3) Statistics.

MECHANICAL ENGINEERING (Code-10)

1. Strength of Materials

Stresses and strains—Hooke's Law and relations between elastic constant—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment shear force and deflection in simply supported overhanging and cantilever beams for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts, springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses, and combined bending and torsion.

Elastic theory of failure—Stress concentration and fatigue.

2. Theory of Machines and Machine Designs

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed variation of flywheels Governors. Power transmitted, by belt drive—Friction and lubrication of journals and thrust bearings. ball and roller bearings. Designs of fastenings, and locking devices—Proportions of rivetted, bolted and welded joints and fastening.

3. Applied Thermodynamics

Fuels—Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas Laws. Expansion and compression of gases—Air compressors.

Ideal and actual engine cycle—Use of temperature—entropy heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

Simple steam engines and internal combustion engines.

Indicators and indicator Diagrams—Mechanical Thermal air standard and actual efficiencies—General construction—Engine trial and heat balance.

4. Production Engineering

Common machine tools—Working principles and designs features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—

Jigs and fixtures, Metal cutting tools—Tool materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive Wheels.

Welding—Weldability and different welding Processes—Testing of welds.

Forming processes—moulding, casting, forging, rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits. Measurements of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion—time data—Work Sampling job evaluation—Wages and incentives—Planning, control Plant layout.

5. Fluid Mechanics and Water Power

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Design principles, application and characteristics curves principles of similarity, Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

PHYSICS

(Code-11)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Movement of Inertia work energy and momentum, Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity; Surface tension. Viscosity of liquids, Rotary pumps McLeod gauge.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations; Wave motion. Doppler effect; Velocity of sound waves; effect of pressure, temperature humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance; Beats Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones, talkies and loudspeakers.

3. Heat Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzman's distribution law. Vander Waal's equation of States Joule Thomson effect liquefaction of gases. Heat Engines; Carnot's theorem. Laws of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics, Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments Wave theory of light; Interference; simple interferometer, Diffraction; Diffraction Grating; Polarization of light; Elements of spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases, Gauss theorem and simple application; Electrometers. Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects. Electromagnetic induction. Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electronics, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

ZOOLOGY

(Code-13)

Classification of the animal kingdom into principal groups, distinguishing features of the various classes.

The structure, habits, and life-history of the following non-chordate types.

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liver-fluke, tape-worm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, house-fly, mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail and starfish (External characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects; termite locust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types :

Branchiostoma : Scolidon; Frog, Uromastix or any other lizard (Skeleton of varanul); pigeon (Skeleton of fowl) and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick, structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis, mendelian inheritance, asexual and sexual modes of reproduction, parthenogenesis metamorphosis, alternation of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wildlife of India including poisonous and non-poisonous snakes, game Birds.

STATISTICS

(Code 14)

NOTE :—In all nine questions will be set with two questions from each of the Section A, B, and C and three questions from Section D.

A candidates will be required to answer five questions selecting at least one from each Section. All questions will carry equal marks.

A. Probability Theory

Random Experiments; Classical and Axiomatic Definitions of Probability; Addition and Multiplication Theorems; Conditional probability; Independence of Events; Bay's theorem.

Random Variables Probability Mass and Density Functions: Distribution functions; Mathematical Expectation. Moments; Moment Generating Functions.

Binomial, Poisson, Geometric Hypergeometric Negative Binomial, Uniform, Normal, Beta and Gamma distributions.

Bivariate Normal distributions; Conditional and Marginal distributions.

Chebychev's Inequality, Weak Law of Large Numbers and Central Limit Theorem for Independently and Identically Distributed Random Variables (statements and applications only).

B. Statistical Methods

Compilation and Summarization of data, Graphical and Diagrammatic Representation, Central Tendency and its

measures; Arithmetic Mean, Geometric Mean, Harmonic mean; Median and Mode; Their relative merits and demerits. Dispersion and its measures, Range, Interquartile Range, Standard Deviation, Mean Absolute Deviation and Coefficient of Variation; Their Properties.

Skewness and Kurtosis, and their measures, Summarization of Bivariate Data, Consistency of Qualitative data, Independence of Attributes and Measures of Association.

Correlation and Regression, Rank Correlation, Inter-class Correlation; Correlation Ratio; Partial and Multiple Correlations for the case of three characteristics only.

C. Sampling Distributions and Inference

Concepts of Random Sampling and Sampling Distribution; t , X^2 (Chi Square), F and Z distributions.

Testing of Hypotheses : Two Types of Errors, Level of Significance; Power; Neyman-Pearson Lemma for simple hypothesis against a simple alternative; Concept of Most Powerful test and U M P test.

Test based on Normal, t , X^2 (Chi Square) and F distributions for proportions, means, variances, correlation and regression coefficients, Large sample tests. Non-parametric tests Sign Test, Median Test Wilcoxon-Mann-Wintney Test; Run Test. Estimation of parameters : Point and Interval estimation : Unbiasedness, Consistency, Efficiency and Sufficiency of Estimators. Methods of Maximum Likelihood and Moments; Their properties (Statements only).

D. Applied Statistics

Sampling vs. Complete Enumeration : Simple Random, Sampling, Cluster Sampling and two stage Sampling with Numbers.

Stratified Sampling : Problems of Allocation. Systematic Sampling, Cluster Sampling and Two Stage Sampling with Equal Primary Stage Units, Ratio and Regression Methods of Estimation.

Non-sampling errors; Interpenetrating Sub-samples. Design of Experiments, Principles of Scientific Experimentation, Randomization, Replication and Local Control; Completely Randomized, Randomized Block and Latin Square Designs Missing Plot Technique.

Time Series Analysis : Components of a Time series, Measurement of Trend, Seasonal Variations and Random Fluctuations, Statistical Quality Control : Cause of Variation; Control and Specification Limits; Construction and Uses of \bar{X} , R , P , \bar{C} and C charts.

Single and Double Acceptance Sampling Plans.

Index Number : Definition, Construction and Uses of Price and Quantity Index Numbers, Laspeyre, Paasche, Marshall-Edgeworth and Fisher Index Numbers; Tests for Index Numbers.

Construction of Cost of Living Index Numbers.

FORESTRY

(Code 15)

NOTE :—Candidates will be required to answer questions from Section A and B or Section A and C below.

There will be six questions in Section A, five each in B and C. The candidates will be required to attempt minimum three and maximum four from Section A and minimum two and maximum three either from Section B or C.

SECTION A

1. Silviculture :

General Silvicultural Principles; ecological and physiological factors influencing vegetation; natural and artificial regeneration of forests; nursery techniques, seed technology-collection, storage, pretreatment and germination; establishment and tendings. Silvicultural systems-clear felling uniform, shelterwood, selection, coppice and conversion systems.

Silviculture of some of the economically important species of India such as *Cedrus deodara*, *Pinus roxburghii*, *Acacia catechu*, *Acacia auriculiformis*, *Acacia nilotica*, *Albizia* spp., *Artocarpus* spp., *Anogeissus* spp., *Bambusa* spp., *Casuarina equisetifolia*, *Dalbergia* spp., *Dipterocarpus* spp., *Eucalyptus* spp., *Gmelina arborea*, *Lagerstroemia* spp., *Populus* spp., *Salmaliamalabarica*, *Shorea robusta*, *Tectona Grandis*, *Terminalia* spp.

Social forestry-objectives, scope, necessity, agro-forestry; extension forestry; recreation forestry, peoples participation.

2. Forest Mensuration and Management:

Methods of measuring—diameter, girth, height and volume of trees; form-factor volume estimation of stand : sampling methods; yield calculation—current annual increment; mean annual increment; sample plots; yield and stand tables, scope and objectives of forest inventory; aerial survey and remote sensing techniques.

Forest management—objectives and principles; techniques; sustained yield relation; normal forest, growing stock; regulation of yield—methods and application, working plans preparation and control.

3. Forest Utilisation:

Logging and extraction techniques and principles; transport, storage and sale. Minor forest product—definition and scope; gums, resins, oleoresins, fibres, oil-seeds, nuts, rubber, canes, bamboo, medicinal plants, charcoal, apiary, sericulture, lac and shellac, tassar silk, Katha and Bidil Leafs. Collection, processing and disposal of minor forest products.

Wood technology; anatomical, physical and mechanical properties of wood; defects and abnormalities; composite and other wood products; pulp, paper and rayon. Saw milling, wood seasoning and preservation.

SECTION B

Forest Protection :

Injuries to forest-abiotic and biotic; insect, pests and diseases; General forest protection against fire, insect, pests and diseases; biological and chemical controls.

2. Forest Ecology and Forest Biology :

Biotic and abiotic components of forest ecology forest ecosystems; forest community concepts; vegetation concepts; ecological succession and climax; primary productivity; nutrient cycling and water relations, physiology in stress environments (drought, water logging, alkalinity and salinity); composition of forest types in India; species composition and associations; dendrology, taxonomic, classifications; identification of species, principles and establishment of herbaria and arboreta. Principles and concepts of tree improvement; methods and techniques; exotics.

Ecology and biology of Wildlife; principles and techniques of managements; endangered species wildlife conservation.

SECTION C

1. *Forest Economics Policies and Legislation :*

Fundamental principles of forest economics cost benefits analyses; estimation of demand and supply; assessment and projection of market structures; role of corporate financing, socio-economic analyses of forest productivity and attitudes, History of forest development; Indian forest policy of 1894 and 1952, National Commission on Agriculture—report on forestry; constitution of Wasteland Development Board, Indian Council of Forestry Research and Education.

Forest laws; necessity, general principles; Indian Forest Act, 1972; Forest Conservation Act, 1980; Wildlife (Protection) Act, 1972.

2. *Forest Surveying and Engineering :*

Different methods of surveying—chain, prismatic, compass, levelling and topographic surveys; area calculation, maps and map reading.

Basic principles of forest engineering. Building materials, and construction. Road-objects and classification general principles; construction Bridges—general principles; objects, types, simple design and construction of timber bridges.

3. *Forest Soils and Soil Conservation :*

Forest soil : classification; factors affecting soil formation; physical and chemical properties.

Soil conservation—definitions; causes of erosion; types—wind and water erosion; conservation and management of eroded areas; windbreaks, shelter belts, fixation of sand dunes; reclamation of alkaline, saline, water logged and other waste lands.

Watershed management—objective and methods.

APPENDIX II

(Vide Rule 20)

Brief particulars relating to the Indian Forest Service (vide Rule 20).

(a) Appointment will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) if in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith, or, as the case may be, revert him to the permanent post on which he holds a lien, or would hold a lien had he not been suspended, under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clause (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(f) *Scale of Pay*

1. *Junior Scale :* Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-

2. *Senior Scale :*

(i) *Time-scale :*

Rs. 3000 (5th and 6th year)—100-3500-125-4500/-

(ii) *Junior Administrative Grade :*

Rs. 3700-125-4700-150-5000/-,

(iii) *Selection Grade :*

Rs. 4100-125-4850-150-5300/-.

3. *Super-time Scale :*

(i) *Conservator of Forests*

Rs. 4500-150-5700/-,

(ii) *Addl. Chief Conservator of Forests/Chief Conservator of Forests.*

Rs. 5900-200-6700/-.

4. *Above Super-time Scale :*

*Principal Chief Conservator of Forests**

In Small States : Rs. 7300-100-7600.

In Bigger States : 7600/-.

*Where sanctioned.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the junior time scale and permitted to count the period spent in probation towards leave pension or increment in the time scale.

(g) *Provident Fund.*—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) *Leave.*—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) *Medical Attendance.*—Officers of Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) *Retirement Benefits.*—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of competitive Examination are governed by the All India Service (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(Vide Rule 17)

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. *Walking Test :* The male candidates will be required to qualify in walking test of 25 kilometers to be completed in 4 hours and female candidates 14 kilometers to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Government of India so as to synchronise with the sitting of the Medical Board.

(3) (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The Minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Height	Chest (fully expanded)	Expansion
163 cms.	84 cms.	5 cms (for men)
150 cms.	79 cms.	5 cms. (for women)

The following minimum height standards may be allowed in the case of candidates belonging to Scheduled Tribes and in races such as Gorkhas, Nepales, Assamese, Meghalaya, Tribals, Ladaknese, Sikkimese, Bhutanese, Garowales, Kumaonis, Nagas and Arunachal Pradesh candidates whose average height is distinctly lower :—

Men	152.5 cms.
Women	145.0 cms.

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex or the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimeters and parts of it centimeter to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted around the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimeters 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half centimeter should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The results of each test will be recorded :—

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids, or contiguous structures of such a sort as render, or are likely to render him unfit for service at a future date.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for

distant vision other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basis information in regard to the condition of the eye.

The Indian Forest Service is technical service.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows;

Distant vision		Near vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
(corrected vision)		(corrected vision)	
6/6	6/6	N. 5	N. 5

Type of correction permitted : Best correction (unspecified) Radial Keratotomy.

NOTE :—

(1) *Fundus Examination.*—In every case of Myopia Fundus Examination should be carried out and the result recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—8.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate is found unfit on ground of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(2) *Colour Vision.*—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	16 feet
2. Size of aperture	1.3 mm
3. Time of exposure	5 Sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates shown in good light and suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE : For appointment to the Indian Forest Service, Lower Grade of colour vision will be considered sufficient.

(3) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimter.

(4) *Night Blindness.*—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity.*—(a) any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma.*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint.*—As the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons.*—The employment of one eyed individuals is not recommended.

8. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—20 years of age of average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bluing during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the

well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of times prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sound are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level). This 'Silent gap' may cause error in reading.

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test the board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit" subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :

(a) That the candidates hearing in each is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in a hearing is re-mediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has not progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|---|---|
| (1) Marked or Total deafness in one ear other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibels in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ear in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000 HZ. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. |

Under improved condition of ears surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

- (ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit.
- (iii) Central perforation in both ears—temporarily unfit.
- (4) Ears with Mastoid cavity sub-normal hearing on one side on both sides.
- (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity Fit for both technical and non-technical jobs.
- (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
- (5) Ossiculatory discharging ear operated/unoperated.
- Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
- (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
- (ii) if deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
- (7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.
- (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
- (ii) Hoarseness of voice severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (8) Benign or locally malignant Tumours of the ENT.
- (i) Benign Tumours—temporarily unfit.
- (ii) Malignant Tumours—unfit.
- (9) Otosclerosis
- If the hearing is within 30 Decibels after operation with the help of hearing aid—Fit.
- (10) Congenital defects of ear, nose or throat.
- (i) If not interfering with functions—Fit.
- (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (11) Nasal Poly
- Temporarily unfit.
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary
- for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well-formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hand and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of active or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.
12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.
- When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere in the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
- In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.
- NOTE : Candidates are warned that there is no right of appeal from Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decisions of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.
- If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.
- Medical Board's Report
- The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—
1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.
- No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared Temporarily unfit the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the Maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration*

the candidate must make the statement required below prior to his Medical examination and must sign the Declaration appended thereto. Their attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your Name in full
(in block letters).

2. State your age and birth place.

(a) Do you belong to Scheduled Tribes or
to races such as Gorkhas, Nepalese,
Assamese, Meghalaya Tribals, Ladakhese,
Sikkimese, Bhutanese, Garwalies,
Kumaonis, Nagas and Arunachal Pra-
desh, whose average height is distinctly
lower? Answer 'Yes' or 'No' and if
the answer is 'Yes' state the name of
tribe/race.

3. (a) Have you ever had small pox, inter-
mittent or any other fever, enlargement
or suppuration of glands, spit-
ting of blood, asthma, heart disease,
lung disease, fainting attacks, rheuma-
tism, appendicitis.

or

(b) Any other disease or accident requir-
ing confinement to bed and medical or
surgical treatment.

4. Have you suffered from any form of
nervousness due to overwork or any other
cause?

5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sis- ters living, their ages and state of health	No. of sis- ters dead, their ages, at and cause of death
1	2	3	4

6. Have you been examined by a
Medical Board before?

7. If answer to the above is 'Yes'
please state what Service/Services
you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical
Board held.

10. Result of the Medical Board's exami-
nation, if communicated to you or if
known.

I declare all the above answers to be, to the best of my
belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's Signature

Signature of the Chairman of the Board

NOTE:—The candidate will be held responsible for the
accuracy of the above statement. By wilfully suppressing
any information he will incur the risk of losing the appoint-
ment and if appointed off forfeiting all claims to superannua-
tion allowance or gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate)
physical examination.

1. General Development: Good,Fair
Poor NutritionThinAverage
Obese Height (without shoes)
..... Weight Best Weight
..... When?Any recent change in
weightTemperature

2. Girth of chest:

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

Skin: Any obvious disease

3. Eyes:

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	
		Sph. Axis	Cy.
Distant vision			
R.E.			
L.E.			
Near Vision			
R.E.			
L.E.			
Hypermetropia (Manifest)			
R.E.			
L.E.			
4. Ears : InspectionHearing : Right EarLeft Ear			
5. GlandsThyroid.....			
6. Condition of teeth			
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?			
If yes, explain fully			
8. Circulatory System :			
(a) Heart : Any organic lesions ? Rate Standing After hopping 25 times 2 minutes after hopping			
(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic			
9. Abdomen : Girth Tenderness Hernia.....			
(a) Palpable LiverSpleen..... KidneysTumours			
(b) HaemorrhoidsFistula			

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disability

11. Loco-Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.

Urine Analysis :

(a) A physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE :—In case of a female candidate; if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 10.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of duties in the Indian Forest Service ?

NOTE :—The Board should record their findings under one of the following three categories :—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman

Member

Member